"The Study of Special Facilities (Incentive) and Educational Development of Tribal Students and Attitude of Society towards them"

"जनजाति के छात्रों को वी जाने वाली अतिरिक्त सुर्विधाएँ (उत्प्रेरक) और छात्रों का शैक्षिक उन्नयन तथा समाज की इनके प्रति अभिवृति"

1988-89



PROJECT INCHARGE

#### Dr. Ashwani Kumar Gaur-

(R. E. S.).

Ph. D. in Education.

Govt. Kinwar Pada Senior Higher-Secondary School, Udeipur (Raj.)

National Council of Educational Research & Training (Department of Policy Research Planning and Programming) ERIC SECTT.

## अनुक्रम िषका

- । । अाध्य
- 2) विषय वस्तु
- 3 १ संस्थ ग्रन्थ सूची
- 4 है परिश्चिष्ठ

विषय वस्तु सूची :

समस्या आकल्प:

पृष्ठ । से 🤊 🗸 तक

परिच्छेद प्रथम :

पुस्तावना, समस्या कथन, समस्या के उद्देश्य, सरकारी स्विधाओं की वर्तमान स्थिति, समस्या का औचित्य, पारिभाभिषक शब्दावली, सम्बीन्थत साहित्य, विधि, यन्त्र निर्माण पृक्रिया, न्यादर्श, दत्त संकलन, दत्त विश्लेषण, सांख्यकीय उपयोग, सारणीयन, रिपोटिंग एवं परिश्लिष्ठ सूची ।

दितीय परिच्छेद :

90 173

जनजाति वर्ग का शैक्षिक विकास एवं विशेष सुविधाएँ

प्रसावना, राजस्थान में उम के अनुसार अध्ययनरत छात्र/छात्रासँ, जनजाति के छात्र-छात्राएँ, कक्षा स्तरानुसार छात्र/छात्रासँ, विद्यालयों की वर्तमान स्थिति, अध्यापकों की वर्तमान स्थिति, चयनीत विद्यालयों में बजट एवं नामांकन की स्थिति, सुविधाओं के प्रकार, छात्रवृति, छात्रावास एवं आश्रम विद्यालय, समाज कल्याण विभाग द्वारा शिक्षा पर व्यय राशि की वर्तमान स्थिति का विद्यलेखण, छात्रवृति सम्बन्धी पृष्टुख निष्टकर्ष, आश्रम विद्यालयों की स्थिति, आश्रम विद्यालयों में पृतिष्ठात्र सामगी क्य करने की स्थिति, आश्रम विद्यालयों की स्थिति का विद्यलेखण, पृष्टुख निष्टकर्ष एवं सुद्याव ।

तृतीय परिच्छेद : =-=-==

7114157

# अध्यापकों की अभिवृति का विश्लेषण

विद्यालय की दूरी एवं विकास, विकास, विद्यालय प्रवेश नियम, आवासीय सुविधाएँ तथा प्रशासकों, अध्यापकों का व्य-वहार एवं विकास, जनजाति वर्ग के जनमजात गुण एवं प्राप्त अवसर सुविधाएँ आंर वैक्षिक विकास, पारिवारिक कारण एवं वैक्षिक विकास, सरकारी सुविधाएँ एवं वैक्षिक विकास, विकास,

एमं विकास, प्रवासिनिक व्यवस्थाएँ एमं विकास ।

# चतुर्थं परिच्छेद :

अभिभावको की अभिवृत्ति का विश्लेषण 🔑 पृष्ठ से नैतक

प्रतावना, विद्यालय की गाँव से दूरी एवं शिक्षा विकास, प्रवेश नियम एवं शिक्षा विकास, आवासीय विद्यालयों की सुविधाएं तथा प्रशासकों एवं अध्यापकों का व्यवहार और शिक्षा विकास, जन-जाति वर्ग के जन्मजात सुन एवं प्राप्त अवसर, सुविधाएं और पृश्चि- क्षण तथा शैक्षिक विकास, पारिवारिक कारक एवं शैक्षिक विकास, सरकारी सुविधाएं एवं शिक्षा विकास, शिक्षा सामग्री एवं शिक्षा विकास, पृशासीनक व्यवस्थाएं और शिक्षा विकास

पंचम परिच्छेद :

दत्तों का सांख्यकीय विश्लेषण १८८ पृष्ठः से खेतिक

दत्तों पर सह-सम्बन्ध का विश्लेषण, दत्तों पर काइस-क्वायर परीक्षण, दत्तों पर मूल्य परीक्षण, निष्कर्ष

षढतम परिच्छेद :

## सारांग, निष्कर्ष, एवं सुझाव

प्रतावना, जनजाति की वर्तमान स्थिति, स्विधाओं की स्थिति, आश्रम विद्यालय की स्थिति, समस्या क्षेत्र, समस्या का औचित्य, पारिभाषिक शब्द, विधि, यंत्र एवं उपकरण निर्माण न्यादर्श, ग्रंत्र निर्माण की पृक्रिया, मापनी की विश्वसनीयता तथा वैद्यता, दत्तों का संकलन, प्रसुख सांख्यकी का वर्णन, प्रसुख निष्कर्ष सुझाव, भविष्य में शोध सम्बन्धी सुझाव

संदर्भ ग्रन्थ सूची - पृष्ठ से तक परिशिष्ठ - पृष्ठ से तक

तालिका सूची :

पृष्ठ संख्या

- ।- गाँवों से विद्यालय दूरी एवं शिक्षा विकास
- 2- विद्यालयों का गाँवों के निकटतम होना एवं शैक्षिक विकास
- 3- प्रवेश सम्बन्धी न्यूनतम शैक्षिक योग्यता एवं शैक्षिक विकास
- 4- प्रवेश नियम एवं शैक्षिक विकास

- 5 रियमों की जानकारी का अभाव एवं विकास
- 6- नियमों की जानकारी एवं जिल्ला विकास
- 7- विद्यालयों में पर्याप्त सामान आदि और प्रिक्षा विकास
- 8- अध्यापकोँ, प्रधानाध्यापकों का व्यवहार एमं विकास
- १- बालकों की समस्यार और पिक्षा विकास
- 10- सुरक्षा अभाव एवं शिक्षा विकास
- 11- भोजन की मात्रा, किस्म एवं शिक्षा विकास
- 12- जनमजात गुण एवं विकास
- 13- अवसर, सुविधार और विकास
- 14- प्रीपक्षण एवं विकास
- 15- परिवार की आर्थिक स्थिति एवं शिक्षा विकास
- 15- पारिवारिक समस्यारं और शिक्षा विकास
- 17- माता-पिता को प्रिक्षा के महत्व की जानकारी देना तथा प्रिक्षा विकास
- 18- साधन बुटाना और प्रिक्षा का विकास
- 19- घर की सुविधार और प्रिक्षा विकास
- 20 सुविधाओं का अभाव एवं शिक्षा विकास
- 21- शैक्षिक मार्ग-दर्शन एवं शिक्षा विकास

- 22- सरकारी सुविधाओं की जानकारी एवं भिक्षा विकास
- 23- छात्रवृति राशि एवं शिक्षा विकास
- 24- भोजन व्यवस्था एवं शिक्षा विकास
- 25- छात्रावासोँ से प्रकाश, पानी, कमरों की व्यवस्था सर्वू विक्षा विकास
- 26- खेलकुद व्यवस्था एवं विश्वा विकास
- 27- विचालय समय एवं विकास
- 28- अवकाश समय एवं शिक्षा विकास
- 29- स्वरोनगार भिक्षा एवं भिक्षा विकास
- 30 सांस्कृतिक कार्यक्रम एसं शिक्षा विकास
- 31- चिकित्सा सुविधार और पिकास
- 32- विक्षण सामगी का अभाव एवं विकास
- 33- योग्य एवं अनुभवी अध्यापक एवं भिक्षा विकास
- 34- अतिरिक्त विक्षण भत्ता एवं विकास
- 35- सरकारी निरीक्षण एवं विकास
- 36- स्थानीय निरीक्षण एवं शिक्षा विकास

## कोटोग्राफ

- ।- बारापाल विद्यालय
- 2- इज्ञादेव विधालय एवं छात्रावास
- 3- खेरवाड्टा कन्या धात्रावास
- 4- सराङ्ग विधालय
- 5- सराङ्गा आश्रम विधालय एवं छात्रावास
- 6- वावण्ड छात्रायास
- 7- मालो का चौरा आश्रम विद्यालय एवं छात्रावास
- 8- मालो काचोरा में छात्र गतिविध्याँ

## रेखा चित्र

पृष्ट से तक

- ।- विद्यालय दूरी, प्रवेश नियम, आवासीय सुविधार और प्रशासनिक व्यवहार और शिक्षा विकास
- 2- जनजाति के जनमजात गुण, अवसर, सुविधार एवं रिक्षा विकास
- 3- पारिवारिक कारण एवं विकास
- 4- सरकारी सुविधार एवं शिक्षा विकास

- 5- शिक्षा सामग्री एवं शिक्षा विकास
- 6- प्रशासनिक व्यवस्थार एमं शिक्षा विकास

### मानचित्र

पृष्ठ से तक

- ।- राजस्थान में जनजाति क्षेत्र
- 2- उदयपुर जिले में चयनीय विधालयों की स्थित
- 3- दत्त संकलन रूट चार्ट

### परिशिष्ठ सूची:

पृष्ठ से तक

- ।- अध्यापकों की अभिवृत्ति मापनी
- 2- अभिभावकों की अभिवृति मापनी
- 3- अभिभावकों, प्रशासकों, अध्यापकों की साक्षातकार अनुसूची
- 4- छात्र साक्षात्कार अनुसूची
- 5- विद्यालय बनट प्रमन
- 6- विशेष-इतें की सूची
- 7- प्राप्तांक एमं प्रतिशत तहसी लवार उदयपुर जिले के
- a- स्ट चार्ट
- १- छात्र साक्षात्कार से प्राप्त उत्तरों के कुछ नमूने

## -: पृथम अध्याय :-

पुस्तावना :

अ है जनजाति को ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि एवं वर्तमान स्थिति ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

भारत वर्ष कई जातियों का प्रदेश हैं। विदेशी इसे जातियों का अजायबधर कहते हैं। वैसे वेदों में तो वर्षों के आधार पर चार प्रकार की जातियाँ; ब्राम्हण, वेश्य, क्षी और शुद्ध ही मानी गई हैं किन्तु कालान्तर में इन जातियतें में इतना परिवर्तन आया कि इनका मूल स्वस्य ही समाप्त हो गया । ऐतिहासिक काल में भारत वर्ष में जिन जातियाँ द्वारा आक्रमण हुए उन्होर्ने अपना पृभाव यहाँ की मूल जातियों पर छोड़ा । इजिहास गवाह हैं कि आर्य भी भारत के बाहर से आये थे। यहाँ के मूल निवासी भायद द्विह और आदि-वासी ही थे जिन्हें आक्रमण हार भारत के भीतरी भागों में खदेड़ा जाता रहा हैं। ये जातियाँ अपना अस्तित्व बनाएँ रखने के लिए प्रवृति के साथ समझौता करके रहने लगी ।

राजस्थान में भी ऐसी जातियाँ आज भी विध्यमान हैं। इन्हें भीत, मीणा, डामोर, सहरिया, गरासीया, कन्जर, साँसी, आदि जनजातियों के नाम से जाना जाता हैं।

राजस्थान के इतिहास में इन जातियों को देश भिकत
एक्षं आजादी पर मर मिटने वाली जाति के नाम से जाना
जा सकता हैं। मेवाइ का इतिहास गवाह हैं कि राणा प्रताप
ने देश के लिए बलिदान और त्याग अकेले नहीं किया। प्रताप
के साथ कन्था से कन्था मिलाकर "भीतूराजा" जनजातियों
का सरदार अपनी सम्पूर्ण जाति के साथ था। भोतूराजा ने
न केवल युद्ध में अपितु शान्तिकाल में भी देश में शान्ति एवं
व्यवस्था बनाएं रखने में राणा का साथ हमेशा दिया हैं।
मेवाइ का राज चिन्ह जिसमें राणा के साथ-साथ भीतूराजा
का भी चित्र हैं भीतूराजा एवं उसकी जाति को मेवाइ में दिये
गई सम्मान को आज भी प्रदर्शित कर रहा हैं।

यही नहीं "मेवाइ भीलकोर" के नाम से गठित सेना में हमेशा शासन में शानित बनाएँ रखने में सहयोग दिया हैं। यही मेवाइ भीलकोर ब्रिटीश काल में भी और स्वतंत्रता के बाद भी अपनी पूरानी यादों को तरों ताजा करती हैं।

राजस्थान की यह आदीवासी जाति स्वभाव से बहुत ही भोती एवं महनतक्या हैं। गरीबी, अनपढ़ एवं प्रकृति से धुइते रहने से हनमें ओर भी साहस बढ़ा हैं। यह जाति एक और तो प्रकृति से बूधती रही वही समाज ने भी कालान्तर में इनका शोधाण शुरू कर दिया। गरीबी के कारण इन्हें निम्न-स्तर का समझा जाने लगा। इनका प्रमुख धन्धा खेती करना एवं वसों के उत्पादन पर आधारित रहना हैं किन्दु यहाँ पर भी समाज के बिचौत्यों ने इनका शोधाण किया है।

इतना होते हुएँ भी ये जातियाँ मस्त पृकृति की हैं।
चाहे दूछ: हो या गम, सभी को भूलाकर अलगोचे एवं बाँसूरी
की धून पर इनके पैर ऐसे धिरकते हैं कि मानो इनको कोई कमी
नहीं हैं। रीति-रिवाज और साँस्कृति के मानों ये धनी हैं।
आज भी "गवरी नृत्य" मेवाइ के शहरों में उसी पृकार लोकपृप हैं जैसा पूर्व में था। यही नहीं पश्चिमी साँस्कृतिक केन्द्र
एवं भारतीय लोक कला मण्डल में विदेशी पर्यटकों को इस नृत्य
को दिखाया जाता हैं तो वे मंत्र मुग्ध हो जाते हैं। भारत
उत्सव में भी इस नृत्य ने काफी धूम मचाई थी।

इतना सब होने पर भी ऐसा लगता हैं कि इनकी संस्कृति लुप्त होती जा रही हैं। इनके साथ शोधण के कारण इनका विकास नहीं हो रहा हैं। इस बात को स्वतंत्र भारत के संविधान में भी स्वीकार किया गया हैं। यही कारण हैं कि इन जातियों को संविधान द्वारा कुछ विशेष सुविधार पृदान की गई ताकि ये मूल धारा के साथ-मिल कर अपना विकास कर सके।

#### ब है जनजाति की वर्तमान स्थिति -

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के राजनैतिक ढाँचे

में परिवर्तन हुआ । संचार के साध्ना में प्रगति हुई । इन
साधना के परिणाम स्वस्प देश की मूख्य धारा से ये जातियाँ
अधिक जुड़ने लगी । संविधान में इनके आधिक, राजनैतिक
शोषण के विरुद्ध विशेष कानून बनाकर व्यवस्था की गई ।
संविधान की धारा 46 में लिखा है कि "The State shall promate with special care the aducational ask and economic interests of the weaker sections of the

opengle, and is continuous of the some mixed easters and scheduled tribus out shall protect them special injustic are all forms of proteins tions."

इससे स्पष्ट होता हैं कि भारत सरकार इनके विकास के लिए कितना चिन्तित हैं। संविधान की धारा 275 में यह स्पष्ट लिखा हैं कि इन जातियों के लिए केन्द्र सरकार धिशेष अनुदान के स्प में राज्य सरकारों को अनुदान राशि प्रदान करेगी।

विशेष सुविधाओं को राजस्थान सरकार की दृष्टि से देखे तो राजस्थान में भी कई प्रकार की सुविधार इन्हें राज्य सरकार ने प्रदान कर रखी हैं। मसलन पढ़ने के लिए छात्रवृति नि:शुल्क छात्रावास, नि:शुल्क पाठ्य प्रस्तके एवं पाठ्य सामग्री का वितरण, आश्रम विद्यालय, नि:शुल्क शिक्षा व्यवस्था, विशेष की शिंग व्यवस्था, प्रवेश हेतु सीटों का आरक्षण आदि।

#### स । स्विधाओं की स्थित -

### अ≬ छात्रवृति सुविधा :

छात्रवृति की राभि समय-समय पर कक्षा स्तर के अनुरूप परिवर्तित होती रही हैं। मसलन 1984 जूलाई के पूर्व यह कक्षा 6 से 8 तक पृति छात्र 12.50 रू. तथा पृति छात्रा 15.00 रू. पृतिमाह थी । इसी प्रकार कक्षा १ से ।। तक यह राशि छात्र/छात्रा दोनों को प्रतिमाह 25.00 रू-मिलती थी । इसके बाद राज्य सरकार के आदेश कुमाँक एफ-११४१।। एस∙सो ∙एच/एस॰ डब्ल्यू •डी •/८४-८५, ६८०७।, जयपुर दिनाँक 30-1-85 के अनुसार जुलाई 1984 से कक्षा 6 से 8 तक प्रीत छात्रा 15.00 एवं प्रीत छात्रा 20.00 रू. प्रतिमाह हो गई। यह बढ़ोतरी 20 प्रतिशत रही। इसी पुकार क्या १ से ।। तक के छात्रों को प्रतिमाह 30.00 रू. तथा छात्राओं को प्रतिमाह ४० ००० ए॰ कर दिया गया । यह बढ़ोतंरी 60 प्रतिशत रही । इससे यह स्पष्ट होता हैं कि छात्रों की वलना में छात्राओं की छात्रवृति की राशि में तीन गुणा अधिक वृद्धि हुई । इससे यह स्पष्ट होता हैं कि

सरकार छात्राओं को विशेष सुविधाएँ प्रदान करके इनकी शिक्षा को अधिक बहाना चाहती हैं।

राजस्थान सरकार द्वारा उदयपुर जिले में नगरपातिका क्षेत्र में 7 स्थानों पर अनुसूचित जाति-जनजाति, परिगपेणत जाति, हिरिजन कल्याण के लिए छात्राचास सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसी प्रकार उदयपुर में अनुदानित छात्राचासों में, महिला मण्डल, उदयपुर महला आश्रम उदयपुर, वनवासी छात्राचास, आदिवासी छात्राचास सबुम्बर, कानोंड छात्राचास, महिला पीठ कन्या छात्राचास पृथुख छात्राचास हैं। इनमें कुल स्थान 355 छात्रों के लिए स्वीकृत हैं।

उदयपुर जिले के पंचायत सिमिति को हस्तान्तरित छात्रा-वासों में रेलमगरा, कोटड़ा, १बालिका १ कोद्धड़ा बालक, आड़ोल, भवराना, फलासिया, खेरवाड़ा १बालिका १ छात्रावासों की सुविधा उपलब्ध हैं।

उदयपुर जिले में राजस्थान सरकार द्वारा अनुदानित छात्रा-वासों में आदिवासी छात्रावास, चावण्ड, आदिवासी छात्रावास कुम्भलगढ़, बापा रावल भील आश्रम श्वास्थियों, टी॰डी॰ आदि-वासी, छात्रावास, वनवासी कल्याण छात्रावास खेरवाइा,अ॰ज॰

जाति छात्रावास भीम १५.अ. द्वारा संचातित १, जवाहर छात्रावास, खेरवाङ्ग १५.अ. द्वारा संचातित १ छात्रावासों की सुविधार उपलब्ध हैं। इन सभी छात्रावासों में कुल 235 सीटें उपलब्ध हैं। इस प्रकार उदयपुर जिले में सम्पूर्ण छात्रावासों के लिए कुल स्थान 4160 छात्रों तथा 475 छात्राओं के लिए हैं जो 4635 महायोग होता है।

इन सभी छात्रावासों में भोजन, नास्ता, पानी, विजली, गण्वेश तथा वस्त्र, साबून, तेल, स्टेशनरी की सुविधा, बाल कटिंग की सुविधा, रसोईयाँ, अंश कालीन अध्यापक, व्यवस्थापक तथा विकित्सक की व्यवस्था भी हैं।

उपरोक्त छात्रावासों के अलावा उदयपुर जिले में छात्रवृति के आधार पर भी छात्रावासों की सुविधा राज्य सरकार द्वारा की गई हैं। ये छात्रावास भीण्डर तथा सवीना-खेड़ा में हैं जिनमें कुल 50 छात्रों के प्रवेश हेतु स्थान उपलब्ध हैं।

राजस्थान सरकार ने उदयपुर जिले में तृतीय क्षेणी के छात्रावासों की सुविधार भी उपलब्ध कराई हैं। इन्हें 1982 से नियमित किया गया हैं। इनमें हेया छात्रावास, गोराना, नावला, ओड़ा, जैड़, आड़ीवली, खईरा, धारिया, बावल-वाड़ा, कल्याण्युर, टोकर, आड़ोल, बारापाल, मावली, पारसोला, काली भीत, खराबड़ और परसाद प्रख हैं। इन सभी में प्रयेक में 25 छात्रों के लिए स्थान हैं। इस प्रकार इनमें कुल 370 छात्रों के लिए स्थान उपलब्ध हैं।

## आश्वम विद्यालय :

राज्य सरकार ने उपरोक्त सुविधाओं के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के दूर-दराज इलाकों के शिक्षक विकास हेतु इन क्षेत्रों में आश्रम विद्यालयों की रक योजना संवालित की हैं। इस योजना के अन्तर्गत जनजाति बाहल्य क्षेत्र के दूर दाराज इलाकों में रेसे आवासीय विद्यालय खोले गर्र जिनमें नि:शुल्क पढ़ाई के साथ-साथ रहने, खाने, पुस्तकों एवं स्टेशनरी, चिकि-त्सा, मनोरंजन, खेल आदि की सभी सुविधारं उपलब्ध कर-वाई हैं। उदयपुर जिले में इन विद्यालयों की छल संख्या 17 हैं।

इनमें होरटल वार्डन, रसोईया आदि उपलब्ध तोवा है।

उपरोक्त समी सुविधाओं को प्रधान दिनाट का विष्ठे-बण अध्यास को भें विधा गवा है।

इन्हीं आतों की पिरत्व काननारी प्राप्त करने हैं। अनु-संधानकता ने पिस्न समस्या का वयन दिया है :-समस्या कथन :-

## समस्या के उद्देश्य :

- उत्यक्त कि के जनजा कि वर्ग के शिक्षिक उन्नयन हैतु राज्य स्वाप के जाने वाली कि शिक्ष शुक्षाओं की वर्त- मान रिथाति को इति करना ।
- 2) जनवाति वर्ग के शिक्षिक उपनयन हेवु अध्यापको और अधि-भाषको की अभिवृत्ति हाल एरगा ।
- उर् जनजाति वर्ग के शादिक उपनयम हेसु महत्त्वपूर्ण सुनाब प्रस्त

# समस्य के देहः :

प्रस्तुत अध्ययन के निम्न देख्य निर्धारित विधे गर्म है -राजनैतिक देख : प्रस्तुत अध्ययन का देख उद्यक्ष र ही है ।

- ब है प्रस्तुत समस्या के अध्ययन बिन्दू निम्न निधारित किये गर हैं -
  - । इन्यान वर्ग के ब्रोक्षिक उन्नयन हेतु राजस्थान सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं की वर्तमान स्थिति द्वात करना ।
  - 2 रियपुर जिले के जनजाति वर्ग की शैक्षिक स्थिति को ज्ञात करना ।
  - 3 जनजाति वर्ग के शैक्षिक उन्नयन के क्रम में अध्या-पकों एवं समाज की अभिवृति ज्ञात करना ।
- स

  अध्यापको एवं सम्बन्धित अभिभावको का चयन करना ।

# समस्या का औवित्य:

प्रस्तुत अनुसंधान कई दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। स्वतंत्रता
प्राप्ति के बाद भारत के सामाजिक दाँचे में परिवर्तन हेतु भारतीय संविधान में कई व्यवस्थार की गई। इन व्यवस्थाओं के
बावजूद जनजाति वर्ग का बैक्षिक उन्नयन जो होना चाहिये था,

वह अभी तक नहीं हो पाया हैं। अतः यह ज्ञात करना बहुत जरूरी हो जाता हैं कि कमजोरी किस स्थान पर हैं १ क्या इन सुविधाओं का उपयोग पूर्णस्य से नहीं हो रहा हैं १ या इनका दूरूपयोग हो रहा हैं या ये उस वर्ग तक पहुँच ही नहीं पारही हैं १ कही न कहीं कुछ गड़बड़ी अवश्य हैं अन्यथा इनका वैधिक उन्नयन पूरा होना चाहिए था। इस भोध के माध्यम से उपरोक्त तथ्यों को ज्ञात करने के तक्ष्य निर्धारित किये गएँ ताकि कीमयों को दूर किया जासकें।

जब इन किमयों, अव्यवस्थाओं अथवा व्यवस्थाओं की वस्तु स्थित ज्ञात हो जावेगी तो नि:सन्देह आयोजना करने में सरकार को और शिक्षाविदों को बहुत आसानी रहेगी। आयो-जना द्वारा इन किया जावेगा।

जनजाति वर्ग एक ऐसे समाज में रह रहा हैं जिसने कई वर्षों तक इस वर्ग का भोषण किया हैं किन्तु अब वह इसका विकास चाहता हैं। सरकार ने भी इस वर्ग के भैक्षिक उत्थान हेतु विशेष प्रोत्साहन प्रदान किये हैं। इन प्रोत्साहनों का सहीं

उपयोग कहाँ तक हो रहा हैं और क्या इनके द्वारा जनजाति वर्ग का ग्रीक्षक उन्नयन पूरा हो सकेगा १ या इनको बढ़ाने की आवश्यकता है १ या इनमें कटोती होनी चाहिए १ ये सवाल कुछ ऐसे हैं जिनको इस भोध द्वारा ज्ञात किया जा रहा हैं १ इनके ज्ञात होने से न केवल समाज के दृष्टिकोण में परिवर्तन होगा अपितु सरकार को भी आयोजना निर्माण में बहुत सहायता मिलेगी । अत: कई दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं ।

पारिभाषिक शब्द :

### अर् असुसूचित जाति∕जनजाति :

भारतीय संविधान में दर्शाई गई विभिन्न जातियाँ जो आधिक, सामाजिक एवं अन्य दृष्टिकोण से पिछड़ी हैं। उदयपुर जिले में प्रस्तिया भील, मीणा, गरासीया, डामोर, सहीरया, काथोड़िया, कंजर, साँसी आदि हैं।

#### ब १ विशेष स्विधार :

राजस्थान सरकार द्वारा जनजाति वर्ग के देशिक उन्नयन हेतु दी जाने वाली अतिरिक्त सुविधार यथा; छात्रवृति, छात्रावास

आसम विद्यालय, कौ बिंग कक्षार आदि।

#### स } विद्यालय:

वे सभी विद्यालय जिनको राजस्थान सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हैं तथा जो कक्षा 6 से 10 तक अध्यापन करवाते हैं।

#### द् आश्रम विद्यालय :

राजस्थान सरकार ने जनजाति बाह्नल्य क्षेत्रों में शिक्षा के प्रतिशत को बढ़ाने हेतु ग्रामीण अंचलों में ऐसे विद्यालय खोले हैं जिनमें रहने की, खाने की, कपड़ो की, पुस्तक एवं स्टेशनरी की नि: शुल्क व्यवस्था होती हैं। इन विद्यालयों का सम्पूर्ण खर्वा सरकार वहन करती हैं।

#### य १ छात्रावास :

अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र/छात्राओं के नि:शुल्क रहने की व्यवस्था ।

#### र श्रे आभिवृति :

अभिवृति एक तत्परता की अवस्था हैं जो किसी वस्तु, विचार या व्यक्ति के पृति एक निश्चित तरी के से काम करने को पेरित करती हैं। वस्तु अथवा विचार विशेष के पक्ष या विपक्ष में आगृह पूर्व पृतिकिया व्यक्त करना ही अभिवृत्ति कह-लाती हैं। करलींगर के अनुसार अभिवृति किसी संज्ञानात्मक वस्तु के बारे में विचार, भावानुभव, प्रत्यक्षी करण और व्यवहार करने की एक पूर्ण स्वीकृति हैं। अलपोर्ट ने इसे अपने शब्दहें में स्पष्ट करते हुएँ कहा हैं कि " Attitude is a mental state of readiners organised through expressed, experiance, exerting a cliroctive or dynamic influence upon the incliniciudis response of all objectine and situations with which it is related. 1.

<sup>1.</sup> G.W. Allport; "Attitude immaretic Son Co.(Ed.) hand Book of social pSYchology warees for clurk wis press p.p.120.

विधाः

प्रस्तुत अनुसंधान में सर्वेखण विधि का उपयोग किया
गया हैं। केशिक समस्याओं के पृति सर्वेक्षण विधि व्यापक
स्प से पृत्वकत की जाने वाली विधियों में से एक हैं। यह
सर्वेक्षण विधि वर्तमान स्थिति का वर्णन करती हैं। इसके
साथ ही यह किसी व्यक्ति विशेष से सम्बन्धित न होकर
समूह से सम्बन्धित होती हैं। इसमें अधिक से अधिक लोगों
को सम्मिलित किया जा सकता हैं जैसा कि गुड एवं स्केट
ने कहा हैं कि "The Survey is an emportant type of
research it must not beconfused with the more
clearical retire of gathering and tabulating figures. It involenes elearly defined problems and
difinties objectines. 1.

प्रस्तुत अनुसंधान में बोक्षिक उन्नयन हेतु जनजाति वर्ग को दी जाने वाली सुविधाओं पर अध्यापकों एवं अभिभावकों

<sup>1.</sup> Good Bar & Scates; Methedology of educational research (New York, 1954) p.p. 587.

की अभिवृति ज्ञात करनी थी । अतः यह विधि ही उपयुक्त जान पहती हैं ।

इस प्रकार न्यादर्श का चयन पंचायत समिति को आधार मानते हुएँ किया गया । मंचायत समितियों के चयन में भी इस बात का ध्यान रखा गया कि वे पंचायत समितियाँ ही चयन की गई जिनकी जनसंख्या जनखाति बाहुल्य हैं ।

#### धंत्र एवं उपकरण : =======

प्रस्तुत अध्ययन में अभिवृति मापनी का एवं साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण स्वयं शोधकर्ता ने किया हैं। इसके अलावा रिकार्ड अवलोकन एवं शोधकर्ताओं द्वारा स्वयं जाकर वस्तु स्थिति का निरीक्षण अवलोकन सूची के अनुसार किया गया। यंत्रों का निर्माण शोध की निम्न पृक्रिया द्वारा किया गया -यंत्र निर्माण के पद :-

पथम पद - प्राथमिक साक्षात्कार द्वारा अनुसूचि का निर्माण -

सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन को ध्यान में रखते हुएँ एक केट्यी विषय वस्तु सूची का निर्माण किया गया । इसके बाद शिक्षाविदों, क्षेत्र में कार्य करने वाले विशेष्क्रों, प्राध्यापकों से साक्षात्कार लिया गया । साक्षात्कार द्वारा जो अध्ययन बिन्दू उभरकर सामने आये, उन्हें विषय पर बनी कच्ची सूची में सीम्मलित किया गया । इस प्रकार एक विषय सूचि का निर्माण किया गया ।

# 2 हितीय पद - अध्ययन क्षेत्रों का निर्धारण

विषय सूची के आधार पर अध्ययन क्षेत्रों का निर्धारण किया गया । अभिवृति मापनी में कुल 50 अध्ययन बिन्दूओं का निर्माण किया गया । ये सभी परिवार से, समाज से, सरकारी सुविधाओं पर, पृशासनिक व्यवस्था पर, शिक्षा सामग्री आदि पर बनाई गईं।

# न्यादर्भ :

प्रतिदर्भ जितने सुदृद्ध होंगे अनुसंधान के परिणाम उतने ही विश्वसनीय एवं परिशुद्ध होंगे । प्रतिदर्भ को तभी उपयुक्त

माना जाता है जब वह सम्पूर्ण समोष्ट का प्रतिनिधित्व करता हो । पुस्तुत अनुसंधान में वर्गीकृत यात्राधित विधि का उपयोग किया है। इस विधि का उपयोग जब किया जाता है कि न्यादशी में विशिन्न वर्ग हों। प्रस्तुत अनुसंधान में न्यादशी दो भागों में विभक्त हैं। एक अध्यापक तथा दूसरा अभिभावक वर्ग दोनों वर्ग में पुन: कई उपवर्ग पाये जाते हैं, यथा; वेतन शृंखला के आधार पर तृतीय वेतन शृंखला के, द्वितीय वेतन शृंखला के, पुथम वेतन श्लंखला के अध्यापक । इसी प्रकार छात्रावास संवालक, छात्रावास कर्मचारी आदि । समाज में भी कई पुकार के वर्ग हैं यथा जनजाति वर्ग, सवर्ण, पिछड़ा वर्ग आदि । इस पुकार दोनों न्यादर्श के समूहों में कई उपवर्ग हैं। अत: इस विधि द्वारा इन उपवर्गों को समान पृतिनिधित्व देते हुएँ न्यादर्श का चयन किया गया है। न्यादर्श के चयन का आधार पंचासत समिति के आधार पर अध्यापक/अध्यापिका तथा समाज में जन-जाति वर्ग, सामान्य वर्ग स्वं पिछड्डा वर्ग को बराबर-बराबर स्थान देना । कुल २१० अध्यापकों एतं २१० अभिभावकों का चयन नीचे तातिका में दशाधा गया हैं -

-: ता ीलका :-

## अध्यापकों का चयन :

ф. <del>д.</del>		अध्यापक	अध्या पिका	अभिभावक 
-	गिरवा	30	30	30
2-	<b>बा</b> होत	<b>3</b> 0	30	30
3-	सतुम्ब र	30	30	30
4-	खेरवाड़ा	30	30	30
5-	कोटइा	<b>3</b> 0	30	30
6-	सराइा	30	30	30
7 -	धरियावद	30	30	30
		105 ======	105	210

# 3 ह्तीय पद - अध्ययन विन्दूओं में सुधार

अभिवृत्ति मापनी के 70 अध्ययन बिन्दूओं को 15 विषय विशेषज्ञों 10 शिक्षाविदों को दिया गया । विशेषज्ञों के चयन का अपधार 10 वर्ष तक क्षेत्र में कार्य करना रखा गया । इस प्रकार

विशेषकों से कहा गया कि जो कथन सही हो उसे सही १./१ का निशान लगावे तथा जो अलत हो उन्हें \* का निशान लगावें इसके अलावा जिन कथनों की भाषा में सुधार की आवश्यकता हो उन्हें सही कर हैं। विशेषकों से प्राप्त सुशावों के आधार पर कथनों में आवश्यक परिवर्तन किया गया।

## 4 र चतुर्ध पद - प्रमापनी के अंक निर्धारण करना

अभिवृत्ति मापनी को पर्तंच बिन्दू प्रमापनी के अनुसार बनाया गया है यथा; पूर्ण सहमत, सहमत, अनिश्चित, असहमत तथा पूर्ण असहमत । इनके क्रमश: 5,4,3,2,1 अंक निर्धारीत किये गर्रं। इनके अंक निर्धारण में विशेषज्ञीं की राय ली गई।

# 5 र्वम पद - अभिवृति मापनी का पूर्व परीक्षण

इस हेतु 50 छात्रों पर अभिवृति मापनी का पूर्व परी-क्षण किया गया । प्राप्त दल्लों पर अईच्छेदन विधि द्वारा विश्वसनीयता ज्ञात की गई । विश्वसनीयता के आधार पर जिन अध्ययन बिन्दूओं का मूल्य • 5 से उपर या • 5 पाया गया उन्हें ही अभिवृति मापनी में रखा गया । इस प्रकार 50 अध्ययन

विन्दुओं से अन्त तक 36 अध्ययन विन्दुओं को ही रखा गया । इस प्रकार अभिवृति मापनी को अन्तिम स्वरूप दिया गया ।

अभिदृति मापनी को टेस्ट सांख्यकी लगाकर निम्न सूत्र द्वारा परीक्षण शिक्या गया –

.

# ७ अभिवृत्ति मापनी की वैद्यता ज्ञात करना :

अभिवृत्ति मापनी की विश्वय वस्तु की वैद्यता एवं मापन विद्यता को भी ज्ञात किया जो इस प्रकार हैं -

<sup>1.</sup> Best, John; Research in Education, Princtice Halls New Delhi. p.p. 283.

## अ} विषय वस्तु की वैद्यता ज्ञात करना :

अभिवृति मापनी जब तक सही नहीं मानी जा सकती जब तक उसकी विषय वस्तु सही नहीं हों । इस हेतु अनुसंधान – कर्ता ने अभिवृति मापनी के विषय वस्तु की प्रामाणिकता को भी ज्ञात किया हैं । इस संदर्भ में अनुसंधानकर्ता ने विषय से सम्बन्धित विशेषज्ञों की राय का सहारा लिया । प्रमापनी में विषय कस्तु विशेषज्ञों की राय, विधाविदों की राय से ही चयन करना प्रमापनी की विषय वस्तु सम्बन्धी प्रमाणिकता हैं ।

## ब र् अभिवृति मापनी की मापन सम्बन्धी वैद्यता :

अभिवृति मापनी की मापन सम्बन्धी वैद्यता ज्ञात करने हेतु भी विशेष्क्रों की राय ली गई थी । विशेष्क्रों के आधार पर ही अंकों का निर्धारण किया गया । इसके अलावा अभिन्वृति का पूर्व परीक्षण किया गया है ।

# B ४ दत्त संकलन एसं विश्लेषण :

दत्त संकलन हेतु अनुसंधाता ने अनुसंधान सहायकोँ का सह-योग लिया हैं। इस कार्य हेतु जिला विक्षा अधिकारी हुं हात्र संस्थार है

उदयपुर का पूरा सहयोग प्राप्त हुआ । उदयपुर जिले में उपलब्ध शोधकर्ताओं को जिला शिक्षा अधिकारी ने एक आदेश प्रसारित कर दत्त संकलन हेतु लगाया । आदेश की प्रति परिशिष्ठ उ में संलग्न हैं । इस प्रकार सम्मूर्ण जिले में दत्त संकलन का कार्य बहुत ही जल्दी एमं प्रामाणिक रूप से पूर्ण हुआ ।

दत्त विश्लेषण हेतु अनुसंधानकर्ता ने एक अनुसंधाताओं का दल गठन किया । इस दल को जिला शिक्षा अधिकारी ने आदेशित किया ताकि यह कार्य समय पर हो सका ।

दोनों ही कायों में संलग्न अनुसंधाता जिला जिसा
अनुसंधाता वाक्मीठ उदयपुर हुडी ई आर एफ है के सक़ीय सदस्य
थे। इन्हें राजकीय नियमानुसार दैनिक भत्ता एवं यात्रा
व्यय प्रोजेक्ट की स्वीकृति राजि में से दिया गया।

दत्त विश्वेषण के समय छात्रावासों एवं विदालयों की वस्तुस्थिति को ज्ञात करने हेतु एक विद्या फिल्म का निर्माण किया गया हैं। इस विद्यों फिल्म में अध्यापकों,

छात्रों एवं अभिभावकों के साक्षात्कारों, उनकी राय तथा पृशासकों से साक्षात्कार को लिया गया है। रिपोर्ट बनाते समय इसे सभी सामगी का उपयोग भी किया गया है।

दत्त विश्लेषण में निम्न सांख्यकी का उपयोग किया गया -

## अ १ प्रतिशत :

सामान्य विश्वेषण हेतु पृतिशत का उपयोग किया गया । सूत्र इस प्रकार हैं -

ब १ मध्यांक :

इसका उपयोग रें जिया गया।

सह सम्बन्ध :

<sup>्</sup>री विधि द्वारा सह सम्बन्ध ज्ञात किया गया ।

प्र 2ेका परीक्षण:

परीकल्पना की साक्षरता हेतु ्रे का उपयोग किया

## to darma ar feeta:

# P OF CONTRACT

# fic landam:

the fundament produced making one and a series of a series of the series of a series of the series o

## परिच्छेद द्वितीय

### "विशेष सुविधारं और शैक्षिक विकास"

#### पुस्तावना

राजस्थान सरकार ने राज्य में शिक्षा के विकास हेतु कई सुविधार प्रदान कर रखी है। छात्रवृत्ति, छात्रावास की सुविधा एवं आश्रम विद्यालय के अलावा विशेष कौ विंग व्यवस्था की सुविधार इन विशेष सुविधाओं में विशेष उल्लेखनीय है। प्रस्तुत परिच्छेद में इन्हीं सुविधाओं का शिक्षा के विकास क्रम के संदर्भ में विश्लेषण किया गया है।

राजस्थान के प्राथमिक एवं माध्यमिक विक्षा निदेशा—
लय बीकानेर से प्राप्त दत्तों के आधार पर राजस्थान में जन—
वरी, 1989 में कुल 6193666 छात्र एवं छात्रामें विविधन्न विद्या—
लयों में अध्ययनतर है। इन छात्र एवं छात्राओं में 4573330
छात्र एवं 1620336 छात्रामें अध्ययनरत है। इनका अनुपात
लगभग 2/3 छात्र एवं छात्रामें होता है। इनका उम् के अनुसार

वितरण नीचे तालिका में दशाया गया है

सारणी - उः।

राजस्थान में उम के अनुसार अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं का विवरण

्रानवरी 1989 तक्र

क्र-सं-	उम् छात्र∕छात्राएँ	ভার	छात्राएँ	कुल
-	6 से ।। वर्ष	<b>30</b> 95559	1270056	4365615
2-	।। ते ।४ वर्ष	969093	240 90 7	1210000
3-	14 से 17 वर्ष	508678	109373	618051
	योग	4573339	1620336	6193666

उक्त ता लिका से स्पष्ट होता है कि 61 लाख के लगभग ही अध्ययनरत छात्र एवं छात्रारं पाई गई। इन छात्र/छात्राओं में से अनुसूचित जाति के कुल 892638 छात्र/छात्रारं अध्ययनरत है जब कि अनुसूचित जनजाति के कुल 605670 छात्र/छात्रारं अध्ययनरत है। इद त्तों के देखने से यह स्पष्ट होता है कि 61 लाख में से केवल 6 लाख अनुसूचित जनजाति के छात्र/छात्रारं ही अध्ययनरत है जो

अध्ययन्त छात्र/छात्राओं की तुलना में 7.14 पृतिमात ही है जो बहुत ही कम है जैसा कि नीचे की तारितका में द्वारिया गया है :-

सारणी - 3:2 =====

राणस्थान में अनुस्थित जारित्जनजारित के छात्र छात्राभारें के अध्ययनरत की रिधाति

813     81319     81319     461671       504307     154136     658440     358476     103195     461671       146475     15912     162382     91445     8299     99744       67379     4432     71811     42093     2162     44255       718158     174480     892638     492014     113556     605670	H. M. MH. MH. D. M. H. D. M. H. M. H	315.56	अन.जारित के हात्र/हाराएँ	31×10	22년 - 미국대	अनु जनवारित के छात्र/छात्राय	BIATE	महायोग
\$1457     \$1315     \$1340     \$1345     \$1315     \$14515       146475     15912     162382     91445     8299     99744       67379     4432     71811     42093     2162     44255       - 718158     174480     892638     492014     113656     605670		i '		71 1 21	1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 -		<u></u>	
146475     15912     162382     91445     8299     99744       67379     4432     71811     42093     2162     44255       - 718158     174480     892638     492014     113656     605670	11-9	30431 30431	154135	658440-	358476	-103195-	461671	
67379 4432 71811 42093 2162 44255 - 718158 174480 892638 492014 113556 605670	2-11-14	146475	15912	162382	91445	B299	99744	262126
Tai:- 718158 174480 892638 492014 113656 605670	3- 14-17	67379	4432	0	42093	2162	44255	8
	योग:-	718158	174480	892638	14	L	605670	1498303

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि राजस्थान में अध्ययनरत कुल छात्र/छात्राओं १६।१३६६६१ में से जनजाति के छात्र/छात्राओं १४४२५५१ ७०१४ पृतिशत ही अध्ययनरत ह । बाकि अनुसूचित जाति के १८७२६३८१ १४०४ पृतिशत छात्र अध्यय-नरत है । इसका अर्थ यह हुआ कि अनुसूचित जाति के छात्र जन-जाति की तुलना में अधिक अध्ययनरत पार्च गर्म । इन छात्र/ छात्राओं का कक्षावार विवरण नीचे की सारणी में दर्शाया गया है ।

सारणी = 3:3

राणस्थान में क्क्षा स्तरानुसार अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के अध्ययनरत की स्थिति

🛚 । जनवरी, 1989 🖔 कृ सं कक्षा स्तर FTB कुल ।- पूर्व प्राथीमक स्तर 4990 3390 8380 पार्थीमक स्तर प्राथीमक स्तर 2106623 उच्च प्राथीमक स्तर 1520446 822624 2929247 3-528409 2048855 माध्यीमक स्तर 444447 128375 575822 हायर सैकण्ड्री स्तर 496824 137538 634362 4573330 1620336 6192666

उन्त सारणी से स्पष्ट होता है कि पूर्व प्राथमिक स्तर पर 50.6% छात्र एवं 40.4% छात्राएँ, प्राथमिक स्तर पर 71.9% छात्र एवं 28.1% छात्राएँ, उच्च प्राथमिक स्तर पर 74.3% छात्र एवं 25.7% छात्राएँ, माध्यमिक स्तर में 77.8% छात्र एवं 22.2% छात्राएँ तथा हायर सैकण्ड्री स्तर पर छात्र एवं 22.2% छात्राएँ अध्ययनरत है।

इसी प्रकार उक्त सारणी से यह भी स्पष्ट होता है
कुल अध्ययनरत जनसंख्या में सबसे अधिक प्राथमिक स्तर पर पाई
गई तथा सबसे कम पूर्व प्राथमिक स्तर पर पाई गई। इसी प्रकार
छात्रों की तुलना में छात्रासे 1/3 ही अध्ययनरत पाई गई।

राजस्थान में ये छात्र कुल 39964 विद्यालयों में अध्यय-नरत है इन में से 36925 विद्यालय छात्रों के तथा 3039 विद्यालय छात्राओं के पार गर । विद्यालयों का विवरण नीचे सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी - 3:4

### राजस्थान में विद्यालयों की स्थिति

¥   0	ननवरा, १९८१			
क्र.सं.	विदालय स्तर	षात्र विवालय	छात्रा विका	लय कुल
1 -	पूर्व प्राथीमक विद्यालय	14	20	34
2-	प्राधीमक विद्यालय	26990	1517	28507
3-	उच्च प्राथीमक वि॰	7326	1029	8355
4-	माध्यमिक विद्यालय	1842	329	2171
5-	हायर सैकण्ड्री वि•	753	144	897
	योग:-	36925	30 39	39964

उक्त ता लिका देखने से ज्ञात होता है कि राजस्थान में कुल 39964 विद्यालर पार गर । इनमें से 34 पूर्व प्राथमिक के, 28507 प्राथमिक के, 8353 उच्च प्राथमिक के, 2171 माध्यमिक के तथा 897 उच्च माध्यमिक के पार गर । छात्र एवं छात्रा विद्यालयों की स्थित देखने से ज्ञात होता है कि पूर्व प्राथमिक में छात्रा विद्यालय छात्र की तुलना में अधिक पार गर गर किन्तु अन्य

सभी प्रकार के विद्यालयों में छात्र विद्यालयों की संख्या ही अधिक पाई गई।

राजस्थान में विद्यालयों के अनुपात में अध्यापकों की लंख्या देखें तो सबसे कम 320 पूर्व प्राथमिक विद्यालयों में तथा सबसे अध्यापक कार्यरत है। कुल 190714 अध्यापक है। जनवरी, 1989 राजस्थान में विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत है। इनमें उच्च प्राथमिक विद्यालय 70093 माध्यमिक में 28394 तथा उच्च माध्यमिक में 26944 अध्यापक कार्यरत है।

राजस्थान के इतु विद्यालयों में पूर्व प्राथमिक में 286
महिला अध्यापिक में तथा 44 पुरुष अध्यापक कार्यरत है। इसी
प्रकार प्राथमिक में 49055 पुरुष एवं 15908 महिला अध्यापक,
उच्च प्राथमिक में 53400 पुरुष एवं 16693 महिला, माध्यमिक में
22672 पुरुष एवं 5719 महिला और हायर सैकण्ड्री में 20910
पुरुष एवं 6034 महिला अध्यापिकार कार्यरत है। इस प्रकार
कुल 146084 पुरुष अध्यापक एवं 44630 महिला अध्यापिकार

र्राजनवरी, 1989} तक कार्यरत पाई गई इन्हें सारणी में निचे दर्शाया गया है -

सारणी - 3:5 ===

राजस्थान में पुरुष एवं महिलाअध्यापकों की स्थिति विद्यालयों के अनुसार १ । जनवरी, 1989१

कृ सं	विधालय स्तर	पुरुष अध्यापक	मीहला अध्यापिक	एं कुल
-	पूर्व प्राथीमक	44	276	320
2-	प्राथीमकं	49055	15908	64963
3-	उच्च प्राथीमक	53400	16693	70093
4-	माध्यमिक वि-	22675	5719	28394
5-	उच्च मा वि	20910	60 34	26944
	alayan bayan galah diskiy gagan, gayas antibi saraar pinya dibir sanaa sakab lagay gapin.	والمراوع المراوع المرا	المراجعة الم	#F 150 pp FE 844 FE
	योग	146084	44630	190714

प्रस्तुत अध्ययन में से कित्यय विद्यालयों को चयन करके उनमें राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत राशि को नीचे विभिन्न सारिणयों में दर्शाया गया है।

इन सारिणयों से यह स्पष्ट होता है कि छात्रवृति की राशि विधालय में अन्य मदों की राशि की तुलना में बहुत कम है यही नहीं छात्र/छात्राओं के नामांकन से इस राशि की तुलना करें तो ज्ञात होता है कि यह राशि पृति छात्र बहुत ही कम आती है। इस राशि का पृतिशत अनुसूचित जनजाति के छात्रों की तुलना में तो और भी कम पाया गया। नीचे इन्हे विस्तार से दर्शाया गया है –

अहँ ब्याट	ब्जट राज्ञा राजनिय		उच्च माध्यमिक विद्यात्तय थरियावद	क विवारतिय	थीं स्यावः	 				
于 二 二	स्वीकृत राभिष्य व	व स्थित =====		(大) (大) (大) (1) (1)	1987-88	П				
	संवेतन	यात्रा	विकित्सा	कायाँ तय च्यय	मधीनरी व साब	सरमञ्जे पृद्धम		पृयोग शास	पु स्ता का बय	3.74
स्वी कृत राभि	493000	5900	8960	3800	100	150	700	300	1500	300
च्यय भार्च ८८ तक	ट्यय भार्च ५४८२४६ ८८ तक	5833	8902	3271	000	<u> </u>	700	296	1492	304
	55246	67	2+	- 529		1 1 1 1 1		4-1	60	+-4
				RC II	43 - 1988-89 	89				
स्वी वृत	547000	9400	2600	3800	1000	200	700	400	1200	300
व्यय नव् सिस्त्र नव्	310062	7219	3588	8201	432	1	669	219	990	151
	15618	2181	60	2722	568	200				

पंवरण संत्र	
700	11

	अनुध्रीयत जारित		अनुस्थित जनजारित	िवश्र
स्वोक्त राभि	5450		4290	
च्यय	5450		42 <b>3</b> 0	
नेष	ı		I	
		81३९१त विवरण सत्र ।९८८–८९	1988-89	
स्वीकृत राभि	5510		4370	
व्यय	5510		4370	
<b>FIRE</b>	í		ı	

#### राजकीय माध्यामिक विद्यालय सुगाणा, उदयपुर

#### छात्रवृति ।१८७७–८८

अनुसूचित जनजाति		नवीनीकरण 87-88
वक्षानुसार छात्र संद्वा	मार्च-अप्रेल, ८०	दो माह की रावि
6 से 8 + 1 छात्र	30/-	m NF4 (40) NFF NA NFF-NFF NA GWW 4441 WFF NNC 4FF AND
१ से ।। । छात्र	60/-	a man naka man jan nak, man na na na na na naka man na na na na na na naka man naka man naka man naka man naka
		नधीन
6 से B	जूलाई से फरवरी 1988	आठ भाह की राशि
१ से ।। ५ छात्र	300/-	n man dien von die 1860 State dien park gem von der die 2000 Japan des Baut geben 1864 des
अनुसूचित जाति	88-89	नदी न
६ से ८ । छात्र	जूलाई से फरवरी 1989 120/-	अाठ माह की राधि
१ से ।। 2 छात्र	480/-	en nam and and had 1850 on the later was day put 1844 1844 who was she been later blow
		नवीनीकरण
6 से छ । छात्र	जूलाई से फरवरी	ry bent was Davi after May Stri (SM) STRY offer Mark State SAM SAM SAM SAM SAM SAM SHOW SHOW SHOW SHOW
aliang laungstang pengantakan aliang pengantan aliang aliang aliang aliang aliang aliang aliang aliang aliang	120/-	en man ske klad met ket ske kli ki ske klad se klad ske kli ske klad ske klad ske klad ske klad ske klad ske k
१ से ।। । छात्र	240/-	

# राजकीय माध्यामिक विदालय संगाणा, उदयपुर

अनुसूचित जाति	id approximate states after the special special states and	er spiel filler som Jivo gen som delt soll spiel ist so	नवीनीकरण
कृ-सं- व्या	ចាង	iei ts	
ı- s <del>à</del> ម	5	150/-	मार्च-अप्रेल्ए०८
2- १ से ।।	3	180/-	mand then and some and then are upon the some are are discovered to the some are also ar
			नवीन छात्र
1- ६ से 8	l	30/-	मार्च-ब्रुपेल, ८०
2- १ से ।।		60/-	
अनुसूचित जनजाति	88-89		नवीनीकरण
म ६ से ७	er pers men trett der tilse sich gelt den bet	120/-	णूलाईसे फरवरी, 89
१ से ।।	2	480/-	

विधि 88-89  स्वेतन यात्रा विकित्सा कार्यालय कुंब मुद्दी प्रयोग अन्य स्वीकृत 296400 2900 1800 2800 2000 600 2000 300 110  ब्जिट  व्यय 205464 2880 1798 - 282 245 - 296  भेष माह 90936 20 2 2800 1718 355 200 4 110				राजकी	म माध्यिभ	नक नियार	ੱਧ, ਜੁੰ	ग्रापा हैवा	उद्यपु:र	
स्वेतन यात्रा विकित्सा कार्यांस्य धुरुतकालय खेल मझीन्री प्रयोग ः इत २१६४०० २१०० १८०० २८०० ६०० ६०० २००० ३०० इत २१६४० २१६० १७० २८६० २४६ – २१६ साह १०१३६ २० २ २८०० १७० १७० १८६ – २१६	व्यक्	8-89		1 			  } 		.1 .1 1 1 1	
मृत 296400 2900 1800 2800 2000 600 2000 300 205464 2880 1798 — 282 245 — 296 साह 90936 20 2 2800 1718 355 200 4		सवेतन	מואד	िय कित्सा	कायितिय	पु स्तका लट *	_ ©i≪ ©id	मामा - यो	प्रयोग	다. 나. ~~ ! 라. ~ !
205464 2880 1798 - 282 245 - 296 3 90936 20 2 2800 1718 355 200 4	स्वीकृत ब्रजट	296400	į	1800	2800	2000	600	2000	300	0 -
390936 20 2 2800 1718 355 200 4	त्यय	20 5464	1 1	1798		282	245	1 1 1 1	296	1 1 1 1 1 1 1
	<u>भेष</u> माह नवम्बर 88 तक	90 936	50	CV .	2800	1718	23 23 1	500	4	011

अतिरिक्त बणट

राजकीय माध्यभिक विद्यालय, मुँगाणा णि∙उद्यपुर =-=-=-=-=-=-=-=-=-=

1987-88	
ीवव रण	
त्यार	
AG.	İ
학대단	1
स्तोकृत	1
巴	į

	संवेतन	472	निविधित्ता	कायि विय	कायितिय पुस्तकालय	周	मधानिही एवं प्योग भाता साम सामान	प्योग भाता	अन्य पुभार
स्वी कृत बजट	265000	8072	6400	6760	2000	. <b>1</b>	300	1 1 1	1
न्तर व्यय 87 -88	308513	6434£	6434 <b>-6</b> 6143-90	5468•78	5468•75  744•65	(1) (1) (1) (1)	 		
	43513 अभिषक हार्ष	1537.	40 256-10	1		255.35	390.00		
	416 64167 ¥ 3		तिरिक्त व्य	17 9 TCA	होने से त	तथा है	तिरिक्त बणट प्राप्त होने से तथा दिसम्बर के बाद बणट बन्धा होने ने काउण कारामित लगा की राधि बस्त रही		प्राप्त होने से । कोच कायां लिय

नवीन क्य पर प्रांत बन्ध हाने के कारण कायांत्य व्या का राग्धा बचत रहा । काथ वापार से बीतों के आच्लोक्यन में आ जाने से टी.ए. व विकित्सा, पुरुतकालय व प्योग शाता की राशि बचत रही ।

भित्र राजाः	<b>日本日本日本日</b>
निवात्त्वा,	111111111
माध्यभिक	111111111
राणकीय	11-11-11-11

				!		योग	503300	319127	184173
ਜ਼ੈਂਕ੍ਰ 1987–88 =========	योग	435200	244400	190800		प्यरेजध्य वर	400	ţ	488
(日) 		700	673	27	84-19E	ज़िक्	700	ŧ	700
	प्रभार मशीनरी पुस्तकालय	200	1497	ر دران ا		प्रसामान्य	1200	720	460
<b>5</b> 1	मुशीनक	1000	666			4874	1000	1	
एवं ट्यय विवर्ण 	अन्य प्रभार	200	200			अन्य पुभार मधीनरी	300	ı	300
81 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 1	त्रा कायिति	00 4100	4099 4093	7		कायार्वा	4100	1927	2173
		4 100	40 99			यात्रा	8300	6939	1361
	निर्मिकत्सा य	7500	7482	8		रियरिकत्ता य	ביו	327	2973
	संवेतन	स्वोक्त 416000 7500	225257 7482	190743		संवेतन	4000	309214	174766
		स्वी कृत	व्यथ				स्वो कृत	ट्यय	The state of the s

छात्रवृति विवरण सत्र 1987-88       मेक्ट     अनुसूचित जाति     विका     240       विका     280     240       विका     280     240       कात्रवृति विवरण सत्र 1968-89     -       विका     350     360       उठि     350     360       उठि     350     360       उठि     -     -       उठि     350       उठि     -     -       उठि     350       उठि     -     -       उठि     350       उठि     -     -       उठि	8139 ति विवरण सत्र 1987—88 ==================================		राजकोय उच्च ========	## 52 f ##	fqurid, %@ <rr></rr>	
3160     3160     2800     2800     360     360     3160	3160 2800 2800 360 360 8 মন্ত্রীন বিবহণ্য মন্ত্র 1968—89 ===================================		4 <u>pk18</u>	विवरण -=-=-=	1987	
3160 2800 2800 360	3160 280 280 360  8138 far of far fall 380 2860 2860 380		ियत	भैत्रवाद्य		नेविश्व
360       360       81%       81%       81%       81%       81%       81%       8260       8360       8360       8360       8360	2800 350 	ने कृत	3160		240	
350  873 1968 -89  =-=-=-=-===========================	350  8133147	ದ	2800		240	
81% श्रुत विवरण सत्र 1968—89 =-===================================	87% वृति विवरण सत्र 1968—89 ===================================		350		1	
313 ត្រុង	असुस्पित जारित विमेष असुस्पित जनवारित 2360 350 2360 350	The first part of the state of		ਰਿਕ੍ਰ ਨਾਮੂ =-=-	1953-89	3
2360	2360 - 2360		नित ज	DIFE OF		1
2350	2350	ो शृत	2360		360	
2350	2360	ಧ	ı		at a	
			2350		350	

			राजवीय ।	359 HTE	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय	대리 T 레디 - 프	我真正每天   Full - G 在 D G R = -= -= -= -= -= -= -= -= -= -= -= -= -	द् <u>यात</u> र 11 = 11 = 1		
				43	H 1 T 1 C		00			
1	सर्वेतन	यात्रा	िप किल्सा	कायाँ तय	मशीनरी और सर	ता प्राप्त	अन्य पुभार	पु स्तदा तय	प्योभ शाला	后
स्वी कृत	स्वीष्टत १०८६०२०	7100	8000 +9000	4700	001	200	300	1200	2000	700
व्यय न	च्यय नव780१16 मिस तक	3214	14967	1520	ĵ	l	; <b>,</b>	86	נס נס	1
	305084	3886	2033	3180	1000	2002	300	002	1964	700
				व्यय भेव	निवरण माह	म्म	8			
स्वी कृत	94 1000	12900		4 <b>28</b> 0		50	300	1500	3000	700
व्यय	1044417 1291	12910	66991	4580	862	55	296	25	2997	595
	103417 -10	-10	North	20	20	1	4	69	כיז	
1		1								

					]         	! ! !		1 1 1
		िवमान			 			
॥ प्र   जा	अनुसु नित जनजा ति		10350	8400	1920		8000	
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सबुम्बर् ===================================	897 — 1987—88 	हिन्नि संस्वा	4.	ເນ	œ			
3 <del>रव</del> माध्य'	ति विवरण	रिवशेष		t			 	
र <b>ा</b> जकीय =-=-=-=	873gfa f =-=-=-=-=-=-=-=-=-=-=-=-=-=-=-=-=-=-==-==-==-==-==-==-====	रा भेग	12960	12960	1	ชาจอูก	7680	}         
	335R F	ापक्ष द्राध	54	ł	l		32	
			स्वो कृत	ट्यय			स्वीकृत	व्यय भेष

```
राजकीय माध्यांमक विद्यालय, बारापाल
त. गिर्वा जिला- उद्यपुर
```

- ।- विधालय में छात्र संख्या वक्षा 6-24, 7-7, 8-13, कूल=7। 9-21,10-6,
- 2- विद्यालय में अध्यापकों की संख्या 12 हुमय प्रधानाध्यापकहू
- 3- विद्यालय में आय-व्यय राजकीय बजट ८६-८१

			नवम्बर ८८ तक
1 -	वेतन	3,38,000/-	2,45,628.00
2-	टी -ए.	29,000/-	1,609.00
3-	विकित्सा	5,400/-	4,300.00
4-	कार्यालय	2,300/-	327.00
5-	मशीन री	600/-	-
	साण सामान	T	
6-	अन्य प्रभार	200/-	-
7-	<b>ो</b> ल	500/-	~
8 –	पुस्तके	1,000/=	85.00
9-	प्योग शाला	T 400/-	••••
		3,51,300%-	2,51,949.00
	सात्र कोष	HTU-CUU	

#### छात्र कोष आय—च्यय =======

	2319.50	1434.00
	Name and the three that were done	
3-	५४० • ०० एस • यू • पी • इब्ल्यू	241.00
2-	192.00 विज्ञान	143.00
1 -	156/•50	1050.00

# 

l — विद्यालय में कुल छात्र **सं**ख्या :-

- 2- विदालय में अध्यापकों की संख्या कुल स्वीकृत पद

  पृ.अ व्याख्याता व.अ अध्यापक पुस्तकालय अध्यक्ष

  । । 5 3 ।

  शा भिक्षक उद्योग पिक्षक व.िल क.िल प्रयोग-सहायक

  । । 2

  प्रयोग-सेंवक च.क कुल योग

  2 4 33
- 3- विद्यालय में आय-व्यय राजकीय बजट **ई** 1988-89 हू हूनवम्बर, 88 तकहू

मद	स्वीकृत राधि	न्यय
ڪنڌ بيرة	Many party about their little state print upon being mind	Brain Security Services
वेतेन	6,79,600/-	3,78,262/-
यात्रा	5,600/-	3,942/-
चि वित्सा	3,700/-	3,700/-
<b>ਰਾਧਾ</b> ਰਿਧ	4,500/-	2,155/-
पुस्तका लय	2,800/-	682/-
खेल कूद <b>्</b>	1,200/-	276/-
प्योगशाला	4,000/-	-
लाज सामान	2,000/-	****
अन्य	110/-	-
	report plant from your grown report make the plant plant from the plant plant plant from the plant plant plant from the plant	The party of the p
•	7,03,510/-	3,89,037/-
	z	And year one of the Pint Pint Pint Was the pull that you was

छात्र कोष मद- अाय - 8248.00 व्यय- 2237.00

ज्ञ.सं	• नाम मद	स्वीकृत बगट		भेष	विशेष
-	सवैतान	241000/-	193279/-	47721+00	
2-	याश्रा	2600/- 1000/-	3546/-	54•00	
3-	विकित्सा	1800/-	1796/-	4 • 00	
4-	कार्यालय व्यय	3500/-	3500/-		
5-	मशीनरी लाज सामान	2800/-	2793/-	7.00	
6-	अन्य पृथार	600/-	600/-	-	
7-	पृथ <b>ो</b> गशाल <b>ा</b>	400/-	400/-		
8-	पुस्तका लय	2000/-	200/-	, pan	
9-	<u>ख</u> ेल कूद	1000/-	1000/-	•	

## राजकीय बारितका माध्यीमक विदालय, धीरयावद

## स्वीकृत बजट एवं व्यय सन्न ।१८८-६१

	Para gangga papan Mario Mara galaphino 1984g ganpo muu baran papan pabib 1986			<u> </u>
क्र•सं	• नामद	स्वीकृत बणट	खेव होणट	शेख रापा
l –	सवेतन	222000/-	132254/-	89746/-
2-	यात्रा	2600/-	1036/-	1564/-
3-	चि कित्स <b>ा</b>	1950/-	1153/-	797/~
4-	का <b>यां</b> लय	3800/-	1065/-	2735/-
5-	मशीनरी साज सामान	2800/-	541/-	2259/-
6-	अन्य प्रभार	600/-		600/-
7-	पृथोगशा ला	400/-	-	400/-
8-	पुस्तकालय	2000/-	1567/-	1473/-
9-	<b>ो</b> ल कूद	1000/-	.ma	1000/-

राजकीय बातिका मण्ध्यामक विद्यालय, धारयावद

2- छात्रा संख्या -

कृ.सं.	वक्षा	চুল ভাষাই	अनु-जारीत	अनु • ज • ज र ित
-	6	63	2	Ð
2-	7	65	l	3
3-	8	55	4	2
4-	9	61	2	12
5 -	10	18		3
क्तांत्र प्रोत्त हुम्म हंस् र प्रोत्त हर्म न	the give more more discretely	262	ر ماهند المناسب	28

3- अध्यापिका/कर्मचारी विवरण -

क्र-स	B	स्वोकृत पद	धनाम्य	frati	वेतन शृंखना
	प्रधानाध्यापक -	1	1	Ma	1550 -3250
2-	वीरहर अध्यापव	5 6	6	-	1140 -2250
3-	अध्यापक	4	4		880-1680
4-	विरय्ह तिपिक	l	l	_	1 1 20 -20 50
5 -	कनिष्ठ निषिक	ŀ	-	1	990-1690
6-	पुस्तकालयध्यक्ष	1	***	1	880-1680
7-	वे सा स	I	•••	}	880-1680
0-	प्रशा से •	l	1	<i></i>	710-910
9-	च • शृ • का•	3	2	ł	700-865
<b></b>					

### विशेष सुविधाओं के प्रकार :

राज्य सरकार द्वारा उदयपुर जिले में जनजाति वर्ग के शिक्षिक उन्नयन हेतु निम्न विशेष सुविधार पदान की जा रही है

- । 🌡 छात्रवृति राशि
- 2 । छात्रावास राजकीय एवं अनुदानित
- उ१ आश्रम विद्यालय
- 4 कौ चिंग व्यवस्था

पृत्येक व्यवस्था की वर्तमान रिथित का विश्लेषण किया गया है। इस राशि को समाज कल्याण विभाग तथा शिक्षा विभाग द्वारा खर्व किया जा रहा है। इनका विश्लेषण इस पुकार है -

समाज कल्याण विभाग, उदयपुर द्वारा शिक्षा पर व्यय राशि का विश्लेषण:

उदयपुर जिले में छात्रृतृति एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचातित छात्रावासों हेतु पृतिवर्ष बजट का पावधान है । दिनांक 10-2-88 को कार्यालय से प्राप्त दत्तों के आधार पर नीचे राष्ट्रश

का ब्यौरा दिया गया है। विभाग में छात्रावास एवं छात्रवृति हेतु तीमाही किस्तों का भूगतान किया जाता है। अनुसंधाता द्वारा यहाँ पर ।-।-।१८९ को चुकाई गई तिमाही किस्तों का ब्यौरा दिया गया है -

रिकार्ड अवलोकन करने पर इति हुआ कि पृति छात्र पृतिमाह पूर्व में 140 रू. खर्च होता था किन्तु बाद में इस राधि को
145.00 बढ़ाया गया । इस राधि के अलावा पूर्व में रसौई बनाने
वाले को रसौई भत्ता पृतिमाह 350.00 मिलता था किन्तु बाद
में 100.00 और बढ़ाया गया जो अब 450.00 हो गया है ।
रसौइये के अलावा एक चौकीदार को भी 350.00 पूर्व में तथा
बाद में इस राधि को बढ़ाकर 450.00 पृतिमाह किया गया ।
पृत्येक छात्राद्यास में खर्च राधि को नीचे सारणी में दर्शाया गया
है - ११-1-1989 के अनुसार।

सारणी -					
	भाग हारा ज	निजारति वर्ग	के छात्रों पर	समाज कल्याण विभाग हारा जनजाति वर्ग के छात्रों पर खर्व की जाने वाली का विष्वेषण :-	11.
क्रम् तहतील श्वं ग्राम	छात्र संख्या	पृति छात्र दर छात्र- वृति	छाञ्च्रित की कुल राभा	रसोईय वोकीदार पर खर्च पर खर्च राष्ट्रेश राशि	र कुल खर्व
- fuxqr			-		
ងស្ថិចទោះបាកម ៩វិ៩វិ ធស្និ " ធារប្របាក មស្និ " មាជន្សា	50 25 34	40.00  40.00  40.00	21285•00 10710•00 67550•00	2500/ 1250/- 1250/- 1500/- 1500/-	23785/- 13210/- 18875/-
2- ब्राइरेस					
अខ្ញុំនាទៅកា មានាជា	80	140.00	33885•00	/0005	388857~
उ- मुंस्- सवस्वर					
अहरा-छात्रावास सब्म्बर	7 21	140.00	8655•00	1250/- 1250/-	-/5511

16705/-	18920/-	-/00221	19815/-
140/- 14310/- 2500/ 145/- अरीतt_7/- १क्मीसे४855/-	- 14280/- 5000/ - + 1 <u>2575</u> /1500/- = 33855/- +2000/- + 975/-	10665/स् 1250/- पुरुतके 560/- + 20/- स्टेमनरी ६६०	16755/- 2500 - 390/- + 750 16365/-
	140/- तथा 145/-		140 145
तथ	तथा		
30 978	खT• <b>द</b> T79	C) L)	3.9
ធវូីអាឲ្យ-ធែល ធាតាហារា ព្រឹ រួអាភូ៤ព្រំកាត សុខារាជា	अध्वेरवाडा कन्या छा.	ब्रुवनवासी खेरवाड़ा छात्रावास	सर्व्यम्देव छात्रावास

	56740/-	-/00151		13190	-/01291	12755/-
	-/000	1250/- 1250/-		250/- 2000/-  - <b>2</b> 90/-	2500/ - 750/-	1250 1250 ਦੇ <b>ਸ਼</b> 450
	52740/- - 1000/-	12600/-		10230/-	-/09621	10213/- 400/- 9805/-
	123   140/- तथा 145/-	30 140		25 140/- frag_l_aur 145/- 24	30 1407- RUT 1457-	
5- कोट्डा पं.स.	अ§कोटडा खात्रापास कन्या	िका चौरा वास	6- सराइा पुंसः	अ <b>र्ह्माडो</b> लर्सिराडा छात्रावास	ត§្ថាច្រទ មានាគោក ប្ <sub>មា</sub> ក្សាក្នុក	ម្នាម្នុក

	50690/-	-/0298	367705/-
		89B7B/-	# # # # #
	45690/- 5000/	25920/-	
	115   140/- 4 तथा 145/- 	12   140/- 25920/- 3750/- , + 48 तथा   145/- 60	
· H.	t t		
६- धरियाचद्रम्न	<b>अ</b> ाधिरियावद छात्रावास	lg	योग -

समाज कल्याण विभाग, उदयपुर में दिनांक ।—।—।१८१ तक खर्च राशि के अनुसार:—

उपरोक्त सारणी देखने से ज्ञात होता है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा 785 छात्रों पर कुल राशि रू.367705/-१तीन माह की किस्त। के हिसाब से प्रतिमाह औसत खर्च 156.13 रू. पृति छात्र होता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि रसोक्ये, चौकीदार एवं स्टेशनरी पर पृति छात्र 145 – 156.13= 11.13 खर्च किया जाता है यह राशि पृतिमाह के पृति छात्र के हिसाब से बहुत कम जान पहती है।

साक्षातकार के समय छात्राचास के वार्डन महोदयों से हुएँ साक्षातकार में ज्ञात हुआ कि छात्रवृति की राशि भी छात्र के छवें के अनुपात में कम पड़ती है और चौकीदार, रसौइयाँ तथा स्टेशनरी का छवां भी कम पड़ता है। इसी प्रकार छात्र एवं छात्राओं की भी यही राय थी।

जिला शिक्षा अधिकारी, उप-निदेशक, जिला प्रधान, ग्राम के सरपंच एवं अभिभावकों की यह राय थी कि इस राशि में मेंहगाई सुंचकाक के आधार पर वृद्धि होती रहनी चाहिए ।

वर्तमान की निर्धारित राशि को इस वर्ग ने आवश्यकता से कम बताया।

स्विधाओं के उपयोग की वर्तमान स्थिति के अवलोकन का विश्लेषण

वयनीत हात्रावासों, आशम विद्यालयों एवं विद्यालयों की भौतिक साधन सुविधाओं, हात्रों की पढ़ाई, हात्रों की पृवृ-तियों, साधनों, शैक्षिक सुविधाओं पृशासनिक व्यवस्थाओं को दे-छोने पर निम्न निष्कर्ष निकलते है :-

- । हे सामान्यतया छात्रवृति की राशि पृति छात्र कम जान पहती है।
- 2) छात्रवृति की राशिका कहीं-कहीं अभिभावक आवश्यक-ताओं की पूर्ति हेतु एवं सामाजिक कार्यों में तथा बूरी आदमों में खर्च कर देते है।
- 3 हात्रवृति की राशि को वर्ष के प्रारम्भ में नहीं दी जाती है जिससे पुस्तके एवं स्टेशनरी खरीदने में छात्रों को किठ-नाई होती है।
- 4 श छात्रवृति के लिए छात्रों का चयन वर्ष प्रारम्भ से पूर्व ही हो जाना चाहिए।
- 5 हुछ स्थानों पर छात्रावासों में सीटे खाली पड़ी हुई थी। पूछने पर ज्ञात हुआ कि छात्र पढ़ाई छोडकर चले गरें।

- 6 र्रे समाज के कल्याण विभाग द्वारा संवालित छात्रावासों के भवन चाहे वे किसी भी संस्था द्वारा ही क्यों न चलाये जा रहे हो, अधिकांशत: खराब हालत में पाएं गरें।
- 78 छात्रावासों में शोचालय, पानी की व्यवस्था, बोजली की व्यवस्था आवश्यकता के अनुकूल नहीं पाई गई।
- 8 रहने के भवन में बिस्तर तो है किन्तु सर्दी से बचाव की दृष्टिं से अपर्याप्त जान पड़ते हैं।
- ११ छात्रावासों में दैनिक कार्यक्रम संतोध जनक पाया गया ।
- 10 § छात्रावासों में अध्ययन रत छात्रों की उत्तरपुरितकारं देखने से ज्ञात हुआ है कि छात्र अध्ययन करते है किन्तु इनकी कठिनाई दूर करने हेतु कौचिंग कक्षाओं का अभाव पाया गया।
- 11 है समान कल्याण विभाग द्वारा स्वीकृत एवं शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित एवं निरोक्षित ये छात्रावास कई सम-स्याओं से घीरे है । हास्टिल वार्डन शिक्षा विभाग का अध्यापक होता है जो पूरा समय नहीं दे पाता है । अलग से वार्डन की व्यवस्था बहुत कम स्थानों पर है ।
- 12 हि चिकित्सा सुविधा का पूर्णतया अभाव पाया गया ।
- 138 मनोशंजन का अभाव पाया गया।

14 राह्य सहगामी पृष्टितियाँ कम पाई गई।

#### छात्रवृति सम्बन्धी निष्कर्ष : =-=-============

- । हें छात्रवृति की राभि छात्र/छात्राओं को समय पर उपल— ब्ध नहीं होती है।
- 2 हात्रवृति की राशि को अभिभावक घर खर्च में तथा अन्य काम जैसे सामाणिक रीति रिवाण में खीर्च कर देते है ।
- 3 है छात्रवृति की राशि मेंहगाई के कारण बहुत कम है।
- 4 कात्रवृति की राशि छात्र/छात्राओं को आवश्यकता के समय उपलब्ध नहीं होती है।
- 5 श्रीधकांश विद्यालयाँ में यह राशि मार्च महिने में उपल-हथ होती है।
- 6 हैं छात्रवृति की राशि में पुस्तकों एवं स्टेशनरी की राशि अलग नहीं पाई गई।

### ष्ठात्रवृति सम्बन्धी सुद्भाव :

अध्यापको, अभिभावकों एवं छात्रों से साक्षात्कार तेने पर जो सुद्धाव प्राप्त हुएँ है उनको श्रेणीवार नीचे दर्शाया गया है । परिशाष्ठ में छात्रों द्धारा सुद्धाएँ गएँ कुछ नमूने दशाएँ गएँ है -

- । श्रे छात्रवृति की राशि पृति छात्र मँहगाई के बढ़ने के अनुपात मैं बढ़नी चाहिए।
- 2 हात्रवृति की राशि छात्र/छात्राओं की समय एवं आवश-यकतानुसार उपलब्ध कराई जावे।
- 3 हात्रवृति की राशि हेतु राज्य सरकार माह मई एवं जून में ही निर्णय कर, राशि आवंटन कर दे।
- 4) छात्रवृति की राशि का अध्भावकों एवं छात्रों द्वारा किया जाने वाला दुल्पयोग रोका जावे । खास कर जो अभिभावक इस राशि को अपने धर खीर्च में खत्म करते है, उस पर पाबन्दी होनी चाहिए ।
- 5} पुस्तकों, स्टेशनरी एवं अन्य पढ़ाई के सामान हेतु अलग राशि निथारित की जावे।
- 6 र्षे प्रतिभावान जनजाति के छात्र/छात्राओं को अतिरिक्त राशा उपलब्ध कराई जावे।
- 7 १ छात्रवृति प्राप्त करने सम्बन्धी जानकारी ग्राम स्तर पर उपलब्ध कराई जावे ।
- गरीब जनजाति के परिवार उन छात्र/छात्राओं को जिनका चयन छात्रहाति के लिए हुआ है, के परिवार के सहस्यों को भरण-पोधण हेतु रोजगार या आर्थिक सुविधा जो भी सम्भव हो उसे उपलब्ध कराया जावे।
- ११ छात्रवृति की राशि से पुस्तके, स्टेशनरी आदि जुलाई महर माह में ही खरीद कर उपलब्ध कराई जावे।

## अरश्रम विद्यालयों की स्थिति :

उदयपुर जिले में छल 17 आश्रम विद्यालय राजस्थान सरकार ने छोले है । प्रस्तुत अध्ययन में 7 आश्रम विद्यालयों को अध्ययन के लिये चुना गया । चयन में यह ध्यान रखा गया कि प्रत्येक मंचायत सीमीत का एक विद्यालय चयन हो सके । इस द्वेष्ट से गिरवा प्रचायत सीमीत का आहोल पंचायत सीमीत का आहोल पंचायत सीमीत का आहोल, सराहा पंचायत सीमीत का सराहा, खेरवाहा पंचायत सीमीत का खेरवाहा, धीरयावद पंचायत सीमीत का भवराना, कोटहा पंचायत सीमीत का मालवा का चौरा तथा सबुम्बर पंचायत सीमीत का सबुम्बर पंचायत सीमीत का सबुम्बर विद्यालयों का चयन किया गया ।

आश्रम विदालयों में पृत्येक छात्र के लिए प्रतिमाह 100-00 राज्य सरकार के द्वारा स्वीकृत है। इस राशि को खर्च करने हेतु राज्य सरकार ने कुछ आधार धिन्दू तय किये है जिन्हें नीचे सारणी में दर्शाया गया है –

सारणी - =4: =====

आश्रम विद्यालयों में प्रति छात्र सामग्री को क्य करने की स्थित

क्-सं-	नाम सामगी	पृतिदिन	पृति सप्ताह	पृतिमाह	प्रतिवर्ष
1-	आटा गेहूँ	600 JTH	~	-	~
2-	नापता	५० पैसा		-	~
3-	दाल बिना धूली/ धूली	50 ग्राम	***	***	-
4-	हरी सब्जी	40 पैसा	-	***	matrix.
5 -	मूँगफली तेल	20 ग्राम	-	~	phone.
6-	मसाले/भिर्च, धीनय हल्दि, जीराआदि	Г।5 गुम	***	±ug	-
7-	जलाऊ लकड़ी	14 किंग <b>र</b>	<b>-</b>	-	<del>laure</del>
8 -	चावल	-	200 ग्राम	-	Мурра
9-	सिर का तैल		30 ग्राम		~-
10-	शक्कर	barring:	<b>Servi</b>	200 ग्राम	
11-	រ្ញន	<del>-</del> .	-	200 ग्राम	
12-	साबून नहाने का/	धोने-	berti	४ • ७० पैसा	
13-	कमीन सफेद खादी	· —	~		वर्ष में दो
14-	पेंट खादी का	~	~	-	वर्ष में एक
15-	नेकर खादी का	-	Tu-	-	वर्ष में दो
16-	चड्डी खादी की	-	_	-	वर्ष में उ
17-	उनी जर्सी .	-	_	-	वर्ष में।
18-	जूते, मौजे		•••	_	30/- के
	विशेष भोजन माह में दो बार	æ <u>~</u>	-	1/-	
20 -	बनियान	-	-	-	वर्ष में उ

उपरोक्त सामगी के अतिरिक्त आवासियों को अन्य सुविधार तथा सामगी उपलब्ध करानी होती है जो निम्न है:

- ा छात्रावास में जब तक बिजली की व्यवस्था नहीं हो तब तक के लिए दो टीन केरोसीन पृति 2 माह पृति आवासीय व्यय होगा । इस प्रकार 50 छात्र हेतु 100 बोतल पृतिमाह ।
- 2) विमार आवासियों के लिए भोजन व्यवस्था एवं दवाईयाँ विकित्सा अधिकारी की राय के अनुसार दी जावेगी।
- उर्दे पुस्तके एवं स्टेशनरी तथा फीस इत्यादी के 55.00 रू. प्रितवर्ष देये होगे।
- 4 क्रिया जावेगा ।

उपरोक्त सम्पूर्ण खर्वा राज्य सरकार जनजाति के आवा-सोय विद्यालयों पर खर्व करती है जिसकी एक सत्यापित प्रतितिषि नोचे दी जा रही है:-

विश्वा उपनिदेशक, जनजाति केत्रिय विकास विभाग, उद्यपुर

> विषय:- संचातित आश्रम विद्यालयों की चाही गई सूचना प्रस्तुत करने के कृम में ।

महोदय जी,

आप द्वारा दुरभाष्य पर आश्रम विद्यालयों के सम्बन्ध में जो सूचना चाही गई है वह निम्नानुसार पृस्तुत है :-

विभाग द्वारा जो आश्रम विद्यालय चलाये जा रहे है। समाज कल्याण विभाग के द्वारा निधारित माप दण्ड के अनुसार प्रत्येक आवासिय हेतु निम्नानुसार चलाये जा रहे है। इस हेतु प्रत्येक छात्र के लिये प्रतिमाह राज्य सरकार द्वारा 100/- १एक सौ स्पया १ स्वीकृत है।

कृ•स	• नाम सामग्री	प्रतिदिन	प्रीत सप्ताह	<b>पृ</b> तिगाह	प्रतिवर्ध
-	आटा गेहूँ	600 <b>ग्रा</b> म	_	name .	_
2-	नापता	50 पैस <b>र</b>	tjen	-	

3~	दाल विना धूली कुली	-50	ग्राम		<u>~</u>		<del></del>	•~		
4-	हरी सद्यो	40	पैसा		**			P1	•	
5-	मूँगफली तैल	20	ग्राम		<b>~</b>			-	•	
<b>G</b> -	महाले/मिर्च, धीनया हल्दि, जीरा आदि	15	ग्राम		-	•	-	<b>.</b>	-	
7-	जलाउ लक्ही	14	विगा		-		_		gain.	
8-	पावल	-072		200	ग्राम	•	-	سي	•	
9-	िसर का तैल	-		30	ļī T	•	<del>,</del>	****	•	
10-	शक्कर .	-				200	ग्राम	-	-	
11-	गुंह	-			****	200	ìLt	••		
12-	साबून नहाने का धोने का	-				4.70	उपैसर	•	-	
13-	कमीन सफेद खादी	Maga.					~	বর্ষ	Ä	2
14-	पेंट खादी का	garden.			••		<b></b>	ជជ	Ħ	I
15-	नेकर खादी का	-			***	•	~	वर्ष	Ħ	2
16-	वह्डी खादी	-			gent .	,	<b></b> -	वर्ष	म्	3
17-	<b>उनी</b> जसी	~			-		Steen	वर्ष	Ä	l
18-	टार्वल	ρ	· ·		<del>(</del>		*us	वर्ष	में	i
19-	जूते, मोजे	~					_	ជផ	Ŭ	30/-
20 ~	विशेष भोजन माह में दो बार				(man)	1 • 13	0	***		
21-	ब नियान	-			<b>-</b>		~-	বর্জ	H	3

इसके अतिरिक्त आवासियों को अन्य सुविधाएँ तथा सामगी उपलब्ध करानी होती है जो निम्न है -

- 2) विमार आवासियों के लिये भोजन व्यवस्था एवं दवाईयाँ विकित्सा अधिकारी की राय के अनुसार दी जाती है।
- उड़ पुस्त के एवं स्टेशनरी तथा फिस इत्यादि 55/- प्रतिवर्ध देय है।
- 4 । भागित एवं नमक पर होने वाला अर्व आवश्यकता अनुसार विया जावेगा ।

जिला विश्वा अधिकारी विश्वा विश्वाग उदयपूर

आश्रम विद्यालयों की वर्तमान स्थिति का अवलोकन करने पर

आश्रम विद्यालयों की स्थित अपेक्षाकृत अच्छी पाई गई इनके भवन नये एवं साधन सुविधाओं से पूर्ण पाएँ गएँ। पृशासकों, वार्डन, छात्रों, अध्यापकों, सरपंच, पृथान जिला शिक्षा अधिकारी एवं उपनिदेशक से साक्षात्कार से ज्ञात हुआ कि छात्रावासों के अर्थे हेतु निर्धारित मानदण्ड्रों को पुन: निर्धारित किया जावे। इस हेतु मंहगाई के सुचंकाक को आधार माना जावे।

अवलोकन करने पर ग्रामीण दूर दराज के कुछ आश्रम विद्यालयों में छात्र अनुपर्धित पारं गरं । ज्ञात हुआ कि वे विमारी से प्रतिन्ने पिहित है । आश्रम विद्यालयों में बीमार छात्रों के लिए विशेष सुविधारं उपलब्ध नहीं पाई गई । अवलोकन के समय कई छात्रावासों, आश्रम विद्यालयों में छात्र बीमार पड़े मिले । इनको दवाईयां स्थानीय सुविधानुसार ही मिल रही धी जो अपर्याप्त पाई गई ।

आश्रम विद्यालयों में शिक्षण कार्य बहुत अच्छा पाया गया किन्तु पाठ्यसहगामी **प्रत** पृतृतियाँ एवं मनोरंजन के साधनाँ

का अभाव पाया गया । सांस्कृतिक कार्यक्रम बहुत ही कम आयो-जित किये जाते है जिससे छात्र "होम सिक" धर का बीमार पाया गया ।

आत्रम विद्यालयों हेतु जिला शिक्षा अधिकारी, प्रधान, सरमंच, अभिभावक, अध्यापक एवं छात्रों के सुझावों के प्रसुख निष्कर्ष :

अवलोकन के समय तथा उसके पश्चात् उक्त सभी वर्ग से साक्षात्कार करने पर कई सुद्धाव प्राप्त हुएँ । इन सुद्धावाँ को बिन्दूवार दर्शाया जा रहा है :-

- अगश्रम विद्यालयों का पृशासन शिक्षा विभाग के पास ही रहना चाहिए । वर्तमान में आयुक्त जनजाति उदयपुर परिक्षेत्र ने इनको अपने पास रखीलया है । पूर्व में इनका संचालन शिक्षा विभाग ही करता था ।
- 2 । आश्रम विद्यालयों में अलग से वार्डन, चौकीदार तथा रसो-इया स्थाई रूप से नियुक्त हो जिसको वेतन के साथ-साथ भत्ता भी दिया जावे । वार्डन हेतु सेवा निवृत व्यक्ति को लिया जावे । चौकीदार हेतु सेना से निवृत व्यक्ति तथा रसोइया जहाँ तक हो स्थानीय हो ।

- 3 शाश्रम विद्यालयों हेतु स्वीकृत राशि में मूल्य सूचकांक के आधार पर मानकण्ड़ो में परिवर्तन किया जावे । लाथ ही कई वस्तुओं को मानदण्ड़ो में नहीं दर्शाया गया है अत: उन्हें मानदण्ड़ों में लिया जावे ।
- 4 श्रिम विद्यालय में मनोरंजन हेतु रेडियो अथवा सम्भव हो तो टि॰वी॰ की व्यवस्था होनी चाहिए । ताकि राष्ट्रीय धारा से छात्र जुड सके और विद्यालयों में आकर्षण बना रहे ।
- 5 हित् एक राशितय की जाहाँ।
- विकित्सा हेतु एक कम्पाँउण्डर का पद स्वीकृत किया जावे । जीवन रक्षक दवाईयाँ उपलब्ध हो ।
- 7 १ स्टेशनरी एवं पुस्तकों की राशि में बढ़ोतरी हो ।
- B होत के सामान उपलब्ध करवार जावे।
- ११ विश्वण में मार्ग दर्शन हेतु को विंग कक्षाओं की सुविधाएँ वर्ष भर हो ।

10 ) वर्ष के प्रसुख त्योहार मनाने हेतु घर जाने व आने का किराया दिया जावे।

11 हात्रों के परिवार वालों की आधिक स्थित सुद्ध करना तथा उनमें विकार के पृति चेतना जागृत करना जरूरी है।

## त्तीय परिण्धेद

जनजाति वर्ग दो दो जाने वालो द्वावधाओं एवं उनके गिक्षिक विकास पर अध्यापक वर्ग की अध्यात -

#### प्रसावना :

राजस्थान सरकार ने जनजाति वर्ग के बेहिक विकास
हेतु कई स्विधार पुदान कर रखी हैं। इन स्विधाओं का
वेहिक विकास में कितना योगदान हो रहा हैं। इन दिन्दू
पर अनुसंधानकर्ता ने अध्यापकों को अभिवृत्ति जाव की हैं।
अभिवृत्ति जात करने हेतु अनुसंधाता ने एक अभिवृत्ति मापनी का
निर्माण किया है। अभिवृत्ति मापनी के निर्माण को सम्पूर्ण
पृज्या को पृथम परिच्छेद में द्यंगित किया गया है। अभिवृत्ति भाषनो को एक पृत्ति परिच्छेद एक में संतन्न हैं।

अभिद्वित मापनी में ब्रल 36 अध्ययन विन्हुओं का निर्माण किया गया है। इन 36 अध्ययन विन्हुओं को 8

- अध्ययन देलों में बाँटा गया है ये अध्ययन क्षेत्र इस प्रकार है :-
- । विदालय की दूरी समें विकास ।
- 2% प्रदेश सम्बन्धो नियमों की जानकारी एवं जिल्ला का विकास ।
- 3% आवासीय विदालयों की विभिन्न सुविधार तथा प्रशासनिक अधिकारियों का व्यवहार एवं क्रिसा विकास ।
- 48 जनजाति वर्ग में जनजात गुण प्राप्त अवसर एवं प्राप्त सुविधारें और विश्वा विकास ।
- s} पारिवारिक परिस्थितवर्ष एवं विकास ।
- 5 है सरकारो सुविधाएँ और विश्वा का विकास I
- 78 विकास सम्बो की मात्रा एवं विकास।
- 8) प्रशासनिक व्यवस्थार्थ और विकास ।

इस प्रकार हुल 36 अध्ययन विन्दुओं का विश्वतेषण इस परिष्टेद में किया गया है।

विवत्सेषण हेतु अभिवृत्ति मापनी से प्राप्त दत्ती का उपयोग किया गया हैं। इन दत्ती पर प्रतिशत, मध्यांक निकाला गया है। तथा इन्हीं को एन: ोणीवार विभावन विधा गया है। विभाजन के आधार जा वर्णन प्रथम अध्याय में किया गया है तथा इत कार्य में विशेषत्रों को राय को तिया गया है। तीन श्रेणीयाँ निर्धारित की गई है, उथा; उच्च स्तर हैणो, कामान्य स्तर बेणो एवं निम्न स्तर बेणी अध्ययन दिन्द्रओं के निष्ठकर्ष को इन्हों श्रेणोर्थों से हात किया नवा है। प्रत्येक अध्ययन विन्दू का विश्लेष्ण सारणी बनाकर विया गया है। सारणी विशेषकों को राय के अनुसार बनाई गई हैं । प्रत्येक सारणी में उदयपुर जिले की जाती तहसी ली को,पूर्णांक को, प्राप्तांको, प्रतिशत को, मध्यांक को एतं नेणीयों में प्राप्ताकों की अध्य-यन किन्दुओं का विश्लेषण इस प्रकार हैं :-

# । विवालय की दूरी एवं विक्षा का विकास :

इस अध्ययन क्षेत्र में दो अध्ययन बिन्दू सिम्मितत हैं। एक में विद्यालय की गाँव से अधिकतम दूरों का शिक्षा पर प्रभाव तथा दूसरे में विद्यालय की अधिकतम निकटता का शिक्षा पर प्रभाव को लिया गया है।

अर्क विदालय को गाँव से अधिकाम दूरों एवं विद्या का विकास -

इत अध्ययन किन्दू पर अध्यापकों को आंख्याति को बात करने के निरूप उनते पूछा गया कि क्या "गाँव ते विद्या-तय की दूरों ने जनजाति के छात्रों में पढ़ने के पृति असीव पैदा करते हैं"। इस बिन्दू पर अध्यापकों ने जो राय व्यक्त को हैं उते सारणों संख्या 3:1 में दर्शाया गया है।

## सारणो लंख्या ३:।

गाँवों के विद्यालय की दूरों एवं विश्वा का विद्यास सम्बन्धी प्राप्तांकों का विश्वतेषण

n fhan	पुणिक	grafa	प्रतिवात	HEUT a	elfs.	प्तांको भागन	का श्रेणीय	777
		,				77777	सामान्य स्तर	त्य १तर
Alle and the same since	andra digita massa yantu gilipi d Baran digita massa massa massa massa Baran digita massa massa massa massa		migus populari districa migune Province malasa di	race encodir vilance videbe "Article entigera".			2 • 50 1 • 61	3·21-
र्गरव <b>र</b>	150	10	73.30	3-14		Méter	3-14	<del>=11</del>
ाइरेल	150	106	70 • 6	3 • 53		estis,		3-53
सतुम्बर	150	109	72·6	3-36		**************************************	sop	3 • 35
वेरवाहा	150	90	<b>60 -</b> 00	3-00		***	3-00	desse
कोटइर	150	77	51-30	2 • 56		¶ <b>75</b> \$	2 • 56	dicáz.
Tatyr	150	92	61.30	3-06		<b>45</b>	3.06	بخته
धीरवाव	₹ I 50	110	73 • 30	3-66		Prince	William	3.88

सारणी संख्या ३:२ के अनुसार पंचायत सामांत परियायद, सञ्चाबर, सराझा के अध्यापकों को अध्यायम आंभ्यूनि कृम्पा: ७४,७४, व ७० के प्राप्त हुई कर्दाक सबसे न्यून अभियुत्ति ५१ अर कोटझा के अध्यायकों को प्राप्त हुई।

सारणी देने से यह भी जात होता है कि जोता पंचायत सिर्मात के अध्यापकों के प्राप्तांकों सामान्य ेणो में तथा निरमा, बाहोस, सञ्चम्बर, अस्वाहा, सराहा और धरियायद पंचायत सीर्मात के अध्यापकों को प्राप्तांक उच्य स्तर को लेणों में पाएँ गएँ।

इससे यह निष्कर्भ निकाता है कि सभी पंचायत समितियों के अध्यापकों को राय के अनुसार गाँव से पिकालक को निकटतम दूरो जनजाति के सामर्थे के बीक्क पिकास को पुभावित करती है।

उपरोक्त सारणों के अनुसार पंचायत समिति गिरवा और धोरवावद के अध्यापकों कि अधिकतम अभिद्वृति 73.3% प्राप्त हुई वक्षीक सबसे न्यून अभिद्वृति 51.30% कोटहा पंचायत समिति के अध्यापकों को प्राप्त हुई । सारणों देखने से यह भी बात हुआ कि कोटहा, केरवाहा, और गिरवा पंचायत समिति— या सामान्य केणों में तथा जाहोत, सत्म्बर और धीरववाब पंचायत समितियों उच्च केणों में हैं । इससे यह निक्क्य निक्तता है कि अध्यापकों के अनुसार गाँव से विवासय की दूरो जनजाति के छात्रों के मैंसिक विकास में बाधा उत्पन्न करती हैं ।

ब । गाँव से विवास्य की अधिकतम निकटला एवं विकास का विकास -

उक्त अध्ययन विन्दू पर अध्यापकों की अभिर्यात के प्राप्तांकों को सारणी संख्या 3:2 में दर्शाधा गया है।

### सारणी लंख्या ३:2

गाँवों से विधालय की निजटता सर्व शिक्षा विकास सम्बन्धी प्राप्तांकों का विकास न

तहसील पूर्णांक प्राप्तांक प्रतिकात मध्यांक			प्राप्तांकों का वेणीवार विभाजन				
		•			FIFT TOT	THIE TOTAL	PT T
WEEK GREEK STON VALUE SERVEY SAME SERVEY S	enter district collectic exter dell'en	alda dise seta dina uzu uzu pas uzu i e dina dina uzu uzu uzu uzu e edin (dina zine uzu edin uzu enne u	allich eines allich eines e NECO STRUCT Allich Serverlande allichen eines	amma kalian ilikun diakat yapat yapa Amma kalian ilikun il	1.60	1 · 6 l · · · · · · · · · · · · · · · · ·	3·21 -
<b>ीगरवा</b>	150	116	73 - 3	3.86	phala	TRIDIS	3-86
ाहोत	150	117	78	3.90	POP	70ka	3 • 90
सञ्चर	150	126	84	4 • 20	499br	alladys.	4.20
<b>बेरवा</b> इा	150	107	71-3	3.56	upins.	em-	3·56
कोटहा	150	<b>7</b> 7	51-3	2 • 56	***	2.56	<b></b>
सराइा	150	121	80 • 6	4.03	<del>dep</del>	ėmis.	4.03
र्धारवाव	€ I 50	126	84	4 • 20	, page	<del>dan</del> ;	4 • 20

#### 2 विकास केंद्र

प्रवेश सम्बन्धो नियमी को जानकारी एवं विद्या का विकास -

इस अध्ययन क्षेत्र में निम्न उप विन्हुओं का निम्हण करके विद्योदया क्या है :-

- अह प्रवेश सम्बन्धी न्यूनतम योग्यता स्वं शिक्षा का विकास
- ब । प्रवेश नियम स्वं विकास
- त [ विवासयों की जानकारी एवं विकास
- दः विदात्य सर्व प्रवेश सम्बन्धो सामान्य जानकारो सर्व विकास

प्रवेश सम्बन्धी न्यूनतम योग्यता को सारणी संख्या

3:3 में, प्रवेश नियम सम्बन्धी को 3:4 में, विद्यालयों की

जानकारी को 3:5 में तथा विद्यालय एवं प्रवेश सम्बन्धी सामानय जानकारी को 3:6 सारणी में विश्लेषण हेतु दर्शाया गया

अह प्रवेश तम्बन्धो न्यूनतम धो ग्यता एवं क्सिंग विकास -

उक्त अध्ययन बिन्द्ध को सारणो संख्या 3:3 में दर्शाया गवा है -

4179 figur :3:3

प्रवेश तम्बन्धी न्यूनतम योग्यता एवं शिक्षा विकास

तहसीत	हसोल पूर्णीक प्राप्तांक प्रतिवात म		मध्यां क	प्राप्तां विभाज	को का वे न	णोवार	
					निम् सार	म्हामान्य रुत्तर	17 T
					1 - 60	1·61 3·20	3·21 - 5·00
14 <u>441</u>	150	76	50 · 6	2 • 53	es digita menter entre selve selve delle	2.53	; water state state state; sta
भाइति	150	70	45.6	2.33	<del></del>	2.33	apris.
र ब्रम्ब	150	95	63-3	3.61	4904	3.16	***
धेरवाहा	150	<b>7</b> 0	46.6	2.33	#=	2 · 33	'स्टा <del>र</del> ्ग
कोटहा	150	77	51.3	2.56	<b>~</b>	2.56	wie.
तराहा	150	62	41.3	5.08	**	2.06	<del>#</del> \$
धीरधावद	150	60	40 • 0	1 - 98	<del>ijan</del>	1.78	÷

सारणो संख्या 3:3 के माध्यमिक वक्षाओं में प्रदेश सम्बन्धि न्यूनतम शेक्षिक योग्यता का प्रतिशत इतना अधिक होता है कि जनवाति के धार्त्रों को प्रदेश नहीं मिल पाता है इसके प्राप्तांकों को दर्शाया गया है।

उपरोक्त सारणी के अनुसार पंचायत तीमीत सलुम्बर के अध्यापकों की अभिकृति 63.3% प्राप्त हुई जबकि सबसे न्यून अभिकृति 40.0% धीरयावद पंचायत समिति के अध्या-पको की प्राप्त हुई ।

प्राप्तां को आद्यात सारणी देखने से यह भी जात होता है कि सभी वयनित पंचायत सीमीत के अध्यापकों के प्राप्तां को सामान्य क्षेत्र में पाया है।

इतते निष्कर्ध निकाता है कि तभी पंचायत समिति के अध्यापकों की राय के अनुसार माध्यामक वक्षाओं में प्रवेश सम्बन्धी न्यूनतम बेह्निक योग्यता का प्रतिशत इतना अधिक होता है कि जनजाति के छात्र प्रवेश नहीं से सकते हैं।

### प्रेचा नियम एवं विश्वा विकास -

इस अध्ययन विनद्ध के प्राप्तांकी की सारणी संख्या 3:4 में दशाया गया है।

प्रवेश के 'नयमों को जानवारी एवं शिक्षा 'विकास

सारणी संख्या ३:५

तहसी त	पूर्णिक	grenia	क प्रतिशत मध्यांक		प्राप्तां विभाग	को का ोणं न	ोवा र
					निम्न स्तर	WITH THE	PE
					0 -	1: <u>61</u> -	3·21 5·00
Tayar	150	94	62.6	3.13	Aggin	el·13	ija-ii
वाहोल		62	41.3	2·06	g-pa	5.08	<b>gia</b> nich
संवुम्बर	150	54	36	1 • 80	(40)	• E()	柳油
वेखाइा	150	54	36	1.88	****	1 - 80	<del>- 20</del> 1
कोटज्ञा	150	72	48	2.40	9990	2.40	10231
सराकृ	150	45	30	1.05	1-85	<b>Mana</b>	4000
धीरवाबद	1 50	54	36	1 • 80	i <del>nan</del>	1.80	-

तारणो संख्या 3:4 में विदालय में प्रदेश सम्बन्धी नियम को कठोरता के कारण छात्र प्रदेश ते वंचित रहते हैं इसके प्राप्तांकों को दशाधा गया है।

उपरोक्त सारणों के अनुसार पंचायत समित जिरवा के अध्यापकों की अधिक अभिनृति 62.6 प्राप्त हुई हैं जबकि सबसे न्यून अभिनृति 30% सराहा पंचायत समिति से प्राप्त हुई हैं।

अत: प्राप्तांकों की आवृति सारणी देखने से बात होता है कि सराहा पंचायत समिति के अध्यापकों के प्रक्रात प्राप्तांक निम्न स्तर में तथा अन्य वयनित पंचायत समिति में प्राप्तांक सामान्य केणी में प्राप्त हुएँ।

इतसे निष्वर्ध निकाता है कि सभी पंचायत समिति के अध्यापकों की राय के अनुसार विद्यालय में प्रदेश तम्बन्धी नियम इतने कठीर हैं कि जनजाति छात्र प्रदेश से वंचित रह जाते हैं।

तः विधालयों को जानकारी स्वं विकास -उत्त अध्ययन किन्दू को संख्या सारणी उ:5 में दर्शाधा गया है।

## e.e ida futh

विवालय प्रवेश की जानकारी एवं विकास का विकास

तहसी स	व पूर्णक प्राप्तांक प्रतिकात मध्यांक			प्राप्ताः विभाज	को का शेव न	ोपार	
					TATA TAZ	HIALES 1935	ग्रह्म राज
MATERIAL AND AND STATE OF THE S	ny vinanjski kaoj 2040 d	zak, szgók kigern Migya Vizika kroku Albika Kilkik	gyyer gyffinir gwyn brinni dfairr Glycr ynllyr fyl	op stall have seen a see on or	0 -	1.61 - 3.20	3·21 5·00
गिरवा	130	100	<b>66 ·</b> 6	3.30	ж	****	3.36
शहीत	150	72	40.00	2.40	<del>ya</del> ta-	2-40	dira.
रहम्बर	150	101	67 • 30	3.36	ente.	<del>/=</del> -	3.36
बेरवाइा	150	85	56·6	2.83	**	2.83	Miss
कोटइंग	150	94	62.6	3 · 13	edis.	3-13	Maga.
artst	150	105	70 • 00	3 • 50		days.	3 • 50
थी खाव	<b>i</b> 50	98	65•3	3 • 26	ess.	***	3 · 26

सारणी संख्या 3:5 में जनजा ति के छात्रों को यह जानकारी भी नहीं होती है कि किस विवासय में प्रवेश सिया जाय । के प्राप्तांकों को दशाया गया है ।

उपरोक्त सारणों के अनुसार पंचायत समिति सराहा के अध्यापकों को अधिकतम आंभ्यृति 70# प्राप्त हुई सबसे न्यून अभ्यात 48.00 ाहोत पंचायत समिति के अध्यापकों को प्राप्त हुई ।

इससे निरक्षं निक्तता है कि सभी पंचायत समिति
के अध्यापकों की राय के अनुसार जनजाति के छात्रों को यह
भी जानकारी नहीं होती है कि वे किस विद्यालय में पृवेश
हैं।

दश विद्यालय में प्रवेश तम्बन्धी सामान्य जानकारी रवं विद्या विकास -

उन्त अध्ययन विन्द्व को सारणी 3:6 में दर्शाया गया

## सारणी संख्या उ:6

# विवासय प्रवेश सम्बन्धी जानकारी एवं विकास विवास

तहसीत पूर्णा		प्राप्तांक प्रतिकात		मध्यांक	प्राप्तांको का नेणीवार विभाजन		
				٠	TH XH	ETHTFU FIR	उ <b>ष</b> स्तर
	,				0 - 60	1.61 - 3.20	3·21 5·00
ीगरवा	150	132	68	4•50	u#ca-	u <del>bito</del>	4.50
ाइरेल	150	121	80 <b>•</b> 60	4.03	mbap.	<del>spina</del>	4.03
रब्ध	<b>/ 5</b> ij	120	85 • 3	4-26	Right	<b>eri¤</b>	4.26
<b>बे</b> रवाइा	150	78	65.3	3 • 26	dige.	estis	3 - 26
नोटहा	<b>15</b> 0	94	62.6	3-13	son.	3.13	Nijent
Tatyb	150	114	76.00	3.80	æ	<del>eles</del> .	3-80
र्धा खाव	<b>7 i</b> 50	ās	44.00	2.50	<b>in</b> o	2 • 20	<b>code</b>

सारणो वंडया 3:6 में जनजाति हाओं को प्रदेश सम्बन्धो जानकारी मिलती रहे। इसके प्राप्तांको को दर्शाया गया है।

उपरोक्त सारणों के अनुतार मंगायत शॉमीत निरवा के अध्यापकों को अधिकतम अध्यात 88% प्राप्त हुई वर्षाक रावते न्यून अभ्यात 49% धीरवावद पंचायत सीमीत के अध्यापकों को प्राप्त हुई ।

प्राप्तांकों की आदृति सारणी देखने से यह जात होता है कि कोटहा व धरियावद देशों में तथा गिरवा, जाहोत, सलुम्बर, धेरवाहा, सराहा पंचायत समिति के प्राप्तांक उच्च स्तर की क्षेणों में प्राप्त हुएँ।

इतसे निधका निकलता है कि जनजाति के छात्रों को तमय-तमय पर प्रवेश सम्बन्धो जानकारो मिलली रहे। ताकि वह प्रवेश का लाभ उठा सकें।

## उर्द अध्ययन देह :

आवासीय विवासय, सुविधार पृशासन एवं अध्यापक व्यवहार :-

आवासीय विद्यालय के लाभ के सम्बन्ध में पाँच अध्य-यन बिन्दूओं का निर्माण किया गया है यथा;

- अह आवासीय विदासय सर्वे साम सामान
- व । अवासीय विवासयों के प्रधानाध्यापकों तथा अध्या-पकों का व्यवहार
- सह छात्र समस्यार और विश्वा
- द । धात्रावास एवं सुरक्षा व्यवस्था
- य है हात्रावात एवं भौजन व्यवस्था

उन्त सभी अध्ययन विनद्धीं को अलग-अलग सारणीयों में विवर्तेषण किया गया है।

अहै आवासीय विद्यालय एवं साज सामान :-आवासीय विद्यालयों का लाभ जनजाति को अधिकतम भिले, इस हेतु आवश्यक है कि इनमें आवश्यक साज सामान इनकी

मात्रा तथा किला के आधार पर उपतब्ध हो । इस हेत्व अध्यापकों की अभिवृत्ति के प्राप्तांकों को सारणी संख्या 3:7 में दर्शाया गया हैं -

### सारणो संख्या ३:७

आवासीय विवासय एवं साज सामान तथा विकास विकास

तहती ल	पुणि	greate glassi		गधांक	प्राप्तांको का श्रेणोवार विभाजन		
					FIR	CTHTEU.	जन्म इतर
		and and and and and	nun nuk zus kyn hypskir.	pogy, gafu Alim Ágifa Mhái 11822 mh	• 60 • 60 • 60	I · 6 I 3 · 20	3·21 5·00
र्गरव <b>र</b>	153	124	62-6	4.13	West	-	4.13
भ <b>ाइ</b> ति	150	123	82	4.10	1000	.ees.	4-10
46 TA 7	150	128	85-3	4.26	ittes		4.25
वेखाइा	150	102	<b>6</b> 8	3.40	<b>~</b>	794F	3·40
कोटहा	150	92	61.3	3.06	-	3.06	الشوه
तराहा	150	119	79.3	3.96	<b>816</b>	4	3.96
धीरवावद	1 50	127	84.6	4-23	tro.	wit <del>h</del>	4.23

सारणो तंत्वा 3:7 के अनुसार पंचायत संगित सह-म्बर के अध्यापनों की अधिनतम अभिवृत्ति 85-3% प्राप्त हुई जबकि तबसे न्यून अभिवृत्ति 61-3 कोटड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई 1

प्राप्तांको की अविति सारणी देखने से यह भी ज्ञात होता है कि पंचायत तिमति कोटहा के अध्यापकों का प्राप्-तांक सामान्य केणो में तथा अन्य वयानत पंचायत समिति में प्राप्तांक उच्च स्तर की केणो में प्राप्त हरें।

इसते निकार्थ निवाता है कि सभी पंचायत समितियाँ
के अध्यापकों की राय अनुसार जनवाति के छाओं को आवध-यक सामान पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध यह कराने पर नामां-कन में दृष्टि होगी।

अश्र प्रधानाध्यापको सर्व अध्यापको का व्यवहार और विकास -

सारणी तंख्या ३:७

प्रधानाध्यापक एवं अध्यापकों का व्यवहार एवं विकास

तहसीत	पूर्णाक	grain	प्रतिवत	मध्यांक प्राप्तांको का हेणीवार विभाजन	Α.		
					निम्न स्तर	arara m	TEI WH
ÇQLEÇÎŞÎ ÎNÎN ÎŞÎN WÎNE ÇÎNÎ	enjar basarjadja segar azare	purer ellipsi ellem selves purez kissis ellem s	Mike view kilde samp divide i familie	nigh negh ming man which black cody		1 · 6 l	3·21 5·00
fatat	150	1 10	73-3	3.66	Marig	<del>गैसक</del>	3.66
ाहोत	150	61	40 · 6	2.00	w/sac	2.00	rica.
स्युम्दर	iöll	83	51-3	2.70	ध्यंक्ष	2.70	=
बेरवाज्ञ	150	54	36	1.60	(salend	1.80	sin,
करेटहर	ł 5D	88	58 • 6	2.93	izopća	2.73	Africa.
Tätyb	150	48	32	1.60	-5/H	1.60	un-
र्धारयावद	150	54	J5	<b>1 •</b> 80	daye. in diping statu amiga giniy sayuryi	1 • 80	AMIN Walter World Mary Andry

सारणी संख्या 3:8 में अध्यापकों तथा प्रधानाध्यापकों का व्यवहार उपेक्षित होने ते छात्र विदालयों में नहीं आते हैं। प्राप्तांकों को दर्शाया गया है।

उपरोक्त सारणों के अनुसार पंचायत समिति गिरधा के अध्यापकों की अध्यापकों की अध्यक्तम अभिवृत्ति 73:3% प्राप्त हुई बढ़िक सबसे न्यून अभिवृत्ति 32% सराहा पंचायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई ।

प्राप्तांकों की आद्वीत सारणी से यह भी जात होता है कि जाहोत, सलुम्बर, खेरवाहा, कोटहा, सराहा, धीरयावद के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य केणी में तथा केंगरवा पंचायत समित के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की केणी में प्राप्त हुई।

अत: निष्कर्ष निकलता है कि सभी पंचायत समितियों के अध्यापकों की राय अनुसार कुछ सोमा तक अध्यापकों व पृधा-नाध्यापकों का व्यवहार क्षेत्रिक होने के जन्मित छात्र विद्यालय में नहीं आते हैं।

स । । अ समस्यार एवं विकास -

तारणी बंदवा उ:१

धात्र तमस्यारं एवं विश्वा विकास

गहराम	प्रणांक	grtafa	प्र रितशत	प्रतिशत मध्यांक		को का है। न	गीवार
			,		निम्न स्तर	भागान्य स्तर	व्याप्त जन्म
Collection sizes juice signs sugge cons	ina muse anjué kang déne sa	aas huus saan saad kalen siire dhib ahkii a	nýcho dásty, sprach jazovy jejko děleko se	lik hab dan sam shirlassi siya	0 - 60	1 · 61 3 · 20	3.21 5.00
गिरवा	150	116	77-3	3.86	diyes.	wia	3-86
भारकोल	ı 50	92	61.3	<b>3</b> •06	state	<b>3-</b> 06	<b>≪ta</b> s
त्वुम्ब र	150	95	63.3	3:16	****	3-16	<b>₩</b>
वेरवाहा	I 50	E9	45	2 • 30	-British	2 • 30	Montes
वीटहा	150	92	61.3	3-06	<del>पंच</del>	3-06	: <b>2</b> 000)
सराइा	150	71	47.3	2.36	<del>- Total</del>	2-36	19389
धरियावद	150	<b>7</b> G	52	2.60	<del>thing</del>	2.60	. Angles

सारणी लंडया 3:9 में जनजाति के बालकों के समस्याओं के प्राप्तांकों को दर्शाया गया है।

उपरोक्त तारणों के अनुसार पंचायत समिति गिरवा के अध्यापकों की अधिकतम अभिवृति 77.3% प्राप्त हुई कही के सबसे कम अभिवृति 46% खेरवाहा पंचायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई ।

प्राप्तांकों की आवृत्ति सारणी देजने से बात होता हैं कि बाहोत, सवुम्बर, केरवाहा, कोटहा, सराहा, धरियावद पंचायत सीमीत के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य श्रेणी में तथा जिस्ता पंचायत सीमीत के अध्यापकों का प्राप्तांक उच्च स्तर की श्रेणी में प्राप्त हों।

इसते निरूको निकतता है कि तभी पंचायत समिति के अध्यापको को राय अनुतार बातकों की समस्याओं के पृति ध्यान नहीं दिया जाता है, जितते बातकों में असंतोध रहता है।

### द। छात्रावासों की सरका व्यवस्था -

सारणी संख्या ३:10

तहसील	पूर्णाक	greate	प्रतिशत	मध्यांक	प्राप्तांको का ेणीव विभाजन		ेंणोवार
					निम्न रार	सामान राष	u ju
abletivo divin dori singulatur daga al	nija <del>silani</del> pripi spraja — mina ja	wangan salah salah salah salah salah salah	and sidma highlighter days, down helds o	iking galapa salata danang nibuk sakus diger ha	0 -	1 · 6 l	3.21
रिगरव <b>र</b>	150	110	78 • 3	3.66	, Hear	tentip	3·66
निवास	150	99	56	<b>3 •</b> 30	(Sirth)	400	3 • 30
AGTAY	150	96	64	<b>3 · 2</b> 0	*****	3-20	<del>ijan</del> a.
वेरवाइा	150	85	56-6	2.83	क्षांच	2-83	<del>dağı's</del>
बोटहा	<b>f</b> 50	95	63.3	3-15	4504	3-16	21.
atter	150	90	60	3.00	THE STATE OF THE S	3.00	No.page
थी रया वद	150	83	56.6	2.83	Mane	2.83	feetre

तारणी संख्या 3:10 में जनजाति छात्रों के छात्रावासों में छात्र/छात्राओं की सुरक्षा के अभाव के कारण छात्रों में यदने में कांच नहीं रहतो हैं। प्राप्तांकों को दर्शाया गया हैं।

उपरोक्त सारणी अनुसार पंचायत समिति निरवा के अध्यापकों की अध्यक्तम अभिवृत्ति 73.3% प्राप्त हुई वर्षाक सबसे कम अभिवृत्ति 56.6 व 56.6 खेरवाहा व धीरवावद पंचा-यत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई ।

प्राप्तांकों की आधृति सारणों देखने से हात होता है कि सलुम्बर, खेरवाड़ा, कोटड़ा, सराड़ा, धोरवाबद पंचायत सामिति के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य केणों में तथा विगरवा व नाड़ोल पंचायत सामिति के अध्यापकों का प्राप्तांक उच्च रतर की केणों में प्राप्त हरें।

इसते निरुक्ष निकतता है कि तभी पंचायत समिति के अध्यापकों की राय अनुतार जनजाति के छात्रावासों में छात्र/ छात्राओं की सुरक्षा अभाव है जिसते छात्र पदने में कृष्चि नहीं हैते हैं।

त १ हात्राचात एवं भोजन व्यवस्था तारणी तंल्या ३:।।

## धात्रावास की भोजन व्यवस्था रवं विकास

तहसीत	quif	कप्राप्त	io giasta i	ाध्य <b>ां</b> क	प्राप्तां विभाग	को का क्रे	गीवार
					निम स्तर	क्षामा न्य स्तर	उच्च स्तर
			was the got first specifies after the specifies	عدي منزور دنيا نيورد شاء. وازخ	0 -	3.20	3·21 5·00
<b>निरवा</b>	150	114	<b>76•</b> 00	3-80	State	Physic	3-80
भाइति	150	98	78-00	3-90	<b>≠i</b> m	limir	3 · 23
7 <b>9</b> 767	150	117	78.00	3 - 90	of the state of th	Stars.	3 • 90
बेरवाहा	I 50	98	<b>55•3</b>	3 • 26	<del>121</del>	- major	3 • 26
नोटहा	150	92	61.3	3-06	<b>a</b> nja.	3.06	diser
artet	<b>i</b> 50	108	72.00	3-60	-	-	3 • 60
धीरवावद	150	115	76 - 60	3.83	<del>dia</del>	Nijes	3-83

तारणी संख्या उ:।। में जनजाति के छात्रों को दिया जाने वाला भोजन व अन्य खाद्य तामग्री घीटवा किस्म का व पर्याप्त नहीं देने के प्राप्तांको को दर्शावा गया है।

उपरोक्त सारणी के अनुसार प्रधायत समित धरिवावद के अध्यापकों की अध्कितम अभिशृति 76.6 पृत्तिवास प्राप्त हुई जबकि सबसे न्यून अध्यापकों की अभिशृति 61.3 पृतिवास कोटड़ा पंचायत के अध्यापकों की प्राप्त हुई 1

प्राप्तांकों की अप्रति सारणी देखने से यह भी जात होता हैं कि कोटड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों का प्राप्तांक सामान्य श्रेणी में वैथा गिरवा, आड़ोल, सब्दम्बर, खेरवाड़ा, सराड़ा व धरियावद पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च श्रेणी में प्राप्त हुईं।

इसते निरुक्षं निक्तता हैं कि तभी पंचायत तिमति के अध्यापकों की राय के अनुसार जनजाति के छात्रों को दिया जाने वाला भोजन व अन्य खाद्य सामग्री घोड्याम्बर किस्म का व वर्यापत नहीं होने से छात्र में असंतोष पाया गया ।

# 4 अध्ययन क्षेत्र :

जनजात वर्ग है जन्म जात गुण, प्राप्त अवसर एवं द्वीवधार और विशा विकास -

जनजाति वर्ग, सामान्य वर्ग से कई दृष्टि से भिन्न
हैं। इनमें सामाजिक, अधिक, मनोवैज्ञानिक और यहाँ तक
ि जननोक विभिन्नताएँ पाई जाति हैं। इस अध्ययन बिन्दू
में इनके जनमजाति गुणों के आधार पर विक्षा विकास की गति,
पाप्त अवसर एवं सुविधाएँ और इनका उपयोग करके विकास
विकास करना आदि पर अध्ययन बिन्दूओं का निर्माण किया
गया है जो इस पुकार हैं -

- अश्व जनजाति वर्ग में जनमजात गुण एवं विकास ।

  बश्व जीवत अवसर एवं सुविधाएँ तथा विकास ।

  सङ्ख्या कामावास में रोजमार सम्बन्धी पृशिक्षण एवं विकास

  विकास
- त्र अपरोक्त तीमों अध्ययन किन्दुओं के लिए अलग-अलग सार्गिक्यों का निर्माण करके विश्लेखण किया गया है।

अह्म जनजाति वर्ग में जन्मजात गृष्ठ एवं विकास विकास अध्यापकों की अभिदृष्ठित के इस बिन्दू से सम्बन्धित
प्राप्तांकों को सारणी संख्या 3:12 में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या ३:12

जन्माति वर्ग में जन्मजात गुण एवं विकास विकास

n fban	तहतील पूर्णक प्राप्तांक		तांक प्रतिकत मध्यां		प्राप्तांको का श्वेणीवार विभाजन		
					निम्न स्तर	DETRIES VIFE	उच्च स्तार
					0 -	1.61	3·21 5·00
<b>निरवा</b>	150	124	92-6	4.13	***	***	4-13
वाहोत	150	78	65.3	3 · 23	distr	<b>mR</b> :	3.55
राष्ट्राम्ब र	1 50	126	84.00	4 • 20	439	SPPR	4 • 20
क्षेरवाहा	150	91	60·6	3.03	-	3.03	***
बोटहा	150	94	<b>62.5</b>	3-13	<del>digit.</del>	3.13	<del>(***</del>
सराकृ	150	1 18	76.6	3.93	ADD DO	epitami	3.93
धीरवावद	·	111	74.00	3.70		400000 september 180000 september 180000 september 1800000 september 1800000 september 1800000 september 1800000	3 • 70

सारणी तंख्या 3:12 के अनुसार पंचायत समिति निरवा के अध्यापकों की अध्यक्तम अभिवृति 92.6 प्रतिशत प्राप्त हुई वह कि सबसे न्यून 60.6 प्रतिशत खेरवाड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई ।

पुष्तांकों की आद्वीत देखों से ज्ञात होता है कि छेर-वाहा व कोटहा पंचायत सामित के अध्यापकों को प्राप्तांक सामान्य केणी में तथा गिरवा, आहोत, सबुम्बर,सराहा, व धीरयावद पंचायत सामित के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्चस्तर केणी में प्राप्त हरें।

उकत प्राप्तांको के यह 'निष्कर्ध निकलता हैं कि सभी मंदायत समिति के अध्यापकों की राय के अनुसार जनजाति के धानों में जनमजात गुण विक्षा के दिकास में किसो सीमा तक बायक तत्व के स्प में विद्यमान हैं।

बर्ध जनजाति वर्ग को उचित अवसर एवं सुविधार तथा विशा विकास -

सारणी संख्या ३:।३

जनजाति दर्भ को उपित अवसर एवं सुविधाएँ तथा विकास -

กะหาก	वुणि	प्राप्तांक	पुरिकात	मध्यांक	प्राप्तां विभाव	को का है।	णीवार
					ीनम्न स्तर	सामान्य स्तर	प्रमाप्त प्रमाप्त
					0 - 0 -	1·61 3·20	3·21 5·00
ीगरव <b>र</b>	150	112	74.6	3.73	F-33-	days.	3-73
बाहोल	150	117	78.6	3.90	***	<del>schipt.</del>	3.90
त्तुम्बर	150	131	87.3	4.36	MANAGE	如止	4.36
avarpr	150	106	70 • 6	3-53	-	abitriri	3.53
नोटहा	150	95	63.3	3-16	early.	3-16	ldes
तराहा	150	103	68.6	3.43	1888	Managent,	3.43
धीरयावद	1 50	110	73.3	3.68	<b>e</b> ire	par	3.66

सारणी संख्या 3:13 उचित अवसर एवं सुविधार मिले तो जनजाति के छात्र अन्य छात्रों में आगे निकल सक्ते हैं। प्राप्तांकों को दर्शाया गया है।

उपरोक्त सारणी के अनुसार पंचायत सिर्मात सबुम्बर के अध्यापकों को अधिकतम अभिवृत्ति 87.3 प्रतिशत प्राप्त हुई जबकि सबसे कम अभिवृत्ति 63.3 प्रतिशत कोट्डा पंचायत सिर्मात के अध्यापकों की प्राप्त हुई ।

प्राप्तांको की आदित सारणी देखे से बात होता है कि कोटड़ा पंचायत स्त्रमित के अध्यापकों के प्राप्तांक समान्य केणी में तथा जिरवा, आहोत, सहुम्बर, केरवाहा, सराहा, धरियावद पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की श्रेणी में प्राप्त हरें।

इससे निक्का निक्ता है कि सभी पंचायत समिति के अध्यापकों की राय अनुसार भी उचित उदसर व सुविधार मिले तो जनजाति के छात्र अन्य छात्रों से आमे निक्त सकते हैं।

स १ हात्राचातों में रोजनार पृत्रिश्चण रखें विश्वा विकास -

सारणी संख्या 3:14

धात्रावासी में रोजगार प्रशिक्षण एवं विकास

तहसोत	वैग्रीक	graits	<b>न</b> ्यमत	मध्यतंक	पुरप्ता <sup>†</sup> विभाज	को वा भे न	णीवार
					FFF Viii	सामान्य स्तर	उच्च स्तर
					0 -	3.20	3 · 2 i 5 · 00
<b>गिरवा</b>	150	122	81.3	4.06	Arten.	***	4.05
ब्राह्रोस	150	128	ES-3	4 • 26	****	ideate	4 - 26
त्वाम्बर	1 50	131	77.3	4·36	. 4600	*** .	4.36
बेखाहा	150	112	74.6	3.73	<b>=</b> 7¢	-	3.73
कोटहर	150	72	61-3	3-03	<del>rest</del>	3.03	glodz
सराज्ञ	150	160	86.6	4.33	****	<del>jane</del>	4.33
धीरया वद	150	141	94	4.93	auto-	ejeno.	4.93

सारणी लंड्या 3:14 में जनजाति के छात्रों को छोटर उद्योगों व परम्परागत उद्योगों का पृश्विद्या दिया जाना वाहिए के प्राप्तांकों को दर्शाया गया है।

उपरोक्त सारणी के अनुसार पंचायत समिति धीरयावद के अध्यापकों की अध्यक्तम अभिद्रीत 94 प्रतिशत प्राप्त हुई जबकि सबसे न्यून शिभ्यति हा-उ प्रतिशत कोटझा पंचायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई।

प्राप्तांकों की आदृति सारणी देखें से बात होता हैं
कि बाइोन सवुम्बर, विरवा, खेरवाड़ा, सराहा, धरियावद
पंचायत कीमीत के अध्यावकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की क्षेणी
में तथा कोटड़ा प्रंचायत समिति के अध्यावकों का प्राप्तांक
सामान्य केषी में प्राप्त हुएँ।

इससे नियक विनिद्याता है कि तभी भंगायत समिति के अध्यापकों की राय अनुसार छात्रावासों में क्वांटर उद्योगों व परम्परागत उद्योगों का पृथिकाम देना वाहिए।

#### 5 है अध्ययन हैन : ========

जनजाति वर्ग की पारिवारिक रिधाति एवं रिक्षा विकास -

इस अध्ययन हेल को 7 भागों में बाँटा गया है।
पुरथेक अध्ययन विन्दू पर अलग-अलग सारणीयों को बनाकर
दरतो का विवलेबण किया गया है। इन विन्दूओं को नीचे
दर्शाया गया है-

अह परिवार की आधिक रिधात एवं विकास

व । पारिवारिक समस्यार एवं विकास

सर् अभिमानको में विसा सम्बन्धी वेतना एवं विसा विकास

दी पारिवारिक उन्नोत एवं दिला विकास

यह परिवार में पढ़ने की ताथा श्वीवधार एवं विकास

रहे परिवार में ब्रोह्म मार्ग दर्शन एवं विकास

अह जनजाति परिवार की आधिक स्थित सर्व विकास -

सारणी तंत्रया ४:15

जनजाति वर्ग के परिचार की आधिक स्थिति स्वं विक्षा विकास -

तहसील	त पूर्णीक प्राप्तांक प्रशिवस			मध्यतंक	प्राप्तांको का श्रेणीवार विभाजन		
					निम्न स्तर	सामान्य स्तर	उच्च स्तर
		anna dina anna die 1847 est design	alo bir wai sin 20see'ai	com many high hosping garage hims of some	0 - GO	1 · 6 l 3 · 20	3·21 5·00
<b>विश्वा</b>	150	120	86 - 86	4-00	No.	atrifik	4.00
बाड़ोत	150	118	76-6	3.73	,24 <b>0</b> )	ens-	3.93
त्रवार ।	150	121	80-6	4.03	***	<b>-</b> 507	4.03
वेखाइा	1 50	03	55.3	2.76	***	2•76	****
वोटहा	1 50	95	63-3	al • E	e Marie	3-16	<del>****</del> *
artet	150	107	71.3	3.86	Nyuse	~	<b>3.</b> 56
धीरधावद	150	108	72.00	3.60	effica.	40mg	3 • 60

तारणी संख्या 3:15 में जनजात के छात्रों के परिवार की आर्थिक रिथित के ह्यारने की सरकार जब सक व्यवस्था नहीं करेगी तब तक में छात्र विद्यालय में नहीं आधेमें के प्राप्तांकों की दर्शाया गया है।

उपरोक्त सारणों के अनुसार प्रवायत समित सहम्बर के अध्यापकों की अध्यक्तम अभिन्धित ४०-६ प्रतिशत प्राप्त हुई जबकि सबसे कम अभिन्नित ५५-३ प्रतिशत केरवाहा पंचायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई !

प्राप्तांको की अपूर्णि सारणी देखने से बात होता हैं कि खेरवाड़ा, कोटड़ा, पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य श्रेणी में तथा गिरवा, हाड़ोज, तबुम्बर, सराहा, धीरवाबद पंचायत समिति के अध्यापकों का प्राप्तांक उच्य रत्तर की श्रेणी में प्राप्त हुई।

इसते निष्का निकाता है कि सभी पंचायत समिति के अध्यापकों की राय अनुसार जनवाति के आश्रों के परिवार की आ विक रिथात सुधारने पर ही यह अध्या है विद्यालय अपने ।

ब । पारिवारिक समस्यार एवं विका विकास -

## सारणी संस्था ३:16

जननाति की पारिवारिक समस्यारे एवं विकास

तहसीत	तहसील युणांक प्राप्तांक प्र		प्रतिकत मध्यांक		प्राप्तांको का ेणोवार विभाजन		
					निम्न सार	सामान्य स्तर	उच्च स्तर
				andria algory legger algan. Nov. produc 1984	0 -	3.50 3.61	3·21 5·00
रिगरवा	_150	120	B0 • 0	4.0	with.	***	4.00
बाह्रोस	150	107	71-3	3 • 56	ating	~	3 • 56
भवाद्	150	121	80·6	4-03	print	<del>tgar</del>	4.03
क्षेरवाझा	f 50	91)	E0 • 0	3.00	Мун	<b>&amp;</b>	3-00
नोटहा	150	95	63.3	3 · ! 5	gignom	3-16	~
सराहा	150	102	68·0	3-40	<del>-</del>	utuk.	3.40
धीरयाव	Ç 150	108	72.0	3-60	wite	-	3 • 60

तारणी संख्या 3:18 में यरिवारिक समस्याओं का निवान होने पर ही विद्यालय में पढ़ाई कर संक्षें के प्राप्तां को को दर्शाधा गया है।

उपरोक्त सारणी के अनुसार पंचायत सीमित सहुम्बर के अध्यापकों की अध्यक्षण आंभवृति 80.5 प्राप्त हुई जबकि सबसे कम आंभवृति 60 प्रतिशत जेरदाहा पंचायत सीमित के अध्यापकों की प्राप्त हुई । प्राप्तांको की आवृति सारणी देखने से जात होता है कि जेरवाहा व कोटड़ा पंचायत सीमित के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य भेणी में तथा गिरवा, आड़ोल सहम्बर, सराहा, धीरणावद के अध्यापकों का प्राप्तांक उच्च स्तर की श्रेणी में प्राप्त हुई ।

इसते निष्कर्ध निष्कता है कि सभी पंचायत रामिति के अध्यापकों की राय अव्तार जनजाति छात्रों के परिवा-रिक समस्याओं का निदान होने पर ही विद्यालय में पढ़ाई कर सवेशें।

सह अभिमायकों में भिक्षा सम्बन्धी वेतना एवं भिक्षा विकास-सारणी संख्या 3:17

शिक्षा सम्बन्धी येतना एवं शिक्षा विकास

तहसीत	त पूर्णांक प्राप्तांक प्रीत		gtana	ित्रत मध्यतं क		प्राप्तांको का श्रेणीवार विभाजन		
					नियन स्रार	शामान्य स्तर	उच्य स्तर	
					0.50	1.61 3.20	3 · 2   5 · 0 0	
ीगरवा	150	134	86·6	4 • 56	-	Men	4 • 56	
शहोत	150	112	74.5	3-73	***		3.73	
सवुम्ब र	150	133	86.6	4.53	*	APPR	4.53	
बेरवाहा	1 50	101	67-3	3.36	igoto.	-	3 • 36	
कोटहा	150	95	63-3	3.16	7870	3 · 16	<del></del>	
तराहा	1 59	132	88.0	4 • 50	***	diplom	4.50	
थी <b>र</b> या वद	1 50	138	92.0	4.83	****	-	4.83	

सारणो संख्या 3:17 में जनजाति छात्रों के माता-पिता को विक्षा के महत्व से जब तक अववत नहीं करावा जावेगा तक तक वे बच्चों को पहने नहीं भेजेंगे। के प्राप्तांकों को दर्शाया गथा है।

उपरोक्त सारणों के अतुशार बंबायत समिति श्रीरयायद के अध्यापकों की अधिकतम आंखद्वीत 92 प्रतिकात प्राप्त हुई जबकि सबसे कम अभिद्यति 63-3 प्रतिकात केरवाहा कोटड़ा बंबायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई ।

प्राप्तांको की आवृति तारणी देखने से ज्ञात होता है कि कोटड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों का प्राप्तांक सामान्य श्रेणी में तथा निर्धा, आहोत, सहम्बर, खेरवाहा, सराहा, धरियावद पंचायत समिति के अध्यापकों का प्राप्तांक उच्च स्तर की श्रेणी में प्राप्त हमें।

इसले निक्का निकारा है कि सभी पंचायत तोमति के अध्यापकों की राय अनुसार जनजाति छात्रों के माता-पिता को विक्षा के महत्व को बताना आवश्यक हैं तभी नामांका में वृद्धि हो सकती हैं।

### दश्च पारिवारिक उन्नीत सर्वे विश्वा पिकास -

# सारणी संख्या ३:16

पारिवारिक उन्नति एवं शिक्षा विकास

nfhan	वुणांक	Macilla Printer	FTAM	गध्यांक	प्राप्ता विभाग	को का श्रेण न	ीवार
					FILL	तामान्य स्तर	उ <b>ट्य</b> स्तर
					0 -	1 · 6 l 3 · 20	3·21 5·00
<b>ीगरवा</b>	150	To the	E4· (	4 • 20	網本	Prioris.	<b>4 · 20</b>
शहोत	150	155	81.3	4.06	9400 <sub>1</sub>	-	4.06
स्तुम्ब र	150	125	83.3	4.16	<del>英</del> ·梅·	•	4.16
वेखाइा	150	99	66.1	3 • 30	alpen.	wiege	3-30
कोटहा	150	99	65-8	3.13	<del>- 110</del>	3-13	<del>pipe</del> .
Tates	150	131	87.3	4.43	quicht.	सन्त	4.43
धीरवा पद	150	115	76.6	3-83			3.83

सारणी संख्या 3:18 में जनजाति के छात्रों की आधिक रिस्थात स्थारने हेतु अधिक ते अधिक साधन जुटाना चाहिए के प्राप्तांकों को दर्शाया गया है।

उपरोक्त तारणों के अनुसार पंचायत समिति सराहा के अध्यापकों की अधिकतम अभिवृत्ति 87.3 पृत्तिकत पृत्ति हुई जबकि सबसे कम अभिवृत्ति 62.6 पृत्तिकत कोट्डा पंचायत समिति के अध्यापकों को पृत्ति हुई । पृत्तिकों की आदृति सारणी देखने ते जात होता है कि कोट्डा पंचायत समिति के अध्या-पको का पृत्तिक सामान्य श्रेणों में तथा भिरवा, जाड़ोत, सबुम्बर, छेरवाड़ा, सराहा, धरियावद बंचायत समिति के अध्यापकों का पृत्तिकं उच्च स्तर की श्रेणों में पृत्ति हुई ।

्सते निष्ठार्थ निकलता है कि सभी पंचायत समिति के अध्यापकों की राय अनुसार जनजाति के छात्रों की आर्थिक रिधात सुधारने हेतु आंधक से अधिक साधन जुटाना आवश्यक हैं।

यो परिवार में पढ़ने की साध्न सुविधार एवं विद्धा विकास -सारणी संख्या 3:19

परिवार में पहने की साध्य बुविधाई एवं विकास

तहसीत	gufa	yrunia	क प्रतिवस्त भव्यांक		प्राप्तां विभाव	को का श्रेर न	गीवार
					म्बर्ग इस्त	सामान्य रतः	<b>ग</b> च्य स्त्र
wippenjakkon lääkki käpen-allians ajaka JPVs-s	inggan kapatayi i pyrak takkaya dar <sub>i</sub> na da	ong their shawn digital tight shake in single by	are made when hyperspace space with space	Mag, alleh Mag, aller , anger o	0 - 1 · 60	1 · 6 l 3 · 20	3·21 5·00
विगरवा -	150	124	82	4-13	***	des	4.13
शक्रीत	<b>1 5</b> Ŭ	108	72.	3 • 60	desta	equar	3.60
स्तुम्बर	150	124	82.8	4-13	<del>vinija</del>	Many	4.13
<b>बेरवा</b> इा	150	91	\$0·6	3.03	Silvin	3-03	min.
कोटहा	Lil	93	65.0	3-10	P <sup>O</sup>	3-10	(finit).
सराहा	150	95	63 · 3	3 · 16	anjus	3.16	****
थरियाचद	150	113	75.3	3.76	218	<del>***</del> *	3.76

सारणो संख्या 3:19 में जनजाति के बालको को धर पर पहने की होवधार उसलब्ध कराई जानी चाहिए के प्राप्तांको को दर्शाया गया है।

उपरोक्त सारणी के अनुसार मंचायत सांगति सल्म्बर के अध्यापकों की आंधकतम अभिद्वति 82-6 प्राप्त हुई व्हिक सबसे न्यून अभिद्वति 60-6 प्रतिशत केरवाहा पंचायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई।

प्राप्तां को आतृति सारणी देखने से बात होता है कि छेरवाड़ा, कोटड़ा, सराड़ा बंदायत तीमित के अध्या-पको के प्राप्तांक सामान्य क्षेणी में तथा निरवा, बाड़ोत, सलुम्बर, धीरयादद बंदायत सीमीत के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की केणी में प्राप्त हुई।

इससे निष्कियं निक्तता है कि अधिकतम प्रंचायत समिति के अध्यापकों की राय अनुसार यदि जनजाति के बालको को घर पर पदने की स्विधार उपलस्य कराई जाये तो बालको का वैश्विक विकास अधिक हो सकता है।

र । परिवार है शैक्षिक सुविधाई ४वं विकास -

सारणी संख्या हा है।

परिवार सुविधाई रसं विकास

तहसीत	पुणि	प्राप्तांक प्रतिशत मध्यांक			प्राप्तां विभाज	जीव <b>ा</b> र	
					ीनेकन एत र	सामान्य	<b>उट्य</b> स्तर
			produktiva politika silpana	Appar Bellen Albeit Willer VII wi	0 - 6C	1.61	3·21 5·00
गिरवा	150	135	90 - 6	4.73	Maryla.	in.	4.73
ाडोत	150	111	74.0	3 • 70	****	Street.	3.70
१ वस्य र	150	123	80.3	4·26	<del>ato</del>	deplace	4.25
बेरवाहा	150	Un	71.5	3 • 53	<del>770</del>	Mps	3-53
कोटहा	150	95	63.3	3.16	WF"	3-16	line
attet	150	111	74.0	3.70	<u> jiron</u>	.242	3.70
धीरयावद	läű	1 (9	79.3	3.96	alia	gas.	3.76

सारणी संख्या 3:20 में जनजाति छात्रों के घर पर पढ़ने की सुविधार न होने से इनका श्रीक्षक विकास नहीं हो पारहा है। प्राप्तांको को दर्शाया गया है।

उपरोक्त सारणी के अनुसार पंचायत समिति गिरवा के अध्यापकों की अधिकतम अभिद्वति १००६ प्राप्त हुई नविक सबसे न्यून अभिद्वति ६३०३ कोटहा पंचायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई ।

प्राप्तांको की आद्ञीत तारणी देखने से ज्ञात होता है कि कोट्डा पंचायत तिमित के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य श्रेणी में तथा भिरवा, जाड़ोत, सबुम्बर, तराड़ा, धीरयावद, पंचायत सीमित के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की श्रेणी में प्राप्त हरें।

इससे निष्ठकी निकतता है कि तभी पंचायत समिति के अध्यापकों अनुसार यदि जनजाति छात्रों के घर पर पढ़ने की सुविधाएँ न होने में इनका शिक्षक विकास नहीं हो पा रहा है।

ल । शैक्षिक मार्ग दर्शन एवं विद्या विकास -

### सारणी संख्या उ:21

तहसील	तिल पूर्णाक प्राप्तांक प्र		प्रतिवस	मध्याःक	प्राप्तांको का श्णीवार विभाजन		
					निम्न स्तर	तामान्य स्तर	उट्य स्त्र
annung page skir likke liker kille	gapy, thirth great lipins. John	gange cision - coppus gazine 1888a 1880 - Siche	affraci nghing talasi nagina kinipa disinja	ngané mania 1660 Mahin 1803ai Angel 1805	0 -	3.20	3-21 5-00
गिरवा	150	124	82	4.13	gitan		4.13
ाइोत	150	111	74	3.70	HARRIA	faço	3-70
ततुम्ब र	150	134	90	4.56	100 day	with	4.56
वेखाइा	150	101	77 - 3	3-36	<del>                                      </del>	401	3 • 36
नोटझा	<b>15</b> U	95	63 • 3	3-16	giang.	3-16	-
सराहा	150	113	75.3	3.76	grès.	tecitió <sup>s</sup>	3.76
धीरयाच	7 150	128	85.3	4.26	**4		4.26

तारणी संख्या 3:2। में जनजाति छाटों को बैधिक मार्ग दर्शन न मिलने से उनका बैधिक विकास नहीं हो रहा है। प्राप्तांकों को दर्शाया गया है।

उपरोक्त सारणी के अनुसार संचायत समिति सहुम्बर के अध्यापकों की अधिकतम अभिवृति १० प्रतिवात प्राप्त हुई जबकि सबसे कम अभिवृति 63.3 कोटड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई ।

प्राप्तांको की आहिति सारणी देकों से बात होता है कि कोटहा पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक सामा-न्य श्रेणी में तथा गिरवा, आहोत, सहम्बर, खेरवाहा, सराहा व धीरयावद पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की श्रेणी में प्राप्त हुईं।

इतसे निष्कर्ध निकलता है कि सभी संचायत सिमित के अध्यापकों की राय अनुसार यदि जनजाति छात्रों को उचित है। हो सिक मार्ग दर्शन मिले तो उनका शेरिस्क विकास हो सकता है।

#### 

सरकारी सुविधाई और वेक्कि विकास -

सरकारी सुविधार की जानकारी, छात्रद्वित के प्रकार एमं मात्रा, छात्रावास भोजन, छात्रावास की विध्यन सुविधार पाद्य सहगामी प्रवृत्तियाँ, विद्यालय तमय, स्वरोजगार विद्या का पाद्यक्रम, सांस्कृतिक एमं साहित्यक प्रवृत्तियाँ, और विकित्सा सुविधार आदि सभी को सरकारी सुविधाओं की भेणी में लिया गया है। इन्हें १ अध्ययन विन्द्रशें में बाँटा गया है जो इस प्रकार है:-

- अर्र श्वीवधाओं की जानकारी एवं विकास
- ब । छात्रदृति एमं विकास
- स । छात्रावाली का भोजन एवं विकास विकास
- द । धात्रावासों की विभिन्न आवश्यक सुविधारें एवं रिक्सा विकास
- यश छात्रावासों में पाठ्य सहगामी पृत्रीतयाँ एवं शिक्षा विकास
- क्षा विद्यालय समय एवं विकास

M &	विवालय अवकाश समय एवं विकास				
a∦	विवालयों में स्वरोजगार विकास एवं विकास				
	विवालयों में लांस्कृतिक एवं साहित्यक प्रवृतियाँ				
	एवं किया विकास				
सङ्ख	छात्रावासों में विकित्सा सुविधा और विकास				
3 %	सुविधाओं की जानकारो एवं विकास				
तारणी संख्या 3:22 =-=-=-=					

सरकारी सुधिधाओं को जानकारो एमं शैक्षिक विकास

तहसील	पूर्णक प्राप्तांक	प्रतिशत मध्यांक		प्राप्तांको का श्रेणोवार विभाजन			
		;		1	निम्न स्तर	तामान्य स्तर	उ <b>ट</b> व स्तर
kanan dilipir akron pikat pikat 1980 tajak	profession was intelligented to	herdik salatan asalat spension denye sajah spinya denye	nigata ngapak pagpak biniay egyana nababar s	nggan, abapat hiyasa albasa kilaba sababa bah	0 - 60	1 • 6 l 3 • 20	3·21 5·00
गिरवा	150	126	84-0	4 • 20	*****	<b>W</b> ÖR	4 • 20
भाइोस	150	96	64.0	3-20	e-pay	3 <b>· 2</b> 0	William
संसुम्ब र	150	115	74.5	3-73	ention	WAG .	3.73
वेरवाइा	150	99	60 • 8	3 • 30	Weetgo	vinde	3.30
नेटहा	1 50	91	60 • 6	3-03	Alle	3.03	<del>jag.</del>
तराहा	150	97	64.6	3-23	vátopa	dor	3.23
धीरवावद	150		73 - 3	3.86	Aging	Negati-	3.66

सारणी संख्या 3:22 में जनजाति के छात्रों को सरकारी सुविधाओं की जानकारी के सम्बन्ध में प्राप्त दत्तों को दर्शाया गया है।

उनत सारणी के अनुसार पंचायत समिति जिल्हा के अध्यापकों की अधिकतम अभिवृत्ति ६४ प्रतिकत प्राप्त हुई नहीं के सबसे न्यून अभिवृत्ति ६० ६ प्रतिकत कोटहा पंचायत समिति के अध्यापकों को प्राप्त हुई ।

प्राचाकों की अप्राचित से ज्ञात होता है कि कोटड़ा पंचायत लिमीत के अध्यापकों के प्राप्ताक सामान्य लेगों में तथा गिरवा, लाड़ोल, सक्षम्बर, खेरवाड़ा, सराड़ा, व धीर-यावद पंचायत सिमीत के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर कि भेगों में प्राप्त हरें। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि सभी पंचायत सिमीतयों के अध्यापकों की राय में जनजाति के छात्रों के बेशिक विकास न होने का एक कारण इन्हें सरकारों सुवि-थाओं की जानकारी नहीं होना है।

#### ब । हात्रपृति एवं ग्रेक्षिण विकास

तारणी संख्या 3:23

तहसील	पूर्णांक प्राप्तांव		*		प्राप्तांको का श्रेणीवार विभागन		
					निम्न स्तर	सामान्य स्तर	उट्य स्तर
شورين محقوم شايع « الأنتاب مواقع الموادين والأنتاب الموادين والموادين الموادين الموادين الموادين الموادين المو	Que pilolo digino idallo d <b>if</b> ico.	ngipa apinah manish gazara dilikh majaca pisikal k	acija: (oligad 4000)— Giovan inițion rabilită	nghin hijima wakan pisha kalifi dhinis	0 - 60	1.61	3.21
गिरवा	150	118	78 • 6	3-93	water	mp	3-93
ाइोस	150	93	<b>65•</b> 0	3-10	30d <b>0</b> k	3-10	- <del>pro-</del>
संग्रुम्ब र	150	93	62·0	3 - 10	- electric	<b>3.</b> 10	<b>**</b>
वेखाड़ा	150	_106	70.6	3 - 53	<b>ijgensa</b> f	- Miller	3 - 53
नोटडा	<b>i 5</b> 0	84	56.0	2.80	, and	2.80	***
तराइा	1 50	104	69.3	3-46		-	3.46
धीरयावद	1 <b>5</b> ü	111	74-0	3.70	atte		3.70

सारणी तंख्या 3:23 में सरकार द्वारा दी जाने वाली धात्रवृति इतनी कम है कि पढ़ाई का कर्ष पूरा नहीं होता हैं। के प्राप्तांकों को दर्शाया गया है।

उपरोक्त तारणी के अनुसार पंचायत समिति गिरवा के अ अध्यापकों की अध्यक्तम अभिवृत्ति 78.6 प्रांतवात प्राप्त हुई जबकि सबसे कम अभिवृत्ति 56 प्रांतवात कोटहा पंचायत समिति के अध-यापको की प्राप्त हुई।

प्राप्तांको को आदित सारणो देखने से द्वात होता हैं
कि आइतेल, सबुम्बर, कोट्ड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों के
प्राप्तांक सामान्य नेणी में तथा निरवा, खेरवाड़ा, सराड़ा,
धीरवावद मंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर
की नेणी में प्राप्त हुएँ।

इतसे निष्कर्ष निकलता है कि सभी पंचायत समिति के अध्यापकों की राय अनुसार यदि सरकार द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति कम है जिससे पढ़ाई का खर्ष पुरा नहीं होता है।

स । छात्रावासों का भोजन एवं विकास -

तारणी तंहवा 3:24

छात्रावासरें का भोजन एवं शिक्षा विकास

तहसीत	quifa	grenia	प्र रिताशत	मध्यांक	प्राप्तांको का लेणीवार विभाजन		तिवार -
					निम्न सार	सामान्य स्तर	<b>छ च्य</b> स्तर
		north Mars states (Mars states Tanks 1986)		iyan nakê didir. Diya mir ûrdî diya	0 - 1 • 60	1.61 3.20	3.21 5.00
गिरधा	<b>I</b> 50	112	74.6	3.73	योग्य	2944	3.73
बाहोत	150	89	59.3	2.95	diamp	2.96	<b>李</b> 相
र ब्रम्ब र	150	117	<b>7</b> 8•0	3.90	ring.	antiny	3.70
क्षेरवाइा	<b>i 5</b> 0	81	54-0	2.70	apanda	2.70	~
कोटइर	150	88	58•6	2.73	MATELIAN I	2-93	Subsi
atigi	150	87	59.3	2.96		2-96	*·jos
धीरयाचद	150	106	70 • 6	3 - 53	elup.	Almany	3 • 53

सारणी लंखवा 3:24 में धात्रावासों में भोजन घटियाँ हैं। के प्राप्तांकों को दर्शाया गया हैं।

उपरोक्त सारणी के अनुसार पंचायत समिति गिरवा के अध्यापकों की अध्यक्तम अभिद्यति 74.6 प्रतिशत प्राप्त हुई जबकि सबसे न्यून अभिद्यति 54 प्रतिशत खेरवाड़ा पंचायत समिति के अध्या-पको की प्राप्त हुई ।

प्राप्तांकों की आधात सारणी देखने से जात होता है कि खेरवाड़ा, जाड़ोल, कोटड़ा, सराड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य श्रेणी, में तथा गिरवा, सकुम्बर धरियावद पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की श्रेणी में प्राप्त हुएँ।

इससे निष्का निकाता है कि अधिकतर पंचायत समिति के अध्यापकों की राय अनुसार जनजाति के छात्रायासों में भोजन धीटया किस्म का है।

दर्श छात्रावासों की विभिन्न आवश्यक सुविधार एवं भिक्षा विकास

सारणी संख्या ३:25

तहलील	दूण(क	प्राप्तानंब	प्रतिशत	मध्यांक	प्राप्तांको का श्रेणीवाः विभाजन		गोवार
					निम स्तर	सामान्य स्तर	<b>ह</b> त्य स्तर
				and the same are the same are	0 -	1 · 6 l 3 · 20	3·21 5·00
fatar.	150	122	81.3	4.06	<b>ĕX</b> €6	करा	4.06
शहोल	150	101	67 • 3	3-36	<del>lia-</del>	ener	3.36
<b>HOT</b> UT	150	121	80.6	4.03	tons	-	4.03
बेरपाइा	150	76	64.0	3 • 20	****	3 • 20	atiga
कोटहा	150	94	62.6	3-13	-	3-13	goignise
तराहा	150	106	70 - 6	3 • 53	***	digitals.	3.53
धरियावद	1 50	116	77.3	3-86	-	<del>tur</del> -	3.86

सारणी बंख्या 3:25 में छात्राचातों में जब तक प्रकाश, पानी, तथा पवके कमरों की व्यवस्था नहीं होगी, इनका शैक्षिक विकास सम्भव नहीं हैं के प्राप्तांकों को दर्शाया गया है।

उपरोक्त सारणी के अनुसार पंचायत समिति गिरवा के अध्यापकों की अध्यापकों की अध्यापकों के अध्यापकों की न्यून अभिष्ठति 62.6 कोटड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई ।

प्राप्तांकों की आद्वीत सारणी देखने से ज्ञात होता हैं कि खेरवाहा, कोटड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य केणी में तथा गिरवा, ज्ञाहोत, सबुम्बर, सराहा व धरियावद पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की केणी में प्राप्त हमें।

इतके निष्कर्ष स्प में तभी पंचायत समिति के अध्यापकों की राय अनुसार जनजातिके छात्रों के छात्रावासों में जब तक प्रकाश, पानी तथा पक्के कमरों को व्यवस्था नहीं होगी तब तक इनका वैश्विक विकास नहीं होगा ।

### य। पाद्य सहगामी पृष्टीतयाँ एवं विशा विकास

## सारणी संख्या 3:26

# पाय्य सहगामी पृष्टीतयाँ एवं विकास विकास

तहसी ल	पुणिक	प्राप्तांक	प्रतिशत	मध्यारंक	प्राप्तांको का क्षेणीवार विशादन		
					FIFT	717	उट्टा रत्तर
Ngara Mind diliku 1804, bhat kibru nakas a	home dysawi Yiridd whoses supray s	njery n <sup>ag</sup> ala bajan, 19545 wanan adman <u>1</u> 8866, <u>1</u> 8	gill (fligh ellige achie) anni, Appresi	tion store stage at the stage and a	0 -	1 · 6 l 3 · 20	3·21 5·00
विरवा	150	118	78.6	3-93	<b>*</b>	<b>(48)</b>	3.93
भाइति	150	99	66·1)	3 • 30	nd <del>) (P.</del>	******	3 - 30
राष्ट्रम	<b>1 5</b> 0	120	80.0	4.0	400	x <del>irti</del> .	4.0
केखाहा	150	B9	59.3	2.96	****	2.96	Sing
नोदग	150	89	59 - 3	2.75	<b>Spine</b>	2.96	Tenè
HYTET	150	106	70·6	3.53	distrat	, Polit	3 - 53
धीरयादद	150	102	68.0	3.40	Finds	**	3-40

सारणी संख्या 3:26 में जनजाति के छात्रों की खेलकूद की व्यवस्था इतनी अस्तव्यस्थ है कि ये छात्रावासों से बढ जाते हैं, के प्राप्तांकों को दर्शाया गया है।

उपरोक्त सारणी के अनुसार पंचायत समिति सक्षम्बर के अध्यापकों की अधिकतम अभिन्ति 80 प्रतिशत प्राप्त हुई हैं। जबकि न्यून अभिन्ति 59.3 प्रतिशत खेरवाहा, कोटहा पंचायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई हैं।

प्राप्तांको की आदृति सारणी देखने ते ज्ञात होता है कि खेरवाहा व कोटहा पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य प्रेणी में तथा गिरवा, बाहोत, सत्वम्बर, सराहा व धीरयावद पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की लेणी में प्राप्त हुएं।

इससे निष्कर्ष निष्कता है कि सभी पंपायत समिति के अध्यापको की राय अनुसार जनजाति के सामों के लिए केल्कूद की व्यवस्था अस्तव्यस्थ है। जिससे छात्र हब जाते हैं।

## रहे विज्ञालय समय सर्वे डिस्ना विकास -

सारणी संत्या ३:27

विवालय समय एवं विकास विकास

तहसीत	grfa	grenia	पु रितंबत	acujā	प्राप्तांको का है। विभाजन		णीवार
					नेनम्न स्तर	THE TOTAL	उच्य स्तर
alles allo edit him dev ver men	affaire ellers imples which before	diges designs compa somme nobles when belowed	adde files som free illsomheide	kinga palayo depanja dapan sakasal akhilik, sebali	The state of the s	J·61 3·20	3·21 5·00
<b>चिश्व</b> ा	150	108	72.6	<b>3 •</b> 60	ption	ART	3 • BO
ाडोल	150	95	63-3	3-13	- Appellar	3-13	***
HULLA	1 <b>3</b> 0	125	B3·3	4.15	Nggas	gallet.	4-15
वेरवाहा	150	<b>9</b> j	63.3	3.16	Ąpoś	3.16	-
मोटहा	150	<b>9</b> 5	63.3	3-16	briller	3-16	<del></del>
तराहा	150	96	64.0	3 • 20	-dylan,	3 • 20	物场
र्धा खावद	150	125	83-3	4-16	gent	44988	4.16

सारणी तंत्रा 3:27 में फतल कराई के समय छात्र विधालय से भाग जाते है क्यों कि इनमें छूदिट्या नहीं होती है के प्राप्तांकों को दर्धाया गया है।

उपरोक्त सारणी के अनुसार पंचायत समित सबुम्बर, धीरयादद, के अध्यापकों की अध्वितम अधिवृत्ति कृमशः ६४-३, ६४-३ प्राप्त हुई जबकि सबसे न्यून अधिवृत्ति कृमश ६३-३,६३-३ व ६३-३ शहोल, नेरवाहा व धीरयावद पंशायत अधिति के अध्यापकों को प्राप्त हुई।

प्राप्तांको की आधृति तारणो देखने से शात होता है कि ाहोत, छेरवाहा, कोटहा, सराहा पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य हेणी में तथा निरंता, सलुम्बर धरियादद पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की छेणी में प्राप्त हरें।

इतते निरूवर्ष निकलता है कि अधिकतर पंचायत समिति के अध्यापकों की राय अनुसार जनजाति के छात्र फसल कटाई के समय छात्र देवबालय से भाग जाते हैं।

ल है विकासिय अवकाश सन्ध रवे विकास

तारणी संख्या ३:26

रिकालव अवकास समय एवं विकास विकास

<b>B</b> 135	पूर्णांक प्राप्तांक		प्रतिवस्त मध्यांक		पाप्तांको का ज्यो <b>वार</b> विभाजन		
					1777	हामान्य स्तर	उच्य स्तार
				andrews him who with the .		1 · 6 1 3 · 20	3 · 2 i 5 · 00
fagur		124	82.0	4-13	<b>भगवा</b>	AND.	4.13
नाहोत	150	87	5a • 0	2.90	gagit.	2.90	winter-
सहास्य र	150	125	B3•3	4.16	.equin	divide	4.16
बेखाहा	150	105	70 - 0	3.50	<del>s ja</del> r	\$100ml	3 • 50
कोटहा	130	94	62.6	3.15	de fina	3.13	•••
Tätyb	150	103	66.6	3.43	Apper	4700	3 • 34
र्धारवावर	i 150	159	85 • 3	4.26	glilija. Lie Angar gapa sapar skiper diper diper diper diper diper	edijisi - <sub>vinet</sub> elepija sikon iljenij sikina pelan sikina i	4.26

सारणो लंडचा 3:28 में जेतों में काम करते समय अगर इन विवालयों में अवकाश रहे तो ये छात्र विवालय छोड़कर नहीं जावेगें के प्राच्यांकों को दशाया गया है।

उपरोक्त धारणी के अनुसार पंचायत तीमीत धरियावद के अध्यापकों की आध्वतम अभिश्वति ८५-३ प्राप्त हुई जबकि सबसे न्यून अभिश्वति 58 प्रतिशत ाहोल पंचायत सीमीत के अध्यापकों की प्राप्त हुई।

प्राप्तांकों को आदृति सारणी देखने है जह होता है कि ाहोत, कोटहा पंचायत समित के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य भेणी में तथा गिरवा, ततुम्हर, खेरवाहा, सराहा, धरियावद पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की भेणी में प्राप्त हुएं।

इसले निष्यक निष्यता है कि अधिकतर पंचायत शिमति के अध्यापकों की राय अञ्चलार केलों में काम करते समय अगर इन पियालयों में अवकाश रहे तो छात्र स्कूल छोड़कर नहीं जावेंगे।

व ( स्वरोजगार शिक्षा धर्म शिक्षा विकास -

सारणी संख्या 3:29

स्वरीवगार विकास एवं विद्या विकास

nfhan	पूर्णाक	grafa	पुरिवात	मध्यांक	प्राप्तांको का श्रणी विभाजन		विषर
					निम रहर	सामान्य स्तर	उट्य स्तर
		and the same and the same same same same same same same sam	gyggy, gyprosydddd Ywyno Chife gygllo	oddyn Siráir, ddydd oddion ddiadd diwno, ro	1 • 60	1 · 6 l 3 · 20	3·21 5·00
forat	150	136	90-6	4.73	160000	<del>tçin</del>	4.73
वाइति	150	123	B5•0	4.10	44ms	Alber	4.10
स्वार	<b>I</b> 50	! 24	85·8	4.13	<b>**</b> *	<del></del>	4.13
बेखाहा	1 50	101	77.3	3-36	#Par	<del>(S. No.</del>	3-36
कोटड़ा	150	95	63-3	3-16	<del>- Alto</del>	3-16	ifter
ละเรเ	150	111	74.0	3.70	etis.	Addy	3.70
धीरवावद	150	136	<b>7</b> 0 • 5	4.73	Prince	diji.	4.73

सारणी संख्या 3:29 में जनजाति के छात्रों को स्व-रोजगार की शिक्षा दी जावे तो ये विद्यालय छोड़कर नहीं जावेगे, के प्राप्तांकों को दर्शाया गया है।

उपरोजत सारणी के अनुसार प्रंचायत समिति जिरवा द ततुम्बर के अध्यापकों की अधिकतम अभिद्वृति कृमशः १०.६ प्रतिकत, १०.६ प्रतिकत प्राप्त हुई तथा सबसे न्यून अभिद्वृति 63.3%/कोटहा प्रंवायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई ।

प्राप्तांको की आदृति सारणी देखने से बात होता है
कि कोट्डा पंचायत तीमीत के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य
श्रेणी में तथा गिरवा, सकुम्बर, खेरवाड़ा, सराझा व धीरयावद
पंचायत सीमीत के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की श्रेणी
में प्राप्त हरें।

इसते निष्कर्ष निकलता है कि तभी पंचायत समिति के अध्यापको की राय अनुतार अगर छेलों में काम करते समय अगर इन विवालयों में अवकाश रहे तो ये छात्र विवालय छोड़कर नहीं जायेंगें

धर्व विधानधर्ते में सांस्कृतिक एवं ताहित्यक पृकृतियाँ एवं विकास -

सारणी संख्या ३:३०

विवासयों में सांस्कृतिक एवं साहित्यक प्रकृतियाँ एवं विकास

तहसी ल	पूर्णां वृगस्तां व		प्रतिशत मध्यां क		प्राप्तांको का प्रेणीवार विभाजन		
					निम्न रेक्तर	सामान्य स्तर	8 <del>2</del> 2 4 5 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7
abds spoksano vicarovino astrogojo s	tanya adhapa-silahadi. Ayadan iliyahal da	aho ilijidas jalagis sporo yalkan silijida spoja sa	lifen szylek élegék Alein szylek-elégék s	rikeyi. Minister Algeriay sooda "wikeyin isolida wanda"	0 -	1.61 3.20	3·21 5·00
KEAFK							
विरवर	150	124	82.0	4.13	****	**	4.13
भाइोस	150	127	84.6	4.23	***	entips	4-23
सबुम्ब र	150		74.0	3 - 70	<del>apire</del> .	<del>mju</del> .	3 • 70
<b>बे</b> रवाहा	150	103	68.6	3-43	mine.	****	3.43
कोटहा	150	95	63.3	3.16	***	3.+6	***
वराइा	150	108	72.0	3-60	<del>gán</del> y	- Opto-	3-60
धीरयावद	150	125	93.3	4.15	-jobsov	wide	4-16

सारणो संख्या 3:30 में जनजाति के छात्रों को विवासय
में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में इनको। कार्य करने की छूट दी जाय तो
में विवासय के वातावरण में रम जायेंगे, प्राप्तांकों को दर्शाया
गया है।

उपरोक्त सारणी अनुसार पंचायत समिति हाहोत के अध्यापकों की अध्यक्तम अभिदृति ४४-६ प्रतिशत प्राप्त हुई जहिक सहसे न्यून 63-3 प्रतिशत कोटहा पंचायत समित से प्राप्त हुई ।

प्राप्तांकों की आदात सारणी देखने ते हात होता है कि कोटहा पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य हेणी में तथा गिरवा, बाहोत, सबुम्बर, छेरवाहा, सराहा व धरियावद प्रंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की भेणी में प्राप्त हरें।

इससे यह निरूक्ष निकलता है कि सभी पंचायत समिति के अध्यापको की राय अनुसार जनजाति के छात्रों को विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यकृषों में इनको कार्य करने की छूट दी जाये तो ये विद्यालय के वातावरण में रम जायेगें।

त । छात्रावासों में विकित्सा सुविधार और विकास -

सारणी संख्या ३:३। =-=-=-=-

धात्रावासों में विकित्सा सुविधार और विकास

TEHT A	षूर्णीक प्राप्तां व		पृतिकता मध्यांक		प्राप्तांको का श्रेणीवार विभाजन		
				•	निम्न स्तर	सामान्य स्तर	उच्च स्तर
description with the delication of the delicatio		odyń. Dach awodkień społ sporoczy	laint-kaine zaup John-kaihe hann	nggan spops, addisi albay dispo spops, dista	0 -	J·61 3·20	3 • 20 3 • 00
गिरधा	150	124	85-0	4.13	****	<b>unit</b>	4.13
भाजील	150	75	63-3	3-13	499	3.13	***
सबुम्बर	150	151	80 • 6	4.03	, Maga.	girla	4.03
बेखाइा	150	134	89.3	4 • 56	<b>Vide</b>	<del>eie</del>	4.56
नोटहा	150	93	62-0	3-10	eiò	3-10	•
सराहा	150	B3	55•0	3.76	499	<b>◆◆</b>	3.76
धी रया वद	150	123	82.0	4.10	<b>TOTAL</b>	philib:	4-10

सारणो संख्या 3:31 में जननाति के छात्र/छात्राओं छात्राचासों में अक्सर बीमार हो जाते है और पढ़ाई छोड़कर माता-पिता के पास चले जाते है, के प्राप्तांको को दर्शाया गया है।

उपरोक्त सारणी अनुसार पंचायत समिति खेरवाझा के अध्यापकों की अधिकतम अभिद्वति ७१-३ प्रतिशत प्राप्त हुई जबकि सबसे न्यून ५६-० तराझा पंचायत समिति से प्राप्त हुई ।

प्राप्तांकों की आदृति सारणी देखने से इति होता है कि सराहा व आइति प्रंचायत सीमित के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य क्षेणी में तथा निरवा, आहोत, सहुम्बर, खेरवाहा, सराहा व धरियावद पंचायत सीमित के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की श्रेणी में प्राप्त हुई ।

इसते यह निष्कर्ध निकलता है कि तभी पंचायत समिति के अध्यापकों की राय अनुसार जनजाति छात्र अक्सर विमारी के कारण माता-पिता के पास चने जाते है।

## 7१ अध्ययन हेन :

विकास तामगी एवं धीरव अध्यापक और विकास

विदालयों में शिक्षा तम्बन्धी पर्याप्त मात्रा में आवश्य-कतानुसार सामगी का उपलब्ध होना शिक्षा के विकास में सहायक होता है। अतः इसी दृष्टिकीण को ध्यान में रखते हुई उक्त अध्ययन देल में निम्न अध्ययन बिन्दुओं को लिया गया है:-

अह विदालयों में शिक्षण सामग्री एवं शिक्षा विकास

ब है योग्य अनुभवी अध्यापक एवं विकास

स । प्रशासन में जनजाति को उचित स्थान ।

पृत्येक अध्ययन हिन्दुओं पर अलग-अलग सारिणीयों को दनाकर दस्त विश्लेषण किया गया है -

अहं विवासयों में विकास सामग्री को पर्याप्तता एवं विकास

तारणी लंख्या ३:32 =======

तहसीस	पूर्णांक प्राप्तांक		प्रतिकत्त मध्यां क		प्राप्तः विभाग	को का े	गीवार
					निम्न स्तर	सामान्य स्तरं.	वृद्ध रतर
denki ingin dhán hidan saith dhip, iki k	1860) ands was exply birs. I	ulayah halagan capilan dungac kangan penyahan dibada	naminy schalate laksalat dense s spilaten sjalate d	ngigy mayor spointsfifty shipik skiller sinn	1 • 60	1.61 3.20	3.21 5.00
<b>ीगरवा</b>	150	126	84.0	4 • 20	About-	zálo-i	4-20
वाइति	150	105	68-0	3.40	#EQ4	<del>- Pape</del>	3 • 40
सतुम्ब र	150	96	64-0	3 • 20	446	3 • 20	<b>Mark</b>
वेखाहा	150	95	63.3	3-16	design.	3.16	****
कोटहा	150	92	61.3	3.06	esting	3.06	Marie .
सराहा	150	105	70 • 0	3 • 50		Milya	3 • 50
धरियापद	1 50	116	77.3	3.86	AND.	Najarja	3-86

तारणी तंत्र्या 3:32 में शिक्षण सामगी के अभाव होने से शिक्षण प्रभावी नहीं होता है तथा छात्र निरस हो जाते है के प्राप्तांकों को दर्शाया गया है।

उपरोक्त सारणी अनुसार पंचायत समिति निरवा के अध्यापको की अध्यक्तम अभिद्वति ६४ प्रतिकत प्राप्त हुई जबकि सबसे न्यून ६१.३ प्रतिकत सराहा पंचायत समिति से प्राप्त हुई ।

प्राप्तांको की आद्ति सारणी देखने से जात होता है कि सब्ध्यर, खेरवाड़ा, कोटड़ा पंचायत समिति के अध्या-पको के प्राप्तांक सामान्य शेणी में तथा विरवा, शहीत, सराड़ा व धरियावद पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की श्रेणी में प्राप्त हरें।

इसते यह निब्का निकाता है कि सभी पंचायत तीमीत के अध्यापकों की राव अनुसार जनजाति छात्रों के तिए विक्रमा तामग्री के अभाव होने से छात्र विरस होते हैं।

बर्ध योग्य और अनुभवी अध्यापक तथा विकास -

तारणी संख्या 3:33

योग्य और अनुभव अध्यापक तथा विकास

तहसीत	dale	प्राप्तांक	वृ रितशत	भध्यां क	प्राप्तांको का श्रेणीट विभाजन		गीवार
					निम स्तर	तामान्य स्तर	उच्च स्तर
				realerrangs which speak style style skyre	0 - 1 - 60	1.81 3.20	3·21 5·00
 गिरवा	150	110	73 - 3	3.66	hann	<del>May-</del>	3.66
ब्राहोत	150	71	47.3	2.36	-	2.36	****
सम्बर	150	89	59.3	2.96	** .	2.93	****
धेखाइा	150	73	48 • 6	2.43	<b>489</b> 4	2.43	-
बोटझा	150	84	56·0	2.80	York	2.80	-
तराकृत	1 50	74	49.0	2.46	-	2.46	-
धीरयावद	1 50	85	56 • 6	2.83	***	2-83	<b>=</b>

सारणो तंख्या 3:33 में थोग्य व अनुभवी अध्यापको के अभाव में भात्र पढ़ाई में रूचि नहीं तेते है के प्राप्तांको को दर्शाया गया ।

उपरोक्त सारणों के अनुसार पंचायत समिति गिरवा के अध्यापकों की अधिकतम अभिदृत्ति 73.3 प्राप्त हुई जबकि सबसे न्यून अभिदृत्ति 47.3 आहोत पंचायत समिति के अध्या-पकों की प्राप्त हुई।

प्राप्तांको की आदृति तारणी देखने से इति होता है कि आहोत, सहुम्बर, खेरवाहा, कोटहा, तराहा व धीर-यावद प्रंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य श्रेणी में तथा गिरवा संवायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की श्रेणों में प्राप्त हरें।

इससे निष्कर्ध निकलता है कि सभी पंचायत सिमित के अध्यापकों की राध अनुसार सामान्यत: योग्य व अनुभवी अध्या-पको के अभाव के कारण छात्र महाई में कवि नहीं लेते हैं।

**ध**ं अध्ययन हेन :

पुत्रासनिक स्विधार -

प्रवासिक सुविधाओं में अध्यापकों को जनजाति वर्ग के अध्यापके हेतु अतिरिक्त विक्षण भरता, विवासयों में स्थानीय समुदाय से निरोक्षण व्यवस्था, प्रवासिनक द्विषे में जनजाति वर्ग के लोगों को उचित स्थान देना आदि अध्ययन बिन्दुओं को रखा गया है जो इस प्रकार हैं -

- अह अनजाति क्षेत्र विदालयों में अध्यापकों को विकास भरता
- बंधे विद्यालयों का स्थानीय निरीक्षण
- स । प्राप्तिनक दाँचे में जनजाति समुदाय को उचित स्थान

उत्तः अध्ययन धिन्दुओं पर अलग-अलग शारणीयाँ बनाकर दत्तः विष्ठतेषण विया गया है ।

अह जनजाति हेन के विद्यालयों में अध्यापकों को विहाण अतता:-

सारणी संहवा 3:34

अध्यापको को विकास भरता एवं विधा विकास

तहसीत .	पूर्णाक	ज्ञा <u>च्तां</u> क	ginari	मध्यांक	पाप्तांको का श्रेणीय विभाजन		गोवार
					निम्न स्तर	तामान्य स्तर	प्रम्य १तर
				alaside krista skopa skipag skipad spika skipad	0 - 1 - 60	3·20 3·20	3·21 5·00
<b>निरवा</b>	150	100	66 • 3	3 • 30	n <del>aka</del>	radings	3 • 30
भाइति	150	76	50 • 3	2.53	<b>union</b>	2.53	(corr
राष्ट्राम्ब र	150	103	68.6	3.43	***	<del></del>	3.43
वेखाइा	150	51	34.0	1 - 70	upo h	1.70	*
बोटड़ा	130	83	55 • 3	2.76	<del>, pros</del>	2.76	*
सराइा	150	80	53.3	2.66	****	2.66	Alex
धरियावद	150	67	51-3	2 • 56	Alle-	2 • 56	*****

सारणो संख्या 3:34 में अध्यापकों को जनजाति वर्ग को पढ़ाने पर अतिरिक्त विक्षण भत्ता मिले, इसके प्राप्तां को का विक्रतेषण दर्शाया गया है।

उवत सारणी के अनुतार पंचायत समिति के अध्यापकों की आंधकतम आदृति 68.6 प्रतिशत प्राप्त हुई बर्बाक सबसे न्यून अभिदृति 34 प्रतिशत केरवाहा पंचायत समिति के अध्या-पको की प्राप्त हुई ।

प्राप्तां को आदृति देखने से जात होता है कि प्रवायत समित शाहोत, खेरवाहा, कोटहा, सराहा, धार-यावद के अध्यापकों की सामान्य हेणी पाई गई जक्षकि गिरवा व सलुम्बर पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्च स्तर की केणी में प्राप्त हुएँ।

इसते यह निक्कर्ष निक्तता है कि तभी पंचायत समिति-के अध्यापकों की राय के अनुसार उन्हें विक्रण भत्ता मिलना चाहिए, ताकि वे विद्यालयों में स्थाई स्प से रहकर अध्ययन करवा सके।

ब १ विवालयों में स्थानीय विशीक्षण व्यवस्था -

सारणी संख्या 3:35

विधालयों में स्थानीय निरीक्षण व्यवस्था

तहसी त	पूर्णांक प्राप्तांक				प्राप्तांको का श्रेणीवार विभाजन		
					निम्न स्तर	क्षामान्य स्तर	उच्च स्तर
		i daga agan spunsop, skier skier skier skier	gybris, armes propag filiale ghows allowed	Rhys, dogs spie. Grew tyske Hybrid	0 -	3.28	3·21 5·00
<b>चिरवा</b>	150	155	81.3	4.06	:Adda	erioqia	4.06
गहोत	150	103	69 · E	3-43	Markin	Model	3-43
र हाम्बर	150	105	5980	3.40		***	3.40
ब्रेग्वाहा	150	76	50 • 6	2 • 53	MD(m)	2 - 53	₩.
गेटहा	150	85	56-6	5.83	<b>1846</b>	2-83	***
सराहा	150	85	57-3	2 • 86	***	2-86	-
धीरवावद	150	114	76-0	3 - 80		.entr	3.80

सारणी संख्या 3:35 में सरकारी निरोक्षण के स्थान पर स्थानीय निरोक्षण की व्यवस्था हो तो विद्यालय समय पर खोगों के प्राप्तांको को दर्शाया गया है।

उपरोक्त तारणी के अनुसार पंचायत समिति जिरवा के अध्यापकों को अध्यक्तम अभिन्नति छ। उ प्रतिशत प्राप्त हर्च जबकि तबसे कम अभिन्नति 50 क प्रतिशत जिरवाहा पंचायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हर्द ।

प्राप्तांकों की आद्भीत सारणी देखने से बात होता है कि खेरवाड़ा, कोटड़ा, सराड़ा, पंचायत समिति के अध्या-पकों के प्राप्तांक सामान्य केणी में तथा निरवा पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांक जच्च स्तर की केणी में प्राप्त हरें।

इतसे निष्कर्ध निकलता है कि सभी पंचायत समिति के अध्यापकों की राय अनुसार सरकारी निरीक्षण के स्थान पर स्थानीय िरोक्षण की व्यवस्था हो तो विद्यालय समय पर खेला व अध्यापकों की उपस्थित भी बराबर रहेगी।

सर् प्रशासन में जनजाति को उपित स्थान और शिक्षा विकास -

सारणी संख्या 3:36

पुशासन में जनजाति को उचित स्थान एवं शिक्षा विकास

तहसील	पू णां क	प्राप्तां क	प्रतिशत	मध्यांक	क प्राप्तांको का श्रे विभाजन		णीवार
			•		निम्न रत्तर	सामान्य स्तर	उ च्च स्तर
					0 -	1.61 3.20	3·21 5·00
ीगरवा	1 50	112	74.6	3.73	ajū.	Anto	3.73
भाइोत	1 50	92	61.3	3.06	-	3-06	*
HG ra ?	150	105	69 • 0	3.40	-	Alleria .	3.40
ब्रेखाहा	150	79	52.6	2.63	***	2.63	***
कोटइा	150	94	62.6	3.13	•	3-13	April
सरम्हर	150	84	56.0	S-80	**	2.80	•••
धीरयाच	1 50	82 .	54•6	2.73	***	2.73	

सारणी संख्या 3:36 में अध्यापन तथा प्रशासन में जनजाति के लोगों को पर्याप्त स्थान मिलता रहे तो ये विधा-लय अच्छी प्रकार से चला सकेंगे। के प्राप्तांकी को दर्शाया गया

उपरोक्त सारणी के अनुसार पंचायत समिति गिर्मा के अध्यापकों की अधिकतम अभिन्नति 74.6 प्राप्त हुई जदिक सबसे कम 52.6 खेरवाहा मंचायत समिति के अध्यापकों की प्राप्त हुई ।

प्राप्तांकों की आदित सारणों देखने से जात होता है कि शाहोत, खेरवाहा, कोटहा, सराहा, धरियावद मंचा-बत सिमित अध्यापकों के प्राप्तांक सामान्य श्रेणी में तथा गिरवा व ततुम्बर पंचायत सिमित के अध्यापकों के प्राप्तांक उच्य स्तर की श्रेणी में प्राप्त हमें।

इसते निरूक्ष निकलता है कि सभी पंचायत तिमित के अध्यापकों की राय अनुसार सामान्यत: अध्यापन तथा पृशासन में जनजाति के लोगों को पर्याप्त स्थान मिलता रहे तो विद्यालय अच्छी प्रकार ते चल सकेगा।

# चर्ष वर्षरकेट

"अभिगायको हारा जनवाति वर्ग के ग्रीशक विदाद हेड दो जाने दाली विकेश शिवधाओं पर अभिमृति को राय का विक्रोशक" :-

## gentant:

वनवांत वर्ग के विशेष विकास हेंद्र राज्य तरकार हारा दो बाने वालो अविदेशक सुविधाओं पर अभिश्वीत का विश्वतेषण इव अध्याय में किया गया है। अभिश्वीत बात करने हेंद्र एक अधिन-पृति भावनी का निर्माण किया नया। इते को किन्दू रेटिंग की बनाई गई। यहा तथा विश्वत होनों बिन्दुओं को क्रमणः। तथा

अभिनावको के शिक्त कम होने है इन्हें अनुतंपाताओं ने रवर्ष अभिनावको को पूछ-पूछ कर अभिनृत्ति भाषनो को प्रधा-विक्ष विध्या है। इस प्रकार वह सम्मृति भाषनो सामारिकार विक्षा विध्या है। इस प्रकार वह सम्मृति भाषनो सम्मृति कार्यारकार विक्षा विध्या है। इस प्रकार वह सम्मृति भाषनो सम्मृति कार्यारकार विक्षा विध्या है। इस प्रकार वह सम्मृति भाषनो सम्मृति कार्यारकार अनुसूची से

अभ्योग भाषनी पर दश्ती पर प्रायम ाय करने इनदा रेक्टोजन रिका गया है।

### n Puuse ja

- steel mad six by 6 plu lo annual
- at to row of old it forcer at a form factor

# Trans of the best strain there :-

eigencal diger out to touted aid die insection of a insection of the first of touted at all your eight 9 and at 90 yields afternabled set to aid die a

व्यो प्रशास अभिनावनो ने यह मी स्वयंत विधा कि विद्यालय गाँव से विद्यालय से विद्यालय गाँव से विद्यालय से विद्यालय गाँव से विद्यालय से

## : धिन्यम वर्षेष्ठ व्याः वर्षे

अंग्रावको है विश्वास में पूर्वत के स्टब्स में न्युनत देश को स्वत पर, प्रोण अन्वन्धी अस्तम को दर्शरक पर, विश्वास में मुक्ता सम्बन्धी अनुसारी पर तथा सम्बन्धम पर प्रोण को अनुसारी प्राप्त कोने के सम्बन्ध में अध्यक्ति आह की ।

अभावनी की प्रवेश रूक्टमी न्युन्तम है। इस यो न्युन्त पर प्राप्तांक की प्रतिक्रण, निवासों की करोरता पर उठ प्रतिक्रण विवासों को जानकारों नहीं होने पर 80 प्रतिक्रण तथा जानकारी उद्या पर विक्रती रहे पर 95 प्रतिक्रण सहस्रोत प्राप्त हुई।

इसते यह निरुक्त निरुक्ता है कि अभिनावकों की राव पुरेश तम्बन्धी बानकारी समय-सम्बद्ध पर निरूप के तथा पुरेश सम्बन्धी बानकारी नहीं होने से बान पुरेश से बीवत रहते हैं के बार में अध्या बार्ड गई। पुरेश सम्बन्धी न्युनतम शेरिक बीजवार और निर्द्ध के स्टोरता जिला को प्रयोगत करती है, में इसके

di pratora farmat of about our gonest vi peurod or every oft fast terre :-

अवनित्य विदासकों के सकत्य में अभगावकों को उपव का प्रोक्षण पश्च में पाई वर्ष कि विवासकों में पूर्वांक सामान को अपन्यकार की उपलब्धणा किया के विवास में सहायक है। इस्ते पूर्वार प्रशासकों पूर्व अध्यापकों के उपीक्षण व्यवसार के वस में पूर्व प्रशासकों पूर्व अध्यापकों के उपीक्षण व्यवसार के वस में पूर्व पूर्व में साथ प्राप्त हुई। सामावासों में निर्माण सोवन पूर्व साथ पहार्थ को योदया किस्म शोने के बस हैं 75 प्रशासक साथ प्राप्त हुई।

द्वते पर सब्द होता है कि अभिनादक वर्ग कनका रेत दे मेंदिक दिवस्त के इस में दिवस्ता में पर्योग्त ता मान उप-बब्ध होना, दमस्याओं पर प्यान देना, अव्यक्तनेतन, उत्तरस मोजन पूर्व हाला व्यवस्ता के उत्तित होने के पक्ष में है।

4) sout it grow out the for: :-

stunced decrease describe as a secretary of a state of a secretary of a state of a secretary of

ed gram stanced of trule equation of a continuous of a continuous of trule equation. E continuous stances of a continuous executions of a continuous execution executions of a continuous executions of a continuous execution executions of a continuous execution executions of a continuous execution executions of a continuous executions of a continuous execution executions of a continuous executions of a continuous execution executions of a continuous executions of a continuous execution executions of a continuous executions of a continuous execution execution executions of a continuous execution execution executions of a continuous execution execution executions execution e

and are linear toward to attend of any and area 
be arteurise wren an industrial i-

पर भी अभावनी जो अभावित जात को गई । इंद त्रन्यं पर भी अभावनी जो अभावित जात को गई । इंद त्रन्यं में पोरंदार जो अभिके रिवाद तुमारों, अर्थिवारित तमर-वार्ज गई दिला, जाला-दिला को दिला जा महत्व कराना, पोरंघार जो आधिक दिवाद को दिल करने हैंद स्वयन होदलाओं को दुराना, यर पर पड़ने को होववार उपलब्ध करवाना, होक-वार्ज के अभाव में शेवक दिवाद में बाबा हवा शेवक मार्न दर्शन और दिला का दिवाद पर अभावित करवन्यों पुरान पूछे

as given simulated of the expert and in as spect and in as a secretary law from a secretary law from a secretary law from a secretary law from a secretary and a secretary ana

दक्त अवस्था कराने के वस में 30 प्रश्नात अभगावको को राय पर्द गर्द

कारे पर सब्द होता है कि अभिनादक अवस्था करी जो आ के दियात दुद्ध करें, दह देद अध्य साम दुष्ट्याई अपलब्ध कराने, यह पर पढ़ने की साध्य दुष्ट्याई अपलब्ध कराने के बार के पार्च करें

si arard glaure ed dina fourte :-

अभावनी जी राव तरवारी तांववाओं के हान वर, हान्युंध जी माना पर, हानावानों में उपलब्ध मोहन पर, हानावानों में उपलब्ध पुनाय, पानी, होनती, पाने करते, जी होंववा पर, वेलहर की व्यवस्था पर, विवासक समय पर, अवनाय समय निर्धाय पर, स्वरोधनार, विकास पर, तांस्कृतिक हार्युक्तों पर तथा विकित्ता होंववाओं पर हार हो गई।

70 giano simulari of singia è sio etal è la sentita af si oront en el uni uni uni giaulai di areort en elai è lacè luar è lace sa ca fau-tra qua apar è 1 set guit 75 giano simulai si

and as trace star is the stream of afford and all all and an are start in a stream of a form in a start in a stream of a start in a stream of a start in a stream of a stream

तथा भगेतरवा श्रीवयारे जनस्य कराने के वशा में बारे गरे। हां जिसा बान्तों एवं विद्या विकास -

atental of tournal disease into another another along to the area of the control 
43 प्रतिक अभिनावनो को राय के ज्यार विजान लगो में पर्योक्त विक्रण सामग्री उपसब्ध कराई जानी दाहिए । इसी प्रवार 60 प्रतिक अभिनावनो को राय यो कि प्रोच्य एवं जुन्यों ज्यापादने को विक्रण के ज्याय कराना वर्ग हरू ।

and are transact transact & the armitic faction?

There is altered transact and artist factor

army army army from those is necessary.

#### 

अभियायको को क्लामांट horied है उस्ताहकों दो पहाने है किए अतिकास परवा हैने, स्वानोध निरोहण द्वारता पर हथा क्लामांत धर्म को पुशासन है स्थान स्थाने पर अभियोद बार की गई।

60 प्रतिकार अस्मावको को राव को एक धनकारित धर्म के विकासकों में पढ़ाने वाले अध्यापकों को अंदर्गरक मार्का देना धारिस्थ । इती प्रकार विकासकों के सामारों रिस्टोइन्स को रववस्था के स्थान पर स्थानीय निस्टोइन्स के प्रश्ने के कर अस्मायक पार्व नहीं । विकासकों के प्रशासन में सनकारित को के सोमों को प्रतिनिधासन देने के पड़ा में हम प्रतिकार अस्मायकों को अंग्रहीत पार्व गई।

व्यवे यह सम्बद्ध होता है कि अन्तर ति वर्ग है दिया-वर्गों में बढ़ाने वाले अध्यापनों को अतितिकत किला भारत हैने, रथानीय किरोबल स्वयस्त यो विद्यास्त प्रवास में क्ष्मारित वर्ग को स्थान देने के बढ़ा में अधिकादक बर्ग को अधिकृति वर्ग में

#### पंचम परिच्छेद

### दत्ती का सी ख्यिकी विश्लेषणा:

अनुसंधान में दत्त किलोकणा एक महत्वपूर्ण कार्य है। इन्हें कई विधियों द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। सामान्य अंक कई बार भुलावें में डाल देता है, अतः अनुसंधानकर्ता अपने अनुसंधान कार्य में सांक्रियकीय विधि का उपयोग करता है। प्रस्तुत अनुसंधान कार्य में दत्तों के विश्लेषणा को कई विधियों से प्रदर्शित किया है। परिच्छेद तृतीय में दत्तों का सामान्य किलोकणा दशाया गया था। इसमें प्रतिशात एवं मध्यांक का उपयोग किया गया था। प्रस्तुत अध्याय में दत्तों को सह संबंध विधि, ײ विधि तथा ६ टेस्ट परीकणा दशाया गया है। सह संबंध, ײ तथा ६ टेस्ट का प्रयोग क्यों और कैसे किया गया है। इसे परिच्छेद एक में विसार से बताया गया है। इस परिच्छेद एक में बताए गए सूत्रों के आधार पर ही दत्तों का विश्लेषणा किया गया है।

## [2] दत्ती का सह संबंध विधि द्वारा विश्लेषणा :

अध्यापकों की अभिवृत्ति मापनी द्वारा प्राप्त दत्तों पर उदयपुर जिले की क्यनित सात पंचायत समितियों यथा, निरवा, बाड़ोल, सलूम्बर, खेरवाड़ा, कोटड़ा, सराइन तथा धरियावद में आपसी सह संबंध जात किया गया है। इस हेतु दो दो पंचायत समितियों का जोड़ा बनाया गया है और इन्हें आपस में जांचा गया है।

क्षं निर्वा और बाडोल पंचायत सीमतियों के अध्यापकों की अभिवृत्ति में सह संबंध का विक्रोलका -

विभवृत्ति से प्राप्त दत्ती का उपयोग इस हेतु किया गया है।
गिर्वा पंचायत समिति को , तथा क्षाकील को , मानकर इनका विक्रतेषणा
नीचे दशाया गया है:-

प्राप्तांक ×	ijų ož s	प्राप्तक y	dy(100)	dy <sup>2</sup>	dudy
			2		
110	0 0	106	+6	36	0
116	+6 36	117	+17	290	-
76	-34 1156	70	-30	900	102
84	-16 256	62	-38	1444	1020
100	-10 10	72	-28	784	608
l <b>3</b> 2	<b>†22 484</b>	121	+21	441	280
123	+14 196	123	423	529	462
110	0 0	61	-39	1521	322
116	+6 36	92	-8	64	0
110	<b>-0</b> 0	99	-1	1	46
114	+4 16	98	<del>-2</del>	4	Q
124	+14 196	98	-2	4	8
112	+2 4	117	+17	281	28
122	+12 144	128	+28	784	34
120	+10 100	118	+18	324	336

7				3	2	1
70	49	+7	107	100	+10	120
120	144	+12	112	576	+24	134
528	484	+22	122	256	+16	126
128	64	+8	108	196	+14	124
154	121	+11	111	256	+16	136
176	121	+11	111	196	+14	124
112	16	4	96	256	+16	126
88	49	-7	93	64	+8	118
2	121	-11	89	4	+2	112
12	1	+1	101	144	+12	122
8	4	-1	99	64	+ 8	118
1	25	<del>-</del> 5	95	4	- 2	108
18	169	-13	87	196	+14	124
59	529	<del>†</del> 23	123	676	+26	136
37	729	+27	127	196	+14	124
7	25	<del>-</del> 5	95	196	+14	124
3	4	+2	102	256	+16	126
	529	<del>~</del> 23	77	o	-0	110
2	576	-24	76	100	-10	100
	9	+3	103	144	+12	122
	64	-8	92	4	+2	112
	11244	+257	*	6608	+328	
		-249			- 62	
at a		+ 8	inggi spaji najir diliri		+ 266	

$$dx = 266$$
  $dx^2 = 6608$   $dy = 8$   $dy = 11244$   $dxdy = 6264$ 

$$6264 - \frac{266 \times 8}{36}$$

4 .85

सह संबंध का प्राप्त मून्य + .85 प्राप्त हुआ । यह मून्य उच्च स्तर का धनात्मक सह संबंध है । इससे स्पष्ट होता है कि गिरवा और पंचायत समिति के अध्यापको शिक्षा के विस्तार हेतु सरकार दी जाने वाली विशोध सुविधाओं की अभिवृति में बहुत अधिक समानता पाई गई ।

१ ब्रिश्नेल व सन्म्बर पंचायत सतितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सह संबंध का विक्लेषणा:-

बाढ़ोल तथा सत्मबर पंचायत समितियों के अध्यापकों की शिक्षां विकास हेतु राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली विकास सुविधाओं पर अभिवृति कात की गई। अभिवृति के प्राप्तांकों पर सह संबंध कात करने हेतु बाढोल के प्राप्तांकों को x तथा सलूम्बर के प्राप्तांकों को y मानकर सह संबंध मूल्य बात किया गया जो इस प्रकार है:-

झाड़ोल व सलूम्बर पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृत्ति में सह संबंध का विश्लेषणा:-

				華		
×	یل (100)	dx <sup>2</sup>	<u> </u>	dy(100)	<b>q</b> y <sup>2</sup>	dxdy_
		3	4			
106	+6	36	109	+9	81	486
117	+17	289	126	+26	676	442
70	<b>~3</b> 0	900	95	- 5	25	150
62	-38	1444	54	-46	21,16	1748
72	-28	784	101	+ 1	ŀ	-28

1	2					
121	+21	441	l 28	+28	784	588
123	<b>†23</b>	529	128	+28	784	644
61	-39	1521	83	-17	9289	663
92	-08	64	95	- 5	25	200
99	-	1	96	- 4	16	4
98	- 2	4	117	+17	290	-34
98	- 2	4	126	+26	676	-52
117	+17	290	1.73	+31	961	-527
128	+28	784	131	+ 3	961	-668
110	+18	324	121	<b>†2</b> †	441	378
107	+ 7	49	121	<b>†2</b> 1	441	147
112	+12	144	133	+33	1089	396
122	+22	484	125	+25	625	550
108	+ 8	64	124	+24	576	1 92
111	+11	121	128	+28	784	308
111	+11	121	134	+34	1156	374
96		16	112	+12	144	-48
93		49	93	<b>- 7</b>	49	49
89		121	117	+17	289	-187
101		121	+21	121	441	21
99		1	120	+20	400	- 20
95		25	125	+25	625	-125

				5		7
102	<del>†</del> 2	4	96	-4	16	-8
77	-23	529	89	-11	121	253
76	-24	576	103	+ 3	9	-72
103	t 3	9	102	<b>†</b> 2	4	6
92	- 8	84	102	+ 2	4	-16
	t257	11244		+566	16661	8823
	-249 + 8			- 99 + 467		

धार्गेल व स्तूम्बर पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृत्ति में सह संबंध का विश्लेषणा -

$$dx = 8 dx^2 11244$$
  $dy = 467 dy^2 = 16661$   $dxdy = 8823$ 

तह लेके का प्राप्त मूल्य + .70 प्राप्त हुआ । यह मूल्य उच्च स्तर का धनात्मक तह तक्कि है। इससे सफ्ट होता है कि बाकृत और तल्लस्बर पंचायत तामितियों के ऋथापकों की रिश्वा के विस्तार हेतु तरकार दवारा दो जाने वाली विशेष सुविधाओं को अभिकृत्ति में बहुत तमान्सा पाई गई।

हुं सह स्वर तथा वेरवाङ्ग पंचायत समितियों के अध्यापकों की बांभवृत्ति पर सह संबंध -

सलुम्बर व वेरवाहा पंचायत समिति के ऋगामकों की रिश्वा के विकार हेतु राजस्थान सरकार द्यारा दी जाने वाली अतिरिक्त सुविधाओं पर अभ्वृति मापना द्वारा प्राप्त कात किया गया । प्राप्ताकों पर सह संबंध कात करने हेतु सलुम्बर के ऋगामकों के प्राप्ताकों को तथा बेरवाहा के ऋगामकों के प्राप्ताकों को मानकर विक्रतेस्था किया गया है जो इस प्रकार है -

	dx =		an a	dy** (45)	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	-1-7
Lawwa	9 			r ngan pagai apak anga Mila anga mina anga anga		
109	+9	81	90	-5	25	-45
126	+26	676	167	+12	144	312
95	- 5	25	70	-25	625	125
54	-46	2116	54	-41	1681	1886
101	<b>2</b> 1	•	85	-10	100	-10
	•	784	98	+ 3	9	84
128	+ 28			+ 7	49	196
128	+ 28	784	102	Ψ 4		A.
83	- 17	289	54	-14	1681	697
95	- 5	25	69	-26	676	130

1	- in an and and an		4	**************************************		
96	-4	16	0.5			
117	+17	290	8 <b>5</b> 98	-10 + 3	100	40 51
126	<b>†26</b>	676	91		16	-416
131	+31	961	106	•		341
				+11	121	
131	+31	961	112	+17	289	527
121	+21	441	83	-12	144	-252
121	<b>†2</b> 1	441	90	<b>~</b> 5	25	-525
133	<b>+3</b> 3	1089	101	+ 6	36	1188
125	+25	625	99	+ 4	16	400
124	+24	576	91	- 4	16	-384
128	+28	784	106	+11	121	308
134	+34	1156	Iol	+ 6	36	1224
112	+12	144	99	+ 4	16	48
93	- 7	49	106	+11	121	-77
117	+17	290	81	-14	196	-238
121	+21	441	96	+ 1	i	21
120	+20	400	89	- 6	36	-120
125	+25	625	95	o	0	0
125	+25	625	105	+10	100	250
124	+24	576	tol	+ 6	38	144
111	+11	121	103	+ 8	64	88

	and the case which case was the					
121	+21	441	1 34	+39	1521	819
96	- 4	16	95	O	o	O
89		121	73	-22	484	242
103	+ 3	9	51	-44	1936	-132
102	+ 2	4	76	-19	361	- 38
102	+ 2	4	79	-16	256	- 32
	+566 - 99	16661		+159 -304	11047	+ 9121
	467			- 145		+ 9121 - 2260 - 6852

(3) सन्नम्बर तथा बेरवाकृत पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृत्ति पर तब तंबंध -

	- 128	9			
219089	7			elicisis in	21025

सलूम्बर तथा खेरवाड़ा पंचायत सिमितियों के क्रियापकों के प्राप्ताकों पर सह- संबंध मूल्य + .82 प्राप्त हुआ । यह मूल्य उच्च स्तर का धनात्मक सह संबंध प्रकट करता है । इससे यह स्पष्ट होता है कि देशों पंचायत सिमितियों के क्रियापकों की राय में बहुत समानता है ।

१६१ वेरवाड़ा बीर कोटड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सह संबंध जात करना -

राजस्थान सरकार द्वारा दी जाने वाली विशोध
सुविधाओं पर खेरवाड़ा और कोटड़ा पंचायत समितियों के क्ष्यापकों की
अभिवृति ज्ञात की गई। अभिवृति प्राप्ताकों पर सह संबंध ज्ञात करने देतु
खेरवाड़ा के प्राप्ताकों को × तथा कोटड़ा के प्राप्ताकों को प्रमानकर
विश्लेषण किया गया है जो इस प्रकार है:-

खेरवाड़ा और कोटड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृत्ति में सह संबंध का विश्लेषणा

X	dx= 95 (	ix <sup>2</sup>	<u>y</u>	dy=90	dy <sup>2</sup>	dxdy
90	<del>-</del> 5	25	77	-13	169	65
187	+12	144	77	-13	169	-156
70	-25	625	77	-13	169	-325
54	-41	1681	72	-18	324	-438
85	-i o	100	94	+ 4	16	- 40
98	+ 3	9	94	+ 4	16	12
102	+ 7	49	92	+ 2	4	14
54	-41	1681	88	- 2	4	82
69	-26	676	92	+ 2	4	-52
85	-10	100	95	+ 5	25	-50
98	+ 3	9	92	+ 2	4	6
91	- 4	16	94	+ 4	16	-16
106	+11	121	95	+ 5	25	<b>-</b> 55
112	+17	289	92	<b>†</b> 2	4	34
83	-12	144	95	+ 5	25	-60
90	- 5	25	95	+ 5	25	-25
101	+ 6	36	95	+ 5	25	30
99	+ 4	16	94	+ 4	<b>↓</b> 6	16 1
91	<del>-,</del> 4:	<b>16</b>	93	+ 3	9	-12
106	+11	121	95	+ 5	25	55

101	+6	36	95	i.e			
99	+4			<b>†</b> 5	25		30
		16	91	+1	ı		4
106	+11	121	84	-6	36		<b>~66</b>
81	-14	196	88	-2	4		28
96	+ 1	1	94	+4	16		4
89	- 6	36	89	-1	1		6
95	o	0	95	+5	25		0
105	+10	100	94	+4	16		. 40
101	+ 6	36	95	<b>†</b> 5	25		30
103	+ 8	64	95	<b>†</b> 5	25		40
164	+39	1521	93	+3	9		117
95	0	o	92	+2	4		0
73	-22	484	84	+6	36		132
51	-44	1936	83	~7	49		308
76	-19	361	85	-5	25		95
79	-16	256	94	+4	16		~64
					****		
	+159	11047		+ 95	1387	+	2266
	-304			- 85		-	241
	-145			+ 9		+	1725
	*************			<del></del>			

848 सरवाड़ा व कोटड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों की अभिवृति में सह संबंध का विक्रनेषणा -

$$dx = 145 dx^2 = 11045 dy = 9 dy^2 = 1387 dxdy = 1723$$

$$1723 - \frac{-145x9}{36}$$

$$\frac{11045 - \frac{(-145)}{36} \times 1387 - \frac{(9)^2}{36}}{36}$$

खेरवाड़ा तथा पंचायत सिमितियों के अध्यापकों की अभिवृति पर सह-संबंध मूच्य • 46 प्राप्त हुआ। यह सह संबंध भी धनात्मक प्राप्त हुआ है। इससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों अध्यापकों की राय में भी काफी समानता है।

अधिवृति पर सह संबंध -

कोटड़ा तथा सराड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की राज्य सरकार द्वारा शिक्षा विकास हेतु दी जाने वाली विशोध सुविधाओं पर अभिवृति जात की गई । अभिवृति के प्राप्ताकों पर सह संबंध जात करने हेतु कोटडा के प्राप्ताकों को तथा सराड़ा के प्राप्ताकों को मानकर विश्लेषणा किया गया, जो इस प्रकार है:-

	= 2			-	~	
	•••		,	100		
77	-13	169	92	-8	64	104
77	-13	169	121	+21	441	-273
7 <b>7</b>	-13	169	62	<b>~38</b>	1444	494
72	-10	324	45	<b>~</b> 55	3025	990
94	+ 4	16	105	+ 5	25	-20
94	+ 4	16	114	+14	196	56
92	+ 2	4	119	+19	361	36
88	-2	4	48	<b>-5</b> 2	2704	104
92	+2	4	7.1	-29	841	-58
95	+5	25	90	-10	100	-50

92	+2	4	108	<del>†</del> 8	64	16
94	+4	16	118	+18	324	72
95	+5	25	103	+ 3	9	15
92	<b>†</b> 2	4	1 30	+30	900	60
95	+5	25	107	+ 7	49	35
95	+5	25	102	+ 2	4	10
95	+5	25	1 32	+32	1024	160
94	+4	16	131	+31	961	124
93	<b>+</b> 3	9	95	- 5	25	-15
95	+5	25	111	+11	121	15
95	+5	25	113	+13	169	65
91	+1	1	97	-3	9	<del>-</del> 3
84	<del></del> 6	36	104	+4	16	-24
83	-2	4	89	-11	121	22
94	+4	16	106	+ 6	36	24
89	min	ı	106	+ 6	36	-6
95	+5	25	96	··· 4	16	-20
94	+4	16	103	<del>1</del> 3	9	12
95	+5	25	111	<b>+11</b>	121	55
95	+5	25	108	<b>+8</b> .	64	40
93	+3	9	83	-17	289	-51
92	+2	4	105	+5	25	167
	-6	36	74	-26	676	1 % 6.
84						

2301		15 -			. 6	+	
15   485 -		 +521	,		98	-	
+ 2885	00051	902-		878 I	<b>96</b>	+	
*9	556	91-	78	91	7+		76
07	961	<b>∀1</b> -	98	çz	<b>5</b> -		<b>€8</b>
071	007	-50	08	64	2-		€8

कि रिक्राम्डक के फिलीमीस तमार्थ पड़ा उस माथत पड़ा कि कि माथत पड़ा कि है। - प्रकलिकी खिले डिस उस मार्गिक्रीस

= 
$$\sqrt{b}$$
xb 0002f =  $\frac{c}{4}$ yb f2- =  $\sqrt{b}$  872f =  $\frac{c}{4}$ xb 6 = x

$$\frac{13-89}{36} - \frac{1005}{36} - \frac{2}{36} - \frac{1000}{36} - \frac{2}{36} - \frac{1000}{36} - \frac{2}{36} - \frac{1000}{36} - \frac{1000}{$$

	2313,75	
	1375,75 x 14927.75	-
<b>2</b> .	- 2313.75	
·	20536852	
瑚	2313.75 + .51	
	4531.76	

कोटड़ा पंचायत समिति तथा सराड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्ताकों पर सह संबंध मृत्य + •5। प्राप्त हुआ यह उच्च धनात्मक सह संबंध है। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों अध्यापकों की राय में बहुत समानता है।

१ र । सराङ्ग तथा धरियावद पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सह-संबंध ज्ञात करना -

सराड़ा तथा धरियावद पंचायत समिति के अध्यापकों की अभिवृत्ति पर सह संबंध बात करने हेतु सराड़ा के प्राप्तांकों को तथा धरियावद के प्राप्तांकों को मानकर विक्रतेषणा किया गया जो इस प्रकार है -

१ र १ सराङ्गतथा धरियावद पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सहसंबंध का विश्लेषणा -

	<b>** 2</b>			<b>=</b>	2	
ا لواز کی دید دند. دید	100	جنة الحرب التالي التي التي الإن التي وسع		00	and the collection which speed, higher when we	
92	-8	64	110	+10	100	-80
121	+21	441	126	+26	676	546
62	-38	1444	60	-40	400	1520
45	-55	3025	54	-45	2116	2530
105	+ 5	25	98	- 2	4	-10
114	+14	196	66	-34	1156	-476
119	+19	361	127	+27	729	513
48	<b>-</b> 52	2704	54	-96	2116	2392
71	-29	841	78	-22	484	638
90	-10	100	85	-15	225	150
108	+8	64	115	+15	225	120
118	+118	324	111	+11	121	198
103	+ 3	9	110	+10	100	30
1 30	+ 30	900	141	+41	1681	1230
107	+ 7	49 .	108	+8	64	56
102	+ 2	4	108	+8	64	16
132	+32	1024	138	+38	1444	1216
131	+31	961	115	+15	225	46 <del>5</del>
95	-5	25	113	+13	169	65

111	+ 11	121	119	+19	361	209
113	+13	159	128	+28	784	364
97	- 3	9	110	+28	100	-30
104	† 4	16	Ш	+11	121	44
89	-11	121	106	+6	36	-66
106	+ 6	36	116	+16	256	96
106	<b>†</b> 6	36	102	<b>†2</b>	4	12
96	<b>= 4</b>	16	125	<b>†2</b> 5	625	-100
103	+ 3	9	128	+28	324	84
111	+111	121	136	+36	1296	396
108	+ 8	64	125	+25	625	200
83	-17	289	123	<b>†23</b>	529	-391
105	<del>†</del> 5	25	116	+16	256	80
74	-26	676	85	-15	225	390
80	-20	400	77	-23	529	460
86	-14	196	114	+14	196	-196
84	-16	256	82	-18	324	288
U- <del>1</del>	• •					100 ipo 100 Kyr 140 <del>(1</del> 0
		LANDO		+481	18690	+14308
	-308	15000		-261		-1349
	+257					400 and 100 and 100
	- 51		•	220		+12959
			•	***		,1

§ 6 श्र सराङ्ग तथा धरियावद पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सहसंबंध जात करना -

$$dx = 51$$
  $dx^2 = 15000$  dy 220  $dy^2 = 18960$  dxdy=12959

$$\frac{15000 - \left(\frac{51}{36}\right)^2}{36} \times \frac{18960 - \frac{220}{36}}{36}$$

सराकृत तथा धरियावद पंचायत समिति है अध्यापकी के प्राप्ताकी पर सह संबंध मून्य + • 78 प्राप्त हुआ । यह उच्च स्तर का धनात्मक सह संबंध है । इससे स्पष्ट होता है कि दोनों अध्यापकों की राय बहुत समान्ता है ।

## सह तंबंध विक्रमेका है प्रमुख निकर्त -

- । । गिरवा तथा काकोन पंचायत समितियों के क्यापकों की राय में धनात्मक सह संबंध पाया गया।
- 2 मिर्चा तथा आहीन के अध्यापनी की राथ में भी धनात्मक सह संबंध पाया गया।
- 3% बाङ्गेल तथा सतुम्बर के कथ्यापको की राय में भी धनारमक सह संबंध पाया गया।
- 4 है सहस्वा तथा शिवाका के अध्यापकों की राय में धनात्मक सह संबंध पाया गया।
- 5 है विरवाङ्ग तथा कोटङ्ग के कथापको की राय में भी धनात्मक सब संबंध पाया गया।
- 6 इं कोटड़ा व सराइन के क्रयापकों की राय में भी धनात्मक सह संबंध पाया गया।
- 7 । सराकृत तथा धरियाक के स्थापको की राय में भी धनात्मक सह संबंध पाया गया।

## साहित्यकीय विक्रमेनका

#### काद स्ववायर द्वारा परिकल्पना का परीका -

परिकल्पना को लार्थक बनाने वे लिए का उपयोग किया गया है। वे लिए निम्न उपयोग काम में लिया गया है।

सुत्र :-

डिग्री की स्वतंत्रता के लिए काम में लिया है

को

- अावृति जो पाई गई।
- = अविति जो मानी गई। कॉलम पंक्तिया

इस सुत्र में दत्तों की आवृतियों को मानी गई आवृतियों से बाकी निकाला गया है। इसके बाद मानी गई आवृति से उस संख्या में भाग देते हैं और प्राप्त संख्या को जोड़ देते हैं। यही प्राप्त संख्या

का मूल्य होता है। इस मूल्य को सारिणा मूल्य से तुलना की जाती है।

स्वतंत्रता स्तर को बात करने हेतु का सूत्र लगाया गया। इसका अर्थ होता है कि जितने कालम है उसमें से एक को बाकी निकालना तथा जितनी पिक्तया है उसमें से एक को बाकी निकाल कर दोनों संख्याओं को आपस में गुणा करना गुणों से प्राप्त संख्या को स्वतंत्रता का स्तर माना गया है। अनुसंधान में प्राप्त दत्तों के मध्यांक की योग पर परीक्षण किया गया जो इस प्रकार है -

....

काइ स्कायर परीक्षण

-643	मून्य । 37-643		खित्रा सर ६ पर	Ħ		
				u		
Ti di				H		
				1	स्तिका सार बात करने सेतु	स्वतंत्रता सार
					। 37 • 643 मूल्य	<b>11</b>
000000	3	2.512 314 .00000003		1 - 1 1 4	• 375	= 132.209
000-45	321-48 40-195 @00-49	321-48	143-28	142.563	48.02	=16913.532
0.07	-17-93 6-34 0-07	-17-93	111.97	11.94	- 4.9	= 16.511
127.36	134-2	110.2 134.2 127.86	115.96	139.87	123-03	= 144.45

उदत सारणी के अनुसार सभी पंचायत समितियों के अध्यापकों के अभिवृत्ति प्राप्तांकों का मून्य 137.643 प्राप्त हुआ यह मून्य सारणी में 6 स्वतंत्रता स्तर पर दिए गए सारणी मून्य से अधिक पाया गया। इसका अर्थ यह हुआ कि परिकल्पना सार्थक पाई गई अर्थात सभी अध्यापकों की राय में जनजाति वर्ग को दी जाने वाली विकाप सुविधाओं का शिक्षा के विकास पर प्रभाव पड़ता है।

# दत्ती पर सूत्र का परीक्षण -

प्रस्तृत अनुसंधान कार्य को प्रमाणिकता के निकट लाने हेतु सूत्र का उपयोग किया गया।

818

सुत्र का विश्लेषणा

z is difference between two sample means.

(1) Lonise H. " Research Methods in Special Science
Kidder Relation ", Holt, Rinehart and Winston
New York 1980, pp 338

- sample is number of observation in the sample.
- is the variances of sample one and sample two.
- sp is the pooled variance of the two sample.

## सूत्र द्वारा दस्ती के विश्लेषणा की विधा -

Larger the value of t the less likely it is that the nullhypothesis is true and consequently, the more probable the sample represent different population. This should make sence from looking at the formula. The larger the difference between the sample. The larger the numberator will be and thus the larger. (1)

तूइस एवं की इर महोदय में टेस्ट को स्पष्ट करते हुए लिखा है कि इस परीक्षण द्वारा दो चरों के बीच पाए जाने वाले अंतर को जात किया जाता है। इन्होंने आगे स्पष्ट किया कि जितना का मान अधिक होगा उतने ही शून्य परिकल्पना सही होगी।

प्रस्तुत अध्ययन में उदयपुर जिले की सातों पंचायत समितियों प्राप्ताकों पर परीक्षण किया गया है।

सारणी:

टेस्ट परीक्षण के मूल्य एवं परिकल्पना की सार्थकता

<b>∌०र्स</b> ०	नाम तहसील	टेस्ट प्राप्त	सार्थकता/
بنيه نئيد جمع يحتو	ود هويد مصنيد بلاول وجاز مواده مجازه مصاد مارات باداته باداته جازت ادبية ماديد .	<b>J</b> @	निर <b>र्थक्ता</b>
ı	गिरवा/बाड़ोन	0.0179623	सार्थक
2	<b>शाङ्गोल∕ सलुम्बर</b>	0 • 356 1 62	सार्थक
3	सलूम्बर/बेरवाङ्ग	0-011887	सार्थक
4	धरवाङ्ग/कोळ्ग	0.017633	सार्थक
5	को टङ्ग/सराङ्ग	0 * 01 48043	सर्थक
6	सराङ्ग/धरियाचद	0-0307023	सार्थक
U	CITION CHICAG	U " U 2 W F U 2 Z J	64 4 <del>- 1-6</del>

उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट होता है कि सभी पंचायत समितियों में आपसी तुलना करने पर मून्य बहुत ही कम प्राप्त हुआ । इससे यह निष्कर्ष निष्कर्ता है कि सभी पंचायत समितियों की राय में बहुत समानता है । इनमें अन्तर बहुत ही नगण्य प्राप्त हुआ ।

8823 - 103

11244 - 64 × 16661 - 218089

8720

11244 - 049 x 16661-168.27

8720

11243.51 x 16492.73

8720 13617,48

x value = .640

सह संबंध का प्राप्त मृन्य •640 प्राप्त हुआ। यह मृन्य धनात्मक है। इससे यह स्पष्ट होता है कि झाड़ील और सलूम्बर पंचायत समितियों के अध्यापकों की शिक्षा के विस्तार हेतु सरकार द्वारा दी जाने वाली विशोध सुविधाओं की अभिवृत्ति में बहुत अधिक समानता पाई गई।

भूम सलुम्बर तथा खरवाड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति पर सह संबंध -

सबुम्बर व बेरवाड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों की रिवात के विस्तार हेतु राजस्थान सरकार दवारा दी जाने वाली

अतिरिक्त सुविधाओं पर अभिवृति मापनी द्वारा प्राप्त के जात किया गया । प्राप्तों पर सह संबंध जात करने हेतु सलूम्बर के अध्यापकों के प्राप्त को तथा सरवाड़ा के अध्यापकों के प्राप्त को मानकर विक्लेखणा लिया गया जो इस प्रकार है।

सलूम्बर व खेरवाड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सहसंबंध का विश्लेषणा -

$$dx = 467$$
  $dx^2 = 16661$   $dy = -145$   $dy^2 = 11047$   $dxdy = 6852$ 

8732.97 16492.73 x 11830.75 8732.97

r value = .647

13488.03

सलूम्बर तथा खेरवाड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों के प्राप्तांकों पर सह संबंध मूल्य है मूल्य है •647 प्राप्त हुआ । यह मूल्य धनात्मक संबंध प्रकट करता है । इससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों अध्यापकों की राथ में बहुत समानता है ।

६व६ खेरवाड़ा और कोटड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृत्ति में सह संबंध बात करना ~

राजस्थान सरकार इतारा दी जाने वाली विशोध सुविधाओं पर सेरवाड़ा और कोटड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति बात की गई। अभिवृति प्राप्तांकों पर सह संबंध बात करने स्तु सरवाड़ा के प्राप्तांकों को मानकर तथा कोटड़ा के प्राप्तांकों को मानकर विश्वेषणा किया गया है जो इस प्रकार है -

# खेरवाड़ा व कोटड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सह संबंध का विलेश का -

$$dx = -145$$
  $dx^2 = 11045$   $dy = 9$   $dy^2 = 1387$   $dxdy = 1725$ 

$$\frac{-145 \times 9}{1725 - 36}$$

$$11047 - \frac{-145}{36} \times 1387 - \frac{9}{36}$$

$$\frac{1305}{1725 - 36}$$

$$11047 - \frac{21025}{1296} \times 1387 - \frac{81}{36}$$

$$\frac{1725 - (-36.25)}{11047 - 16.22 \times 1387 - .062}$$

$$\frac{1725 + 36.25}{11047 - 16.22 \times 1387 - .062}$$

$$\frac{1761.25}{3910.60} = .450$$

r == .450

खेरवाड़ा तथा कोटड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति पर सहसंबंध मूल्य • 450 प्राप्त हुआ । यह संबंध भी धनात्मक है । इससे स्पष्ट होता है कि दोनों अध्यापकों की राय में भी काफी समानता है ।

श्र्य कोटड़ा तथा सराड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति पर सह संबंध -

कोटड़ा तथा सराड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की राज्य सरकार द्वारा शिक्षा विकास हेतू दी जाने वाली विकोध सुविधाओं पर अभिवृति कात की गई। अभिवृति के प्राप्तांकों पर सह संबंध कात करने हेतू कोटड़ा के प्राप्तांकों को तथा सराड़ा के प्राप्तांकों को मानकर विक्लेखणा किया गया है, जो इस प्रकार है -

लगातार ••••

(5) 
$$dx^2 = 1378$$
,  $dy = 51$ ,  $dy^2 = 15000$   $dxdy = 2301$ 

$$1378 - \frac{9}{36} \times 15000 - \frac{-51}{36}$$

1386.36 x 14/997. 99

r = .507

कोटड़ा तथा सराड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों के प्राप्ताकों पर सह संबंध मूल्य •503 प्राप्त हुआ। यह मूल्य धनात्मक है। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों अध्यापकों की राय में बहुत समान्ता है।

हरहे सराङ्ग तथा धरियावद पंचायत समितियों के अध्यापकों की 
सराज़ा तथा धरियावद पंचायत समितियों के अध्यायकों की अभिवृत्तित पर सह संबंध जात करने हेतु सराज़ा के प्राप्ताकों को तथा धरियावद के प्राप्ताकों को मानकर विश्लेषणा किया गया जो इस प्रकार है -

> सराङ्गा व धरियावद पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृद्धि में सह संबंध का विक्रतेषणा -

dx = 51,  $dx^2 = 15000$  dy 220  $dy^2 = 18690$  dydy = 12959

$$12959 - \frac{-51 \times 220}{36}$$

$$15,000 - \frac{-15}{36} \times 18960 - \frac{220}{36}$$

15000 - 2601 x 18960 - 48400 1296

n de maria

15000 - 2,006 x 18960 - 37.34

14997.99 x 18922.66

$$\frac{13270 \cdot 66}{16846 \cdot 39} = .78$$

r = .78

### पैचम परिच्छेद

#### दत्ती का शास्त्रियकी विश्लेषणा:

अनुसंधान में दत्त किलोकणा एक महत्वपूर्ण कार्य है। इन्हें कई विधियों द्वारा प्रदिश्ति किया जाता है। सामान्य अंक कई बार भुलावें में उनल देता है, अत: अनुसंधानकर्ता अपने अनुसंधान कार्य में संगिष्धिकीय विधि का उपयोग करता है। प्रस्तुत अनुसंधान कार्य में दत्तों के किलोकणा को कई विधियों से प्रदिश्ति किया है। परिच्छेद तृतीय में दत्तों का सामान्य विश्लेषणा दशाया गया था। इसमें प्रतिशात एवं मध्यांक का उपयोग किया गया था। प्रस्तुत अध्याय में दत्तों को सह संबंध विधि, ײ विधि तथा है टेस्ट परीक्षण दशाया गया है। सह संबंध, दिशा है टेस्ट का प्रयोग क्यों और कैसे किया गया है। इसे परिच्छेद एक में विस्तार से बताया गया है। इस परिच्छेद एक में बताय गया है। इस परिच्छेद एक में बताया गया है।

# १28 दत्तों का सह संबंध विधि द्वारा विश्लेषणा :

अध्यापकों की अभिवृत्ति मापनी द्वारा प्राप्त दत्तों पर उदयपुर जिले की क्यन्ति सात पंचायत समितियों यथा, गिरवा,झाड़ोल, सलूम्बर,खेरवाड़ा, कोटड़ा, सराड़ा तथा धरियावद में आपसी सह संबंध जात किया गया है। इस हेतु दो दो पंचायत समितियों का जोड़ा बनाया गया है और इन्हें आपस में जांचा गया है।

अ्ष्रिता और झाडोल पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृत्ति में सह संबंध का विश्लेषणा −

अभिवृत्ति से प्राप्त दत्तों का उपयोग इस हेतु किया गया है।
गिर्वा पंचायत समिति को × तथा आडौल को प्र मानकर इनका विश्लेष्णा
नीचे दशाया गया है:-

प्राप्तांक	dx 2	प्राप्तांक	(	dy <sup>2</sup>	-
x	§IIO∛ dx	У	dy(100)		dxdy
		4	<u> </u>		
110	0 0	106	+6	36	0
116	+6 36	117	+17	290	
76	-34 1156	70	-30	900	102
84	-16 256	62	-38	1 444	1020
100	-10 10	72	-28	784	608
132	<b>†22 484</b>	121	+21	441	280
123	+14 196	123	+23	529	462
110	0 0	61	-39	1521	322
116	+6 36	92	-8	64	0
110	-o o	99	-1	1	45
114	+4 16	98	-2	4	Ö
124	+14 196	98	<b>-</b> 2	4	8
112	+2 4	117	+17	281	28
	+12  44	128	+28	784	34
1 22		118	+18	324	336
120	+10 100				

Ī	2					
			4	5	6	
120	+10	100	107	+7	49	70
134	+24	576	112	+12	144	120
126	+16	256	122	+22	484	528
124	+14	196	108	<del>+</del> 8	64	128
136	+16	256	111	+11	121	154
124	+14	I 96	111	+11	121	176
126	+16	256	96	4	16	112
118	+8	64	93	<b>-</b> 7	49	88
112	+2	4	89	-11	121	2
122	+12	144	101	+1	1	12
118	+ 8	64	99	-1	1	8
108	- 2	4	95	-5	25	lc
124	+14	196	87	-13	169	182
136	+26	676	123	+23	529	598
124	+14	196	127	+27	729	378
124	+14	196	95	<b>-</b> 5	25	7(
126	+16	256	102	+2	4	32
110	-0	0	<b>7</b> 7	-23	529	Ç
100	-10	100	76	-24	576	24
122	+12	144	103	+3	9	3
112	<b>†</b> 2	4	92	-8	64	ı
	+328	6608	. •	+257	11244	62
	- 62		eridi. Tilonomia	-249		
	t 266	See a second	·	+ 8		
		2	<u> </u>			
	,			. 118 + S. B. + J. S. + .		

१।१ गिरवा और इसाडोल पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृत्ति में सह संबंध का विश्लेषण :-

$$dx = 266$$
  $dx^2 = 6608$   $dy = 8$   $dy = 11244$   $dxdy = 6264$ 

$$6264 - \frac{266 \times 8}{36}$$

सह संबंध का प्राप्त मृत्य + •85 प्राप्त हुआ । यह मृत्य उच्च स्तर का धनात्मक सह संबंध है। इससे स्पष्ट होता है कि गिरवा और पंचायत समिति के अध्यापकों शिक्षा के विस्तार हेतु सरकार दी जाने वाली विशोध सुविधाओं की अभिवृति में बहुत अधिक समानता पाई गई।

थूंब्रू झाड़ौल व स्लूम्बर पंचायत सतितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सह संबंध का विक्लेषणा :-

झाड़ौल तथा सलूम्बर पंचायत समितियों के अध्यापकों की शिक्षा कित्रों किता से स्वार द्वारा दी जाने वाली विशोध सुविधाओं पर अभिवृति कात की गई। अभिवृति के प्राप्तांकों पर सह संबंध कात करने हेतु झाडोल के प्राप्तांकों को \* तथा सलूम्बर के प्राप्तांकों को y मानकर सह संबंध मूल्य कात किया गया जो इस प्रकार है:-

साड़ील व सलूम्बर पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृत्ति में सह संबंध का विक्लेष्णा:-

				2				
×	d x (100)	dx <sup>2</sup>	у	dy(100)	dy <sup>2</sup>	dxdy		
7	2	3			6	7		
106	+6	36	109	+9	81	486		
117	+17	289	126	+26	67 <b>6</b>	442		
70	-30	900	95	- 5	25	150		
62	~38	1444	54	-46	2116	1748		
72	-28	784	101	+ 1	l	-28		

121	<del>†</del> 21	441	128	+28	784	588
123	+23	529	128	+28	784	644
61	-39	1521	83	-17	9289	663
92	-08	64	95	- 5	25	200
99	- 1	l.	96	- 4	16	. 4
98	- 2	4	1,17	+17	290	-34
98	- 2	4	126	<del>†</del> 26	676	<b>-</b> 52
117	+17	290	173	+31	961	-527
128	<del>†</del> 28	784	131	+ 3	961	-668
110	+18	324	121	+21	441	378
107	<b>†</b> 7	49	121	+21	441	147
112	+12	144	133	+33	1089	396
122	+22	484	125	+25	625	550
108	+ 8	64	124	+24	576	192
111	+11	121	128	<b>†26</b>	784	308
111	+11	121	134	+34	1156	374
96	-4	16	112	+12	144	-48
93		49	93	- 7	49	49
89		121	117	+17	289	-187
101		121	+21	121	441	21
99		1	120	+20	400	- 20
95		25	125	+25	625	-125

ه ادامه خیب بیبن چی بیبن ای شدی بیبن چین بیبن پیش			4			7.
102	+2	4	96	-4	16	-8
77	-23	529	89	-11	121	253
76	-24	576	103	+ 3	9	-72
103	+ 3	9	102	† 2	4	6
92	- 8	84	102	+ 2	4	<b>-16</b>
	+257	11244		+566	16661	8823
	-249			- 99		
	+ 8			+ 467		

कार्जील व स्तूम्बर पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृत्ति में सह संबंध का विश्लेषणा -

$$dx = 8$$
  $dx^2$  11244  $dy = 467$   $dy^2 = 16661$   $dxdy = 8823$ 

$$\mathbf{r} = 8823 - \frac{8 \times 467}{36}$$

$$\left(\begin{array}{c} 11244 - \frac{(8)^2}{36} \\ \end{array}\right) \left(\begin{array}{c} 1561 - \frac{(467)^2}{36} \\ \end{array}\right)$$

11242. 23 X 10602.98

सह संबंध का प्राप्त मूल्य + •79 प्राप्त हुआ । यह मूल्य उच्च स्तर का धनात्मक सह संबंध है। इससे स्पष्ट होता है कि झाड़ौल और सलूम्बर पंचायत समितियों के अध्यापकों की शिक्षा के विस्तार हेतु सरकार द्वारा दी जाने वाली विशोष सुविधाओं की अभिवृत्ति में बहुत समानता पाई गई।

१ सि सलूम्बर तथा खेरवाङ्ग पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृत्ति पर सह संबंध -

सल्म्बर व वेरवाड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों की शिक्षा के विस्तार हेतु राजस्थान सरकार द्वारा दी जाने वाली अतिरिक्त सुविधाओं पर अभिवृति मापनी द्वारा प्राप्त ज्ञात किया गया । प्राप्ताकों पर सह संबंध ज्ञात करने हेतु सल्म्बर के अध्यापकों के प्राप्ताकों को तथा वेरवाड़ा के अध्यापकों के प्राप्ताकों को मानकर विश्लेखणा किया गया हे जो इस प्रकार है -

×	dx = (100)	d×	y	dy 🔭 ( 95 )	dy <sup>2</sup>	ц <b>Х</b> ДА
1	2				6	7_
109	+9	81	90	<b>-</b> 5	25	-45
126	<del>†</del> 26	676	107	+12	144	312
95	- 5	25	70	<b>-</b> 25	625	125
54	-46	2116	54	-41	1681	1886
	<b>=</b> 1	1	85	-10	100	-10
101		784	· 98	+ 3	9	84
128	+ 28		102	+ 7	49	196
128	+ 28	784			1681	697
83	- 17	289	54	-14		
95	- 5	25	69	-26	676	130

~	~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~		· · · ·	ر کام شدر بود این کی چیا داند کام در	و د د د د د د د د د د د د د د د د د د د	
100 min 400 feet feet p		3	4	5	6	
96	-4	16	85	-10	100	40
117	+17	290	98	+ 3	9	51
126	+26	67 <b>6</b>	91	- 4	16	-416
131	+31	961	106	+11	121	341
131	+31	961	112	+17	289	52 <b>7</b>
121	<b>†2</b> 1	441	83	-12	144	-252
121	<del>†</del> 21	441	90	- 5	25	-525
133	+33	1089	101	+ 6	36	1188
125	+25	625	99	+ 4	16	400
124	+24	576	91	- 4	16	-384
128	+28	784	106	+11	121	308
134	+34	1156	101	+ 6	36	1224
112	+12	144	99	+ 4	16	48
93	- 7	49	106	+11	121	<b>-77</b>
117	+17	290	81	-14	196	-238
121	<b>†2</b> 1	441	96	+ 1	1	21
120	+20	400	89	- 6	36	-120
125	+25	625	95	0	0	0
125	+25	625	105	+10	100	250
124	+24	576	101	+ 6	38	144
UII	+11	1.21	103	+ 8	64	88

	2	**************************************				
- 100 to 100		3	4	5	6	7
121	<del>†</del> 21	441	134	+39	1521	819
96	- 4	16	95	0	0	0
89	-11	121	73	-22	484	24
103	+ 3	9	51	-44	1936	-13
102	+ 2	4	76	-19	361	- 3
102	+ 2	4	79	-16	256	- 3
	 Lecc					
	+566	16661		+159	11047	+ 91
	- 9 <b>9</b>			-364		- 22
	467			- 145	<b>-</b> # # <b>-</b> -	+ 91
				مين جيد اسم هوا هن ا		- 22
						68

§ 3 है सलूम्बर तथा खेरवाड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृत्ति पर सह संबंध -

$$dx = 467$$
  $dx^2 = 16661$   $dy = -145$   $dy^2 = 11047$   $dxdy = 6852$ 

$$467 \times 145$$

$$36$$

+ .82

सलूम्बर तथा खेरवाड़ा पंचायत सिमितियों के अध्यापकों के प्राप्ताकों पर सह- संबंध मूल्य + ·82 प्राप्त हुआ । यह मूल्य उच्च स्तर का धनात्मक सह संबंध प्रकट करता है । इससे यह स्पष्ट होता है कि दोगे पंचायत सिमितियों के अध्यापकों की राय में बहुत समानता है ।

१द१ रेरवाड़ा और कोटड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सह संबंध ज्ञात करना -

राजस्थान सरकार द्वारा दी जाने वाली विशोध सुविधाओं पर खेरवाड़ा और कोटड़ा पंचायति समितियों के अध्यापकों की अभिवृति ज्ञात की गई। अभिवृति प्राप्ताकों पर सह संबंध ज्ञात करने हेतु खेरवाड़ा के प्राप्ताकों को x तथा कोटड़ा के प्राप्ताकों को y मानकर विश्लेषणा किया गया है जो इस प्रकार है:-

खेरवाड़ा और कोटड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सह सेबंध का विश्लेषणा

×	dx≖ 95 d	x <sup>2</sup>	у	dy≕90	dy <sup>2</sup>	<u>d xdy</u>
90	<del>-</del> 5	25	77	-13	169	65
187	+12	144	77	-13	169	-156
70	-25	625	77	-13	169	-325
54	-41	1681	72	-18	324	-438
85	-10	100	94	+ 4	16	- 40
98	+ 3	9	94	+ 4	16	12
102	+ 7	49	92	+ 2	4	Ļ4
54	-4 l	1681	88	- 2	4	82
69	-26	676	92	+ 2	4	-52
85	-10	100	95	+ 5	25	-50
98	+ 3	9	92	+ 2	4	6
91	- 4	16	94	+ 4	16	-16
106	+11	121	95	+ 5	25	<del>-</del> 55
112	+17	289	92	+ 2	4	34
83	-12	144	95	+ 5	25	-60
90	- 5	25	95	+ 5	25	-25
101	+ 6	36	95	+ 5	25	30
99	+ 4	16	94	+ 4	16	16
91	- 4	16	93	+ 3	9	-12
106	+11	121	95	+ 5	25	55

101	<del>†</del> 6	36	95	+5	25	30
99	+4	16	91	+1	ı	4
106	+11	121	84	-6	36	-66
81	-14	196	88	-2	4	28
96	+ 1	Ţ	94	+4	16	4
89	- 6	36	89	-1	1	6
95	0	0	95	+5	25	0
105	+10	100	94	+4	16	40
101	+ 6	36	95	+5	25	30
103	+ 8	64	95	+5	25	40
154	+39	1521	93	+3	9	117
95	0	0	92	+2	4	0
73	-22	484	84	+6	36	1 32
51	-44	1 936	83	-7	49	308
76	-19	361	85	-5	25	95
79	-16	256	94	+4	16	-64
	and some four while year stime.					*** *** ***
	+159	11047		+ 95	1387	<b>†</b> 2266
	-304			- 86		541
	-145			+ 9		+ 1725
						200 page 1700 page

१४० हेरवाङ्ग व कोटङ्ग पंचायत समिति के अध्यापको की अभिवृति
 में सह संबंध का विक्लेषणा -

$$dx = 145$$
  $dx^2 = 11045$   $dy = 9$   $dy^2 = 1387$   $dxdy = 1723$ 

$$11045 - \frac{(-145)}{36} \times 1387 - \frac{(9)^2}{36}$$

11045 - 584.02 1387-2.25

खेरवाड़ा तथा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति पर सह-तंबंध मृत्य •46 प्राप्त हुआ । यह सह संबंध भी धनात्मक प्राप्त हुआ है । इससे यह स्पष्टट होता है कि दोनों अध्यापकों की राय में भी काफी समानता है ।

रू घर कोटड़ा तथा सराड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति पर सह संबंध -

कोटड़ा तथा सराड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की राज्य सरकार द्वारा शिक्षा विकास हेतु दी जाने वाली विशेष सुविधाओं पर अभिवृति जात की गई। अभिवृति के प्राप्ताकों पर सह संबंध जात करने हेतु कोटडा के प्राप्ताकों को अभिवृत्ति के निया सराड़ा के प्राप्ताकों को अभिवृत्ति के निया सराड़ा के प्राप्ताकों को अभिवृत्ति के निया सराड़ा के प्राप्ताकों को अभिवृत्ति के निया निया जो इस प्रकार है:-

2

	- 0		,	_	~	
	= 2			100		
77	-13	169	92	-8	64	104
77	-13	169	121	+21	441	-273
77	-13	169	62	-38	1444	494
72	-10	324	45	-55	3025	990
94	+ 4	16	105	† 5	25	-20
94	+ 4	16	114	+14	196	56
92	+ 2	4	119	+19	361	36
88	-2	4	48	-52	2704	104
92	+2	. 4	71	-29	841	<b>-</b> 58
95	+5	25	90	-10	100	-50
-	4					

92	+2	4	108	<b>+</b> 8	64	16
94	+4	16	118	+18	324	72
95	+5	25	103	<b>†</b> 3	9	15
92	+2	4	130	+30	900	60
95	+5	25	107	+ 7	49	<b>35</b>
95	+5	25	102	+ 2	4	10
95	+5	25	1 32	+32	1024	160
94	+4	16	131	+31	961	124
93	+3	9	95	- 5	25	-15
95	+5	25	111	+11	121	15
95	+5	25	113	+13	169	65
91	+1	, 1	97	-3	9	-3
84	<b>-</b> 6	36	104	+4	16	-24
83	-2	4	89	-11	121	22
94	+4	16	106	+ 6	36	24
89	-1	t.	106	+ 6	36	<b>-</b> 6
95	+5	25	96	-4	16	-20
94	+4	16	103	+3	9	12
95	+5	25	111	+11	121	55
95	+5	25	108	<b>+</b> 8	64	40
93	+3	9	. 83	-17	289	<b>-</b> 51
92	+2	4	105	+5	25	10
84	-6	36	74	-26	676	156

१५६ कोटड़ा तथा सराड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अध्यापकों की अध्यापकों की अध्यापकों की अध्यापकों की

$$dx = 9$$
  $dx^2 = 1378$   $dy = -51$   $dy^2 = 15000$   $dxdy = 2301$ 

2301 + 12.75

	2013.15	
<b></b>	1375.75 x 14927.75	
= =	2313.75	
	20536852	

2313.75 + .51 4531.76

कोटड़ा पंचायत समिति तथा सराड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों के प्राप्तांकों पर सह संबंध मूल्य + •5। प्राप्त हुआ यह उच्च धनात्मक सह संबंध है। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों अध्यापकों की राय में बहुत समानता है।

११
सराङ्ग तथा धरियावद पंचायत समितियों के अध्यापकों की
अभिवृति में सह-संबंध जात करना -

सराड़ा तथा धरियावद पंचायत समिति के अध्यापकों की अभिवृत्ति पर सह संबंध जात करने हेतु सराड़ा के प्राप्तांकों को दि तथा धरियावद के प्राप्तांकों को प्रमानकर विक्रलेषणा किया गया जो इस प्रकार है -

१ र १ सराङ्ग तथा धरियावद पंचायत समितियों के ऋयापकों की अभिवृति में सहसंबंध का विश्लेषणा -

	= 2 100		·	= 100	2	
92	-8	64	110	+10	100	-80
121	+21	441	126	+26	676	546
62	-38	1444	60	-40	400	1520
45	-55	3025	54	-45	2116	2530
105	+ 5	25	98	- 2	4	-10
114	+14	196	66	-34	1156	-476
119	+19	361	127	+27	729	513
48	-52	2704	54	-96	2116	2392
71	-29	841	78	-22	484	638
90	-10	100	85	-15	225	150
108	+8	64	115	+15	225	120
118	+118	324	111,	+11	121	198
103	+ 3	9	110	+10	100	30
130	+ 30	900	141	+41	1681	1230
107	+ 7	49	108	<del>†</del> 8	64	56
102	+ 2	4	108	+8	64	16
132	+32	1024	138	+38	1444	1216
131	+31	961	115	+15	225	465
95	-5	25	113	+13	169	65

111	+ 11	121	119	+19	361	209
113	+13	169	128	+28	<b>7</b> 84	364
97	- 3	9	110	<del>†</del> 28	100	-30
104	+ 4	16	111	+11	121	44
89	-11	121	106	<b>+</b> 6	36	-66
106	+ 6	36	116	+16	256	96
1 06	+ 6	36	102	+2	4	12
96	<del>m</del> 4	16	125	+25	625	-100
103	+ 3	9	128	+28	324	84
Ш	+111	121	136	+36	1296	396
108	+ 8	64	125	<del>†</del> 25	625	200
83	-17	289	123	<del>†</del> 23	529	-391
105	+5	25	116	+16	256	80
74	-26	676	85	-15	225	390
80	-20	400	77	-23	529	460
86	-14	196	114	+14	196	-196
84	-16	256	82	-18	324	288
ŲΨ		'			## ## ## ## ## ## ## -	
	-308	15000		+481	18690	+14308
	+257			-261 		-1349 
				220		+12959
	- 5l			4		****

% कराङ्ग तथा धरियावद पंचायत समितियों के अध्यापकों की
अभिवृति में सहसंबंध जात करना -

$$dx = 51$$
  $dx^2 = 15000$  dy 220  $dy^2 = 18960$  dxdy=12959

सराङ्ग तथा धरियावद पंचायत समिति के अध्यापको के प्राप्ताकों पर तह लेक्स मृत्य + 18 प्राप्त हुआ । यह उच्च स्तर का धनात्मक सह संबंध है । इससे स्पष्ट होता है कि दोनों अध्यापकों की राय बहुत समान्ता है ।

### सह संबंध विक्लेष्ण के प्रमुख निष्कर्ष -

- । । गिरवा तथा बाड़ोल पंचायत समितियों के अध्यापकों की राथ में धनारनक सह संबंध पाया गया ।
- 28 गिर्वा तथा बाड़ोल के अध्यापकों की राय में भी धनात्मक सह संबंध पाया गया।
- 3 । आड़ोल तथा सलूम्बर के अध्यापकों की राय में भी धनात्मक सह संबंध पाया गया।
- 4 सलूम्बर तथा खेरवाड़ा के अध्यापकों की राय में धनात्मक सह संबंध पाया गया।
- 58 खेरवाड़ा तथा कोटड़ा के अध्यापको की राय में भी धनात्मक सह संबंध पाया गया।
- 68 कोटड़ा व सराड़ा के अध्यापकों की राय में भी धनात्मक सह संबंध पाया गया।
- 7% सराङ्ग तथा धरियावद के अध्यापको की राय में भी धनात्मक सह संबंध पाया गया।

## सार्ज्यकीय विश्लेषका

# काइ स्ववायर द्वारा परिकल्पना का परीक्षण -

परिकल्पना को सार्थक बनाने के लिए का उपयोग किया गया है। विकल्पना को सार्थक बनाने के लिए किया गया है।

सूत्र :-

डिग्री की स्वतंत्रता के लिए ((-1) X (४-1) को काम में लिया है

इस सूत्र में दत्तों की आवृतियों को मानी गई आवृतियों से बाकी निकाला गया है। इसके बाद मानी गई आवृति से उस संख्या में भाग देते हैं और प्राप्त संख्या को जोड़ देते हैं। यही प्राप्त संख्या

अ का मूल्य होता है। इस मूल्य को सारिणा मूल्य से तुलना की जाती है।

स्वतंत्रता स्तर को जात करने हेतु (C-1) X (Y-1) का सूत्र लगाया गया । इसका अर्थ होता है कि जितने कालम है उसमें से एक को बाकी निकालना तथा जितनी पिक्तया है उसमें से एक को बाकी निकाल कर दोनों संख्याओं को आपस में गुणा करना गुणो से प्राप्त संख्या को स्वतंत्रता का स्तर माना गया है । अनुसंधान में प्राप्त दत्तों के मध्यांक की योग पर

# काइ स्कायर परीक्षण

1130-96 110-2 13-2 12700 11-97 -17-93 6-34 0-07 13-28 321-48 40-195 0000-49 14 1-119 2-512 314 -0000000 (C-1) × (Y-1) (Z-1) × (Y-1) स्विता स्तर 6 पर भू स्वा 137-643 प्राप्त हुआ।	11.94	= 144.45 123.03 = 16.511 - 4.9 = 16.913.532 48.02 = 132.209 .375 = = 137.643 मूल्य स्वतंत्रता स्तर जात करने हेतु	= 144.45 = 16.511 =16.913.532 = 132.209 = = = = स्वांजा सार
--	-------	---	--

उन्त सारणों के अनुसार सभी पंचायत सिमतियों के अध्यापकों के अभिवृति प्राप्तां का प्रिम्च 137.643 प्राप्त हुआ यह मृत्य सारणों में 6 स्वतंत्रता स्तर पर दिए गए सारणों मृत्य से अधिक पाया गया। इसका अर्थ यह हुआ कि परिकल्पना सार्थक पाई गई अर्थात सभी अध्यापकों की राय में जनजाति वर्ग को दी जाने वाली विद्योष सुविधाओं का शिक्षा के विकास पर प्रभाव पड़ता है।

## दत्ती पर 🕮 सूत्र का परीक्षण -

प्रस्तुत अनुसंधान कार्य को प्रमाणाकता के निकट लाने हेतु सूत्र का उपयोग किया गया।

सूत्र का विश्लेषणा

= is difference between two sample means.

<sup>(1)</sup> Lonise H. " Research Methods in Scocial Science

Kidder Relation ", Holt, Rinehart and Winston

New York 1980, pp 338

- sample is number of observation in the sample.
- is the variances of sample one and sample two.
- SP is the pocled variance of the two sample.

# र्सूत्र द्वारा दत्ती के विश्लेषणा की विधा -

Larger the value of t the less likely it is that the nullhypothesis is true and consequently, the more probable the sample represent different population. This should make sence from looking at the formula. The larger the difference between the sample. The larger the numberator will be and thus the larger. (1)

लूइस एचं कींडर महोदय ने ट्रिस्ट को स्पष्ट करते हुए लिखा है कि इस परीक्षण द्वारा दो चरों के बीच पाए जाने वाले अंतर को बात किया जाता है। इन्होंने आगे स्पष्ट किया कि जितना का मान अधिक होगा उतने ही शून्य परिकल्पना सही होगी।

प्रस्तुत अध्ययन में उदयपुर जिले की सातो पंचायत समितियो प्राप्ताको पर परिका किया गया है।

#### सारणी:

# ट्रस्ट परीक्षणा के मूल्य एवं परिकल्पना की सार्थकता

क्रoस <u>o</u>	नाम तहसील	टेस्ट प्राप्त मृत्य	सार्थकता∕ निरर्थकता
1 2 3 4 5	गिरवा/झाड़ोल झाड़ोल/सनुम्बर सलूम्बर/खेरवाड़ा खेरवाड़ा/कोटड़ा कोटड़ा/सराड़ा सराड़ा/धरियावद	0.0179623 0.356162 0.011887 0.017633 0.0148043	सार्थक सार्थक सार्थक सार्थक सार्थक सार्थक

उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट होता है कि सभी पंचायत समितियों में आपसी तुलना करने पर मूल्य बहुत ही कम प्राप्त हुआ। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि सभी पंचायत समितियों की राय में बहुत समानता है। इनमें अन्तर बहुत ही नगण्य प्राप्त हुआ।

= +•722

सह संबंध का प्राप्त मूल्य •722 प्राप्त हुआ । यह मूल्य धनात्मक है । इससे यह स्पष्ट होता है कि गिरवा और पंचायत समिति के अध्यापकों की शिक्षा के विस्तार हेतु सरकार द्वारा दी जाने वाली विशोष सुविधाओं की अभिवृति में बहुत अधिक समानता पाई गई ।

४व४ बाड़ोल व सल्मबर पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सह संबंध का विश्लेषणा -

क्षाड़ोल तथा सलूम्बर पंचायत समितियों के अध्यापकों की शिक्षा विकास हेतु राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं पर अभिवृति कात की गई। अभिवृति के प्राप्तांकों पर सह संबंध कात करने हेतु झाड़ोल के प्राप्तांकों को तथा सलूम्बर के प्राप्तांकों को मानकर सह संबंध मूल्य कात किया गया जो इस प्रकार है -

$$8823 - \frac{8 \times 467}{36}$$

$$11244 - \frac{8}{36} \times 16661 - \frac{467}{36}$$

$$8823 - \frac{3736}{36}$$

$$11244 - \frac{8}{36} \times 16661 - \frac{467}{36}$$

 $11244 - \frac{64}{1296} \times 16661 - \frac{218089}{1296}$ 

8720

11244 - 049 x 16661-168.27

8720

11243.51 x 16492.73

8720 ------= .640 13617.48

r value = .640

सह संबंध का प्राप्त मूल्य .640 प्राप्त हुआ । यह मूल्य धनात्मक है । इससे यह स्पष्ट होता है कि झाड़ोल और सलूम्बर पंचायत समितियों के अध्यापकों की शिक्षा के विस्तार हेतु सरकार द्वारा दी जाने वाली विशोष सुविधाओं की अभिवृति में बहुत अधिक समानता पाई गई।

४ स्तूम्बर तथा खेरवाड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति पर सह संबंध -

सलूम्बर व खेरवाड़ा पंचायत समिति के अध्यापकों की शिक्षा के विस्तार हेतु राजस्थान सरकार द्वारा दी जाने वाली

अतिरिक्त सुविधाओं पर अभिवृति मापनी द्वारा प्राप्तांक जात किया गया । प्राप्तों पर सह संबंध जात करने हेतु सलूम्बर के अध्यापकों के प्राप्तांकों को तथा खेरवाड़ा के अध्यापकों के प्राप्तांकों को मानकर विश्लेषणा लिया गया जो इस प्रकार है।

सलूम्बर व खेरवाड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सहसंबंध का विश्लेषणा -

$$dx = 467$$
  $dx^2 = 16661$   $dy = -145$   $dy^2 = 11047$   $dxdy = 6852$ 

r value = .647

सलूम्बर तथा धेरवाड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों के प्राप्ताकों पर सह संबंध मूल्य १ मूल्य १ •647 प्राप्त हुआ । यह मूल्य धनात्मक संबंध प्रकट करता है । इससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों अध्यापकों की राय में बहुत समानता है ।

१८१ खेरवाड़ा और कोटड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सह संबंध ज्ञात करना -

राजस्थान सरकार द्वारा दी जाने वाली विशोष
सुविधाओं पर खेरवाड़ा और कोटड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों
की अभिवृति जात की गई। अभिवृति प्राप्तांकों पर सह संबंध जात
करने हेतु खेरवाड़ा के प्राप्तांकों को मानकर तथा कोटड़ा के
प्राप्तांकों को मानकर विश्लेषणा किया गया है जो इस प्रकार है -

## खेरवाड़ा व कोटड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति में सह संबंध का विलेश षणा -

$$dx = -145$$
  $dx^2 = 11045$   $dy = 9$   $dy^2 = 1387$   $dxdy = 1725$ 

$$\frac{-145 \times 9}{1725 - 36}$$

$$11047 - \frac{-145}{36} \times 1387 - \frac{9}{36}$$

$$\frac{1305}{1725 - 36}$$

$$11047 - \frac{21025}{1296} \times 1387 - \frac{81}{36}$$

$$\frac{1725 - (-36.25)}{36}$$

$$\frac{1725 + 36.25}{11047 - 16.22 \times 1387 - .062}$$

$$\frac{1761.25}{3910.60} = .450$$

r = .450

खेरवाड़ा तथा कोटड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृति पर सहसंबंध मूल्य · 450 प्राप्त हुआ । यह संबंध भी धनात्मक है । इससे स्पष्ट होता है कि दोनों अध्यापकों की राय में भी काफी समानता है ।

४ूंय को टड़ा तथा सराड़ा पंचायत सिमितियों के अध्यापकों की अभिवृति पर सह संबंध -

कोटड़ा तथा सराड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों की राज्य सरकार द्वारा शिक्षा विकास हेत् दी जाने वाली विश्लेष सुविधाओं पर अभिवृति ज्ञात की गई। अभिवृति के प्राप्तांकों पर सह संबंध ज्ञात करने हेत् कोटड़ा के प्राप्तांकों को तथा सराड़ा के प्राप्तांकों को मानकर विश्लेषण किया गया है, जो इस प्रकार है -

(5) 
$$dx^2 = 1378$$
,  $dy = 51$ ,  $dy^2 = 15000$   $dxdy = 2301$ 

$$1378 - \frac{9}{36} \times 15000 - \frac{-51}{36}$$

$$r = .507$$

कोटड़ा तथा सराड़ा पंचायत समितियों के अध्यापकों के प्राप्ताकों पर सह संबंध मूल्य •503 प्राप्त हुआ। यह मूल्य धनात्मक है। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों अध्यापकों की राय में बहुत समानता है।

१र१ सराज़ा तथा धरियावद पंचायत समितियो' के अध्यापको की अभिवृद्धि में सहसंबंध ज्ञात करना −

सराड़ा तथा धरियावद पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृत्ति पर सह संबंध ज्ञात करने हेतु सराड़ा के प्राप्ताकों को तथा धरियावद के प्राप्ताकों को मानकर विश्लेषणा किया गया जो इस प्रकार है -

> सराङ्ग व धरियावद पंचायत समितियों के अध्यापकों की अभिवृद्धि में सह संबंध का विश्लेषण -

dx = 51,  $dx^2 = 15000$  dy 220  $dy^2 = 18690$  dydy = 12959

$$\begin{array}{r}
12959 - \frac{-51 \times 220}{36} \\
15,000 - \frac{-15}{36} \times 18960 - \frac{220}{36} \\
12959 - \frac{-11220}{36}
\end{array}$$

$$15000 - \frac{2601}{1296} \times 18960 - \frac{48400}{1296}$$

15000 - 2.006 x 18960 - 37.34

$$= \frac{13270.66}{16846.39} = .78$$

$$r = .78$$

## was along

artin, insol, gara :

COTONT:

ather finds by after a dollars to strang

## design sections of

भारत वर्ष वर्ष कारियों का पुदेश है। विदेशों देवें
आरियों का अवायक्षण करते हैं। देते देवों में तो बनों के
अर्थार पर बार पुकार की जारियों; इंग्लिंग, वेडच, इसी
और बहु हो मानी गई है किन्दु कालान्तर में दन आरियों
में इतना परिवर्धन अर्था कि इनका पुत्त स्वस्प हो तमास्त
हो गया। रेतिहासिक काल में भारत दर्भ में जिन जारियों
पर होता। सेतिहासिक काल में भारत दर्भ में जिन जारियों
पर होता। सेतिहास गयाह है कि अर्थ भी भारत के बाहर
के अर्थ है। यहाँ के हुल किवादी बायद द्रांबड और अर्थन-

रावरवान के बोतबात में इन बांतानों को देन मंदर पर्व आवादी पर नर भिटने वाली बांति के नाम के वाना जा बनता हैं। भेगाइ का दोतबात नवाह है कि रामा पुरस्य ने देन के दिस बांतवान और रचान अके नहीं किया। पुष्टाम के ताथ क्या के जन्या मिलाकर न्त्रीसुराजा वनवांतियों का सरदार अपनी तम्मूर्व लांति के ताथ था। मोसुराजा ने न नेवल कुछ में अंपन्न का निवास में वेश में बांति पर्व प्यवस्था बनाई रक्ते में रामा का नाथ क्षेत्रा दिया है। भेगाइ का राष्ट्रांचन्त्र निवास रामा के साथ-वाथ मीसुराजा जा भी दिन्ह है भोसुराजा एवं उठकी बांति को मेगाइ में दिने महें सम्मान को आक भी पुढांबीत कर रहा है।

वहीं नहीं सेवाह और जेर के नाम के गांदर देगा ने स्पेका जातम में जारित बनाएं रहते में तस्वीम दिया हैं। वहीं वेदाह और बोर ज़िटीश कार में भी और स्वीस्था के बाद भी अपनी पुरानी वादों जो तरी तादा बरती हैं।

राजरणान को यह आदिवासो जारित सवाब है दल हो जोती एवं महतवात है। गरोबो, उन्पद रवं प्रश्नेत ते जो रहते है हनों और भी साहत वहां हैं। यह जारित रंज कोर को प्रश्नेत के इन्तों है वही समाज ने भी कालान्तर में दलना गोवन हुन कर दिया । गरोबों के सरम इन्ते किन्त-रहत का समाज जाने समा । इनका प्रस्तुत वन्ता है। उनका रहत वन ते का समाज का प्राप्त रहना है किन्त वहां पर को कराज के दिवानिकों ने हम्या गोवन किया है।

E san al contigue dong de ment a sal concel a feritore

al olique de don qui de me dest est concel a feritore

an arra al tempor arra de di de ment al concel al conce

# 21 STATE OF STATE TESTS:

स्वर्धन्त प्राप्त है जार सारत है राज्नेति हो। देन तापनी वारवर्तन हुआ। वंबार है वापनी में प्रवृत्ति हुई। देन तापनी है बहेरवान स्वरूप देश की पुरुष धारा है है वातियाँ अध्यक्ष दुर्दने

of lique is about 00, Tairs miss bides take of the organizational and economic interests of the weaker sectors of the people and in particular of the Schedules Castes and Scheduled Tribes and shall protect them epecial industic and all forms of exploitation."

And the elast of a man atom of those is the same of the same is the same of the same in th

किये हाय्याओं में राजस्थान सरकारों ही द्विट है देने को राजस्थान में को कई प्रकार की स्विधार्थ इन्हें राज्य बरकार ने प्रदान कर रही है। स्थाल पड़ने ने किए जानवृत्ति,

in pro ordere, in the second second area areas of income, area increase, in the team, being account, being about a processive.

and the family of the same

#### of their staur:

परिवारित को राज काव वान्य वर क्या स्वर के उन्नुस्य परिवारित होतो रही है। प्रवलन 1984 हुआई के दूर्व वह क्या ह वे 6 दल प्रीत हाल 12-00 दला प्रोत हाला 15-00 प्रीतमाह को 1 दलो प्रवार क्या 9 के 11 दल वह राजि हाल्याल दोनों को प्रीतमाह 25-00 किल्लो को 1 दले हाद राज्य करनार के अदिश प्रवाद यक-श्विद्धेशियत-हो स्वर-प्रवत-हरसपू-हो-रश्य-हड हिलारा, अवपुर दिनांक 30-1-85 के उन्नुतार पुलाई 1984 के क्या 6 के 6 वह प्रीत हाल 15-00 पर्य प्रीत हाला 20-00 प्रातमाह हो गई। वह हहोतरो 20 प्रात्मक रही। उन्नो प्रवार हक्या 9 है।। वह कहोतरो 20 प्रांत्मक रही। उन्नो प्रवार को प्रीतमाह 40-00 हर दिया गया। यह हहोतरो 602

The same are care of a role of the same of

राहर्यान तरकार , रिरा उद्युक्त किये हैं नरस्वातिकार देन हैं र स्थानों पर अनुसुंबत जारित, यनवादित, योरन्तिक करोत, होस्वन कर्याण के दिल कानावाद द्वीवधार्थ उपत्रद्ध है । क्यो पुकार उद्युक्त है अनुस्तानित जानावादों हैं, महिला सम्बद्ध उद्युक्त महिला जाल्य उद्युक्त, वनवादों कालावाद, अरोदवादों कालावाद वदस्य, वानोह कालावा, महिलापीठ सम्बद्ध दालावाद पुख्य कालावाद हैं। इनमें दुल स्थान उद्युक्त वालों के त्रिक्त स्थानत हैं

Jack to de des and affic et examise estates à desert, etest facteurs, etest arec, alpha, exter, confour, deutes facteurs està, ulturar car alors analta de està de estates et etaur suese de

inc contain à sticctor et tata, atare, etteand contain à sticctor et tata, atare, etteand contain, product, and other sin ette
(and contain, product, and other since, and a seath
artifica design, and entre entre contain destriaverage, and entre entre destri 19.3. Civi éurical entre à diaux entre annu à 1 en act entre
and à ge 235 all adamé et es peut acapt fait
à augh entre à lan ac sur a 160 entre à au
art entre à lan à de sur a 160 entre à au

इन हमी हाशादातों में भोजन, नारता, पानो, रेटवरी, मोवज तथा बरम, शहन, तेत, रोमारों की हॉबया, बात डॉटेंग को हॉबया, स्तोदेयां, जंग लागोन अध्यापक, रयवरबायन तथा मिक्टिक्ट की स्थारवा में हैं।

उपरोक्त धात्रावाओं के अवादा अववृह विकेत्रे धात्रपृति के आबार पर भी धात्रावालों की कृतिया राज्य सरकार द्वारा की गई है । के धात्रावाल भी वहर तथा तदीना

केत के हैं किसके इस 30 अपनी है पूर्वक हैंदू रूपान उपस्था है

the turn of all A stages in A & galls fail before a stage of the stage

#### BTON THOTEN:

राज्य सरकार ने उपरोक्त सुविधाओं के अतावा ग्रामीण देखों के दूर-स्थाप इताकों के भेटाक दिवास हैद सन देखों में भारत विकासमें की एक प्रोपना स्वाहित की हैं। इस प्रोपना के अन्तर्गत करवाति बाहत्य देख के दूर-स्थाप स्वाकों में के भावातीय विकासय स्वीत को भिनमें नि:-

triven, paires, de vite di est gioure deveeu deeré à 1 veux tou i pa formul et genéral et é est etres urés, coldui vrie veueu eter à 1

- vol to other rules to homoly this soften.

I described it formation with the season rule.

## HATT & TOTAL :

- ार् उद्याद किले के अनुवादित दर्श के विकास उन्नयन है। राज्य तरकार द्वारा की बाने वाली विकास विवास की बर्श-वान विकास को बात वरना ।
- ्रे वनकारत को है जिल्ला उन्तयन हेंद्र अध्यापको और अभि-भाषको को अधिक वात करना ।
- भ व्यवस्थित कर्त है से इस उन्तरण है। सहस्यू में हु सब प्रस्ता करना

## 

प्रस्ता अध्यापन के निम्म के निम्मीता क्ये भी है -

- er eradica de logação autor ar asam de acação de acaçõe - at year water d second lang from treature. The
  - वनवारेत वर्ष वे वेर्षाक उन्नयन हेंद्र राजस्तान सरकार जारा दरे वाने वाली सुविधाओं को धर्तनान रिवर्गत क्षात करना ।
  - 2- उद्युक्त कि के जनवाति वर्ग की विद्या रिक्स को कार करना ।
  - उ- वनमाति वर्ष के बेहिक उन्नवन के द्रम में उद्या-दर्श पर्व समाव की अभिनेति शात करना ।
  - त्र । जरवपुर विके के जन्म प्राथमिक व कार्य्यामक दिवास्पर्ने के जरवापाने सर्व तस्क्षीन्या अभिभावको का व्यव करना ।

## 

प्रस्ता अव्योधान वर्ष श्रीषट के महत्त्वपूर्ण है । स्वांत्रता प्राप्ति के बाद आरत के सम्माधिक दकि में प्रांस्मर्तन हेट आरतीय

ते क्यान है वह व्यवस्थार को गई। इन व्यवस्थानों के बाव-बुद बनवार वर्ग का वैद्यान के। इत: वह बाद करना बहुद जररा इस करना है कि क्यारित किस स्थान पर है 9 हवा उन बोध्याओं का उपयोग पुनेष्म है नहीं हो रहा है 9 या जन दूसायोग हो रहा है या वे उस वर्ग तक पहुँचती हो नहीं है 9 हहीं न कहीं हुए महद्दी अपन्य है उन्यक्षा इनका वैद्यान उन्नयन पूरा होना वाहिए था। इस बोध के माध्यम से उपनित्त तक्ष्मी हो हात करने के हह्य निर्धारित किये गई द्वान क्षियों हो दूर किया हा तके।

र्मकार है 195 है। में बाबत तर्भ कर केन तर्गावन्त्र इस वहाँ उनका है गर्दा व्यक्ति का किन केन विका

के निकास वारता है। स्वार ने भी इत सर्व है निकास उत्थान के विकास प्रतासन प्रदान कि है। इन प्रतिशासनों का तहीं उपयोग कहाँ कह हो रहा है और नया क्षित दारा अन्तर्वात वर्ग का निकास उन्नथन पुरा हो क्षेत्रा प्र या क्ष्मि को नायायनता है 9 या इनके स्तितों होनों भागित प्रतिशासन है 9 या इनके स्तितों होनों भागित प्रतिशासन होने के विकास समाय के दोन्द्रकीय में प्राथित होना जावह सरवार को भी अव्योधना भिन्मिय में बहुत हहायता मिलेगों। अतः वर्ष दृष्टित ने महर-

## : afrancaire arinoanta

ntole stours & cott of holome enteur of article, arealized of oracles of oracles, arealized of horself & 1 acquired a figure of a court table grant the, olar, arealor, oracle, articles, arealized, a

## a inhaghard:

रावस्थान सरकार हारा वनकार वर्ग है गेविक उच्नयन हेतु की बाने दाली जीवीराता होवधार थया हान द्वित, सारावात, जारम विवास, नीचिंग स्वार्थ अर्थ ।

#### THE THE S

वे तभी विज्ञासक किनको राजस्थान तरकार कारा भान्यता प्राप्त हे तथा को कता ह ते 10 तक अध्यापक करवाते है ।

### ti star forted:

Then be from of acri de grain size à la lugion did à la lugion did acri de grain such à la lugion did à la lugion did acri did, such di, succe su contrat did di la formula di acri de grain did à la se formula di acri de grain did à la se formula di acri de grain d

#### as dialas

अध्योकत क्षमाति वर्ग के शास्त्र वर्ग के भि: जन्द रहते की व्यवस्था

Time to

There are not the statement of the set of th

<sup>1.</sup> G.M. Allport: "Attitude immarchic son Co. (Ld.)
nand book of Social Paychology
wareas for (Clurk wris, press.
p.p.120)

talu :

पुरत्त अनुसंधान में केविक उन्नयन हेत जनकाति वर्ग को दो जाने वासो स्विधाओं पर अध्यापको एवं अधिनावकों

I Bood Bar & Scates, Methodology of Sucational Assessment New York, 1954) p. p. 567.

and dien in the second of the contract of the contract in the

An your function out donor about of sure with the following of the control of the

ner ed statu :

gron seam i simple stad of a part of a content of stad of a content of stad of a content of stad of a content 
#### nen fauta d ce :

16 gan ac - gruino aratrott etti syuin si inta -

and the ordered sector of eath a token of the ordered sector of the ordered sectors and the ordered sectors are also and the ordered sectors and the o

थें क्लिंग पद - अध्यान किर्दे का निर्मारण -

town and a remover resourt for an instiend have the contract of the contract

Parad :

पुरिदर्श कियों हम्ह होते अग्रहेमान हे परिचान उसी हो भारतस्त्रीय सर्व परिचा होते । पुरिदर्श को तभी अग्रहत्त

atter area 2 de de augă entre et gintature acci हो । प्रसार अनुसंधान में वर्गीका वाद्वारेका रहान का अवसेन det é core rost de réore ra uter et le real न्यादर्श में विभाग वर्ग हो । प्रस्तृत अनुसंवान में न्यादर्श दो ented y them so it as active and such appearan वर्ग । योगों वर्ग में पुन: को अपवर्ग पारे वरते है वया, वेरन gard arure ur gota den gard, tadto den gart d, gen den herr diseutra i dat gart etetata duna, graige more arts i cara i di ci sort े वर्ष है वधा अस्थात वर्ष, तवर्ग, विद्युत वर्ष आहे । इत पुजार दोनों न्यादर्श के समुद्रों में वर्ध उपवर्ग है । उतः इस रेवांच वारत वन अववर्त की तमान प्रतिनिध्याय देते हुई न्याsmall no the figure 1 g and and all the datue sinfo d prent at heard decoring that care A amorto of, ararm of ed toers of a arres-विकास होता है जा है है है कि प्राप्त के प्राप्त है है है कि प्राप्त है है है कि प्राप्त है है है कि प्राप्त है जा बान नीचे वाहिजा में दर्शाया नया है :-

er inor

LICETOR OF THE

• 8	and continued their new verte along the continues and along the party of the continues and a second of the continues and a sec	at arma	SLATTON	3117110
		34	35	
		<u> </u>	30	
<b>~</b>	A C F G V	and the second s	30	
<b>4</b> ••	<b>Aturst</b>	33		3.1
An appear	aicer			
5	<b>47</b> %**		30	
	ul satur	30		30
医骨头骨 电弧 经营产品	THE STATE OF THE PROPERTY OF T	213	200	

ः जग्नाम् । १६

seady fergal & aut -

stagic arceit à 10 seven festal et 15 four frédant, 10 frantant al four sur l'obseit à sur or sevent 10 sui co de l'and aver von aux 1 an gard

विशेषकों ने कहा बचा कि जो कम तही हो उन्हें तही है , है जा निवास हमाने तथा को सहत हो उन्हें दक्ता है है जा निवास समाने । इन्हें जहां कि दम्मों हो भाषा में हुआर को अप-प्रकृता हो उन्हें तहों कर है । क्लिकों ने प्राप्त हुनावों के हाधार पर कमाने में अपदृष्ट प्रतिर्देग किया गया ।

## 4; Trá Tr

#### प्रमापनी के अंक निर्धारण वरना :

अंग्लीट नामनी भी पाँच किन्दू प्रमाणनी के अनुसार बनावा गया है दया, पूर्व सहस्त, सहस्त, अंगोनका, उसहमा तथा पूर्व सहस्त नहीं । स्तरे क्रमा: 5,4,3,2,1 केंग्र नियांक्रित क्रिकेट के क्रमों के नियांक्ष के क्रिकेट की राय भी गई।

## TO THE SECOND

## - The by the from marie

कत हैत का नाजी पर अधिकीत कापनी का पूर्व परोजन रिकार तथा । पुरस्त हरते पर अधिकत विशेष हारा विश्वत-रिकार हरते की गई । विश्वतीनयता है आधार पर विन

अध्ययन विन्हारों का शुरूप -5 के अपर था -5 पाया गणा उन्हें हो अंग्युंशत माणनों में रहा गणा | इस प्रकार 30 अध्ययन विन्हारों से अन्त तक 36 अध्ययन विन्हारों को हो रहा गणा |

admin and of Education 
admin and of Education and form

**B**,

उस कि है है है जिस्स में भागी सुन्द है हात दिया व्या । इत प्रकार में भागित भागनी हो विकासीन्यता हो प्रमा-भिक्र भिक्रा स्था है सुन्द ° 62 80 प्राप्त हुआ ।

Best, John, Research in Education, Frinatics liall New Belni, p.p. 283.

#### 75 अभिनेत भाषनी की वेजला अन्त करना :

अभिनेत माधनों की भाग वस्तु को वैदरा सर्व भागन वेवता हो भी दक्ष भाग भी इव पुकार है -

di ton agai dant are affr -

मापनी कर तह अही नहीं भानी जा सकती है कह तह उनकी विषय दश्च करी नहीं हो । इन हेट अनुसंधानकर्ता ने अविश्वीत मापनी के पान्य वस्तु को प्रामानिकटा को भी हात विद्या है । इन हन्दर्भ में अनुसंधानकर्ता ने विषय से सम्बोन्ध्या विद्यारों को राथ का तहारा विद्या । प्रमापनी में विषय वर्द विदेखों को राय, विस्ताविदों को राथ से हो बचन हरना प्रमापनी हो विश्वय वस्तु संस्तन्त्री प्रमाणिकरा है ।

कहें अधिक मापनों भी मापन अन्यन्ती वैद्या -अंग्युंकि नापनी भी मापन सन्यन्ती वैद्या हात करें हैंदु भी विभेग्यों भी राथ भी गई भी । विभेग्यों वे आधार पर हो अंग्रे वा निर्धारण विद्या गया । इसके अवाया अंग्र्युंक वा दूर्व परोक्षा किया गया है ।

## t medical by make ord

दरह हंड विवरेषण हें। अनुसंधानकार्ग ने एवं अनुसंधानकों या दल नकने दिया । इस दह जो जिला विकास अधिकारों ने आदे-विकास विकास साथि वह नार्थ सम्बादा हो सवा ।

दोनों हो कार्यों है जंबन मुखंपादा दिवा दिया अनुसंपादा वाक्षीर उपयुद्ध हिले ई-भार-एक है हे स्क्रीय स्टस्त थे । इन्हें राज-क्रीय निवासनुकार देनिक सत्ता हमें वाचा स्था पृथित्व की स्वीकृति सार्था है है दिया गया ।

दरत विरतेषा है तथा छात्रावासी एवं विद्याला है व यह-राखात को हात करने हैं। एक विद्या विरूप का भी निमर्गन किया

वया है। इन विद्यों किन में उध्यापनी, अभी पर्व अभि-वायकों के हाद्वारकारों, उनती राय तथा प्रशासनों से नाहतर-कार को विधा गया है। स्थिति कमाने दमय इन नवी नाम्मी जा उपयोग भी किया गया है।

दत्त विवक्षेत्र में निम्न सरिवदी का अवरित दिवा गुरा -

अं प्रतिका :- बामान्य विष्केषण हेतु प्रतिकात का जपयोग विकास स्था । हुए इत प्रवार हे -

है। मध्यां :- इतका उपयोग नोर्वंद्य निर्मारण में क्यिए नया ।

वा वह वक्त्रयः - दोर्थयः तस वह वक्त्रयः जात विवा भागा क्षा का प्रवास है -

$$x^{2} = \varepsilon \left[ \left( f^{c} - f^{e} \right)^{2} \right]$$

वर्ष है जा परीक्षण र- परीक्षणना की वासाता है। का तपयोग विकास वर्षा

- रं रेखांचकों का निर्माण :- अनुतंधान को रोचक पर्व तरह बनाने के रेखांचकों का भी जपयोग किया नथा है। इनके बनाने की विवास समान पर वांन्त है।
- वा सारमीयन :- अतुवान है ताराम्यों के निर्माण हेंद्र रिवो-म्बों, विस्ताविकों की राय का अवयोग विद्या गया। ताराम्यों को सुलनारमक धनावा गया है इन्हें तामान्यों-करण करके प्रदर्भत विद्या गया है। पुरवेक अध्ययन विन्ह हो अग्र-अग्र तारमों हनाई गई है।

decident of expect return of great or name of favious and arrived of expect or return of target or favious for arrival favious for the favious formal favious favious formal favious favio

#### वारवारी जीववार्य तक्त्रको पुरुष निर्दर्भ :

साम क्षेत्रक क्षेत्र

- if and other
- el bratura claure i
- I WITH WITH I

# । विशेष विशेषा सम्बन्धी पृष्ट्य विशेष्टी :

उद्या कि में क्वा कि में क्वा कि में इंड्यानरत हा 93हहह स्था राष्ट्री में के वनहारित को से 492014 हाथ होता 113हड़ स्थाप अट्यास बटावार के मांक्व प्रकार अप्रोड़िस्ट कार्यत के 718158 साथ

and 174460 brain accounts of the agging office of appropriate & 113636 but here are some 603670 brain fetural and the accounts of the agging office of open a country of the accounts of the agging office of open a country of the accounts of the accounts of the accountry of the a

- 21 राजस्थान में कुछ 39964 विद्यालय है। इन में के 36925 जाओं के तथा 3039 छान्नाजों के पाये वर्ष । इन विद्यालयों में पूर्व प्राथमिक स्तार पर 8380, प्राथमिक स्तार पर 2929247, उच्च प्राथमिक स्तार पर 2048855, भाष्योमिक स्तार पर 375822 तथा साथर केन्यूनों स्तार पर 634362 छान्न/बाहार्थ अध्ययनस्त पार्थ
- 31 TIARMENT A ALMERT OF TRAIT CAN A STORETON

  2 TO 320 St Grufes for a, 64763 grufes for a,

  70073 Jew grufes for a, 29394 areafre for a gur

  26944 Jew areafre for a acurea/asurfusial at acur

  26944 Jew areafre for a acurea/asurfusial at acur

  2694 Jew 146084 Seu acurea630 afear acurfusial att

## : heart hap thear at pic to topics

- ार्ट सभी पंचायत होमांच्यों के अध्यापक वर्ध रेवताच्यों जो जाँच के दूरों को शक्ता रेववाह में काया मानते हैं। रेव राज्य गाँव के अध्यक दूर नहीं होना चारहर ।
- रहे अध्याप में की राग है कार्यों को प्रवेश कम्बन्धी भिन्नभूति की बानकारी पूर्व हैं ही अपलब्ध होनी बार्गहर ।
- कर्षे अध्यापक तर्व जावाकोय पैयजारको में भिन्न कामग्री मर्थाप्ट साथा में उपस्था कराने के वहा में पाने वर्षे ।
- 4) अध्यापक दुर्ग आदातीय विकासको है साओं की वस-रेटाको पर एवं सरता व्यवस्था को इटाने है वहा है पार्च गर्ने । दनको राय है पार्श को समस्याको पर शालावालों है स्थान नहीं दिया काला है।
- के अध्यापकों की राच को कि जनजाति को के परिवार को आर्थिक दियात को सुधारने हेंद्र सरकार को अध्यक पुजात इसी बरोहर । इसी पुजार सानों को परिवार्गक समस्याओं के दम्मान, सरहा-पिदा को किहा के महत्त्व के अध्यक कराना, वर पर पहने की साथन सुविधारों अपलब्ध कराने तथा सानों को

- भेरिक भार्य प्रमान असे के वर्त में वार्ट गई।
- 6) अध्यापनी हो राव पार्च नई रेण बननारेत नर्ग के भारतें को तरनारों कृतियानी जा पर्यापत ग्राम महीं होता है । इन्हें रिक्स के दिनात में स्कादद पैदा होती है ।
- ता अध्यापती को राध थी कि अरवारी के द्वारा यो आने बाओ धानदोश को साना द्वार कर है किस्ते कान के पहार्थ का पुरा अर्था द्वारे नहीं हो पहार है।
- हां उध्यापकों को राय को कि छात्राचार्तों में जेवन पोटपा दिस्म का किसता है किसे हात्र पसन्द नहीं करते हैं ।
- १६ इध्यापकों की राव थी कि शिधकांत तमान कावाप विकास कारा तैयांतित शासावारों के भाग नी मेंक्ल प्रवस्था रे है । इनसे पानी, बीचली की उचित स्थवरवा का अभाव है ।
- 10; stemin seurad d tra at te vertard k dage regral seenane d tead ors de ard d l
- अन्तार देन के प्रवासक वर्ग क्ष्य कार से तलक पार्थ कर कि सम्मार देन के प्रवासकों में क्ष्य कराई के लग्य छॉटटवाँ नहीं लोगे से लाम पर मान जारे हैं।

- 12] gentus ed si vie erk dé la soll à era de reu ann en locateul à sacron dé ci à era locateul ediçon nel archit
- is, simply sourced of the different of the control - 14 active of the control of the cont
- 15: अध्यक्षित अध्यापको की ताज की किये लाग दीवार हो बाते है तो विज्ञाल में अधियार नहीं होने है विज्ञाल भौकृत्य पत्ने बाते हैं।
- 16) अंध्यांन प्रधापकों की राथ थी कि ये छात्र बीनार हो आहे है हो विद्यालय में जीवदार नहीं होने के विद्यालय छोड़कर नहें आहे हैं।

- 16) अंक्षांत्र अध्यापको की राव की कि इस विद्यारको है पर्योद्दि देखान वामती के अभाव है अध्यापक वर्ष किला प्रभावी नहीं हो पाला है और शाह पदाई में भिरतदा अनुम्ब करते हैं ।
- ार क्षेत्र स्थापको के राय थी कि इन विवासी है वीराव पर्व अनुस्त्रों अध्यापकों के अनाथ में आम पढ़ाई में शीव वहीं ने बारे हैं।
- 16) अधिकांत अध्यादकों को राथ और इसके विवहा में थी कि अध्यादकों को अस्तिरकत भारता नहीं किसने से में विवासय है गायब रहते हैं।
- 17) अध्याम अध्याम वरदारी निरोहण है स्थान पर स्थानीय निरोहण व्यवस्था है वहा में पाये गरें।
- 20) अध्यक्षि उध्यापको ही राध वार्ड नई के उध्यापन तथा प्रशासन में बनवारित के लोगों को पर्याप्त स्थान रिम्मता रहे तो वे विद्यालय अच्छी प्रकार वह संदेश ।

## simple and of single araset year is as :

- i- tearnul of set tour disease ar fourthe gone creat di
- 2- अभावकों को एवं धानों को विवास विभाव विभाव है। पुरेश निवास की बानकारी उपस्था सीमा वार्थस्थ
- 3- अवातीव विवासको है सेक्स सम्मार में बहाया बाना चाहिए ।
- 4- अवाशीय विद्याला में ग्रामी की तमस्ताओं पर सर्व शकों की तुरता व्यवस्था पर अधित ध्यान दिया वाना पाहिस्स
- 3- अभिभाषकों की राव भी कि जनवारित वर्ग भी गाँवत जवतर एवं सुविधार्थ किले तो इनके जनम्बात हुन में उक्कय परिवर्शन अधिमा और साम विकास मुहन करेंगे,।
- 6- अभगताओं हो राय थी कि बनवारित वर्ग के वांस्वार को अर्थिक स्थित द्वारने के अस्वर को अधित प्रयास करने वार्थक । क्षणे प्रवास संस्वार से पहने हो संस्वार भी उपस्था करानी वार्थक ।

- 7- अभावने की राह भी कि अंखनीत कर्नाह हैं जो सरवार क्षान की नाने दाती विशेष द्वावपाओं जो सनकारी नहीं होती है।
- ए- अंग्नावक वर्ष छात्रावालों में उपतह्य भोजन व्यवस्था को स्थारो, भोजन को माना बहुरने तथा भोजन हो विरम स्थारने के पक्ष में पाया गढ़ा
- १- अवाकीय विकासकों एवं आरम विकासकों में दास्य राष्ट्रामी पृष्टीरकों एवं मनोरंकन की शुंक्यार्ग राजा केंद्र सामग्री उपरास्थ करवाने के पक्ष में अन्मानक वर्ग पाया गया।
- 10- अन्मादक को विकासकों में को गा एवं उन्ने को उपण-पकों के अवस्था कराने तथा इन्हें अंतर्गर का विकास सरका देने के बना में वाका सवा
- 11- विद्यालयों के प्रमालन में बनवादित वर्त को उपित स्थान,
   दिलाने विद्यालयों में स्थानीय निरोदान की व्यवस्था के
   वहां में पाया गया ।

# efouch days force :

- -- गिरवा पर्व अहीत विवादत तिविद्यों के अध्याप तें को अभिन्नत में रहताम्बन्ध बुरव अप प्राप्त हमा है। इतका इति वह हमा कि दोनों पंचादत तिवित्त के अध्याप में को राव में जो जनवाति दर्ग हो दो जाने दाती विशेष शुंवधाओं जा गैरिक विकास पर है, में अवी समानता है। दोनों को राव के अञ्चतार विशेष श्रीवदार्थ गोहक विकास को प्रमावित करती है।
- 2- sight vi agree variate afric de seuroch of the train de seuroch of Lyou 200 gree get i seur 34 us get to chait of the desirent age 300 gree for i seur 34 to chait of the desirent age 300 gree for i seuroch 36 i force chait or assured units green units green and the latest chait of assured units green units green and the latest chait of assured units green and green units g
- 3-- agus six drough delua afaireil d'acurusi al simila d'aceu il le gru est para est i sast ad ce gut la ciri duran ainteal d'accurat al reu E agn auran è i ciri al reu d'agaix leun giount aparta cui d'âtum logia al gurino arai è i

- को अध्यक्ति के सम्बन्ध में सहयम्बन्ध पुत्य कोमार के अध्यापको को अध्यक्ति के सम्बन्ध में सहयम्बन्ध पुत्य का प्राप्त हुआ । बक्का अर्थ यह हुआ कि दोनों को साथ में बहुद समानदा है । दोनों को साथ के अनुसार ध्योग बादधार धनवर्गत धर्म के बेक्किक विकाद को प्रमाधित करते हैं ।
- aire et arres en en ante de eure de la ciri de en acert de en acer
- हैं। स्टाइत दर्व धांस्यावद वंदायत तोगीत के प्रध्यापणी को भोग्याद के तम्बन्ध में सहस्थानय मुख्य गठन प्राप्त हुता दूबर कवे यह हुआ कि दोनों को विवास धारा में बहुत हुआ-नता है दोनों को संघ के अनुसार विवेध स्विधाओं को बन-सारित दर्श के बेरिक विवास में सहस्या होती है।

# case to mais proposition

वन्नांत वर्ग है ग्रेड विकास को विशेष द्वियार कहाँ तक प्रमानित करते हैं। इह परिकल्पना को परोह्रम दिया ग्रेड परोह्रम हैं हैं कि परिकल्पना को परोह्रम दिया ग्रेड वर्ग वर्ग वर्ग ग्रेड वर्ग वर्ग ग्रेड वर्ग वर्ग हैं क्या है कि होता है है कि अर्थ है कि वर्ग अर्थ हुआ को सामक्ष्म हैं कि होता है । परवां को देखें के सिन्ध्ये निवलता है कि प्रमान को के सिन्ध्ये निवलता है कि प्रमान के सिन्ध्य निवलता 
र परोक्षा के पूछत निरुद्धाः :

परीक्षण के पंचायत कि मिलारों के उध्यापकों को अंभ्यांत प्रान्तांकों की तार्थकता उन्तर बात किया ग्या । परोक्षण के बात हुआ कि पंचायत को मित के उध्यापकों में बहुत हो का अन्तर पाया ग्या । अर्थात प्रचेक की राय में बहुत हमानता है ।

प्रसात अनुतंपान में कई वर्गों ने अपने अपने हु । व भिन्ने हैं । पुरावेद वर्ग के तुमार्थों के पृष्ट्य निकार्थों को विन्तु-वार अन्तन-क्रम निवादिक विवाद करा है -

# वेशासक वर्ष के श्रम :

# अध्याति हे सम्बद्धाः ।

पुराहत को तो राव पाई गई कि हामप्रीत का निर्धारण भाई भाई में हो जाना वालेस हथा कहाई हैं तो हामप्रीत का उत्तंदन हो दाना पालेस । अनुस्ती को राज्य में महार्थ के अनुसार द्वार होनी पालेस । इत के मुन्द तुपकों को अध्यार माना भारे ।

#### क्षं भागायात है तसम्बद्ध है :

पुत्रात्तव वर्ष जो राज पाई नई दि तमाव जनपान विभाग जारहा है, उन्हें किया विभाग को तीन अपावादारों को प्रतादा जारहा है, उन्हें किया विभाग को तीन देना वाल्टर । इती पुद्धार तानावादों के तिर विभाग को तीन देना वाल्टर । इती पुद्धार तानावादों के ताना भाग कर पूर्वि जो जानी भागतर । अ जानावादों के वाल्प, के विश्व अतिरिक्त पद लोगा पाईटर । अपन राव्य, विभागतर राव्य, मनोरंजन राव्य, केता राव्य, केता राव्य, केता राव्य, केता वाल्टर । अपन राव्य, विवेक्त द्वांच्या पुटान को जाते ।

#### क्षर्व अराज्य विवास्य के तस्वन्य है :

ganda ad al tra aré dé la se la recité de gande al ge: leur la certal gallest, altebra galleur, desse, al leur eacht ac't de meil ur laim wa, eten waten arte à leu tama ac't ar groupe et 1

## : org 6 konute

### of bragin data-uli:

अभिमादकों को राव थी कि इत राक्षा को बहाबा जादे तथा दक्के लाग-लाध अभिमादकों के लिए प्रोधन राक्ष्म भी हो जावे । इत राक्ष्म के भितने ते अभिमादक अपने बच्चों के मन-दूरों आदि अर्थ नहीं करवायेंगे तथा पहने भेवें । राक्ष्म तमय पर और पदांच्य माना में उपलब्ध कराई नावें ।

#### हां हाभावासों वेसकन्य हैं:

अभिने दर्भ हारावारों हो द्यारा, पुनाहन वर्ष है द्यादहार, भोदन द्यादस्या, पहाई द्यादस्या, विवेशसा द्यादस्या, प्रशास्त्र द्यावर्त्या से हेतुबर नहीं पाये गर्म। इनकी राय के अनु-सार पुनासकों का द्यादहार साओं के साथ उच्छा नहीं पाया स्था । भोदन बहिया किस्स हा यह प्रयोग्य नहीं दिया बाता है। हाशायारों के बानों से दे असन्पूबर पाये गर्म।

शासातों है साओं को तरों के दिए पर्यापत व्याहे, कन्दत, किस्तर दो जानी वर्षास्य । इती प्रकार विश्वास्य

गण्येम ही माना बढ़ा देनी वार्गस्य ।

अभिमादको का गुनाय था कि ाशहातों में futurat भौतका दहाने हेतु हरकार को प्रथम क्रिके काने बार्वहर ।

#### वर्ष अराज विकास के सरस्य है :

उभिगादकों जा हुत्य था कि अन्म दिलासमें से संस्था बहुत्ती बारेस्थ । पृत्येक पंचायत स्तर पर ६० प्रकार के आक्र कि-ासम सरकार क्षेत्रे । इन विकासमें के पर्यापत माना में जाना रिया नारे । विकासना क्षायम सम्म पर क्षिते ।

: at 15 deprise

#### अं धानतीत है तकन्य है :

हाभपुरित का तही जपयोग करने हेतु द्वका आवंदन समय यर हो । द्वको माना में पुर्वह हो । द्वका दुस्पयोग रोका बादें ।

#### क्ष धात्रावासी है सम्बन्ध हैं :

अध्यापकों को वार्टन नहीं रक्षा वाचे तथा इसके स्थान पर असम नियुचित हो । इसमें कोचिंग व्यवस्था की सामित्र

प्रेंट हो । अनावासों में सभी साम्म दमा; रेशवॉ, टो-चो-को तुविधा हो । विशेषस्ता व्यवस्था हो ।

#### वं अन्य विवास्य वे सम्बन्ध में :

उच्चापतों को आत्म दिवास्य द्यारता कहा अच्छो देनों । विन्दु इनमें विवेद्यता, मनोरंबन एवं के हो द्वायार दूरने के दुनाव प्राप्त हुई अध्यापकों आ दुनाव था कि जो अध्यापक यहाँ पहारों है वे अपने थारों से बहुत दूर और है अह: प्रतिसाह इन्हें अतिरिक्षण भारता देना द्वापत

## ner a din :

### at prayin diament;

अप वास्ते में कि शहरते की साथ बहाई वार्षे । के तका पर दिया जाते । इत साथ को उने अभ्यावक कई भार पर की है औं कर देते है जत: वे बाहते में कि इव साथा भाव की जावहयकता तकन्यी वस्त्रे ही जाते ताकि अभि-भावक इत साथा का दुव्योग न करें ।

# of Civilia describing

जराब के जिल्ला का कि शावादातों के परन बहुत जराब है। के रहने तायक नहीं है उत: इनकी मरम्मत होंगी पांचर । प्रानों के बोचातद, जानों की क्ववस्था, बोचलों को व्यवस्था, केल की व्यवस्था, मनोर्थन हेंद्व रेडियों तथा हो। दी की क्ववस्था हो । इनका यह मो दुनव था कि परत कराई के तम्ब यहाँ पर उपकाश रहना पांचर तथा उत क्षम पर जाने हेंद्व तरकार द्वारा किरावे की सांधादों जानों

## त। जास्क विज्ञास्य के सम्बन्ध है :

ात्र शहर विशासकों से बहुद सन्दर्भ पांचे करें। उन्हें भोजन की मात्रा एवं किस्स से विशेष नारावनी थी। इनका दु-ाद था कि भोजन राजि अस्य से होनी पालिए। विकास , स्नोरंजन की विशेष द्वांच्या हो ।

afara da afaran gara :

#### भोध विभाग

हारा:- श्रिशक - सन·सी·ई·आरं·टी·, नई दिल्ली के वितितय सौजन्य से श्र

शोध विषय:- "To study the special facilities (incentives) and Educational Development of Tribal Students and Attitude of Society towards them."

महोदय जी/महोदया जी,

स्वतंत्रता प्राप्ति के 40 वर्षों बाद भी जनजाति क्षेत्र का ब्रीक्षिक विकास नगण्य प्राय: लगता है। सरकार ने विकास की दर में वृद्धि हेतु कई उद्घीपन के भावकारं प्रश्ने का विद्यान स्वस्पों के स्प्रमें प्रदान किये है यथा; छात्रवृति प्रदान करना, नि: शुल्क छात्रावास सुविधा, नि: शुल्क पाठ्य पुस्तकों स्वं विधालय गणवेश का वितरण, नि: शुल्क भौजन आश्रेम विधालय आदि की व्यवस्था, इन सब उद्घीपनों का उनके शिक्षक विकास पर क्या प्भाव पड़ रहा है १ क्या ये प्भावी है या प्रभावहीन १ इसी बात को मद्देनजर रखते हुएँ समाज के व्यक्तियों का जनजाति के शिक्षक विकास के प्रति क्या दृष्टिटकोण है १ इसे ज्ञात करना इस शोध कार्य का प्रमुख उद्देषय है।

आप जनजाति क्षेत्र के बोक्षिक विकास के साथ पिछले कई वर्षों से जुड़े हुएँ है । इस सम्बन्ध में आपकी राय इस बोध कार्य के उद्देशयों की पाप्ति में काफी सहायक किंद्ध होगी । ऐसी मेरी मान्यता है । अतः आपसे निवेदन है कि आप इस प्रत्र में पूछे गएँ पृश्नों पर अपना दृष्टिकोण बतायें । आप द्वारा दी गई राय को पूर्णतः गोपनीय रखा जावेगा तथा केवल बोध कार्य में ही इसका उपयोग किया जावेगा ।

इस शोध अध्ययन में मैने सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं को अलग-अलग भागों में बाँटकर आपसे पृथन पुछे है यथा; पारिवारिक, एवं व्यक्तिगत, सामाजिक,मनोवैज्ञानिक एवं राजनैतिक, विधालय से सम्बंधित, आधिक सुविधार, आप्रम विधालय ।

प्रयोक पृश्न के सामने पाँच विकल्प दिये हुएँ है यथा; ।—सदैव, 2— अधिकतर, 3— सामान्यतया, 4— बहुत कम, 5— कभी नहीं । आप जिस विकल्प को अपने सबसे अधिक निकट पाते हो, उस पर सही १/१ का निशान लगावें । कृपया ध्यान रखे कोई पृश्न छूटने न पावे । अगर आप इस पर सुताब देना चाहते होतो, यथा स्थान पर देवें तथा आवश्यकता

## अभिवृति मापनी

पृष्ठन	-	2	3	4	5
ा - गाँव से विधालयों की दूरी ने जनजाति के छात्रों में पढ़ने की पृति अलीच पैदा करदी है।	 				
2 - अगर विधालय गाँवों से अधिकतम निकट हो तो सम्भव है जनजाति के छात्र पढ़ने आवें।					
3- माध्यमिक कक्षाओं में पृवेश हम्बंधि न्यनतम शैक्षिक योग्यता का पृतिशत इतना अधिक होता है कि इन्हें विधालयों में पृवेश नहीं मिल पाता है।					
4- विधालयों में प्रवेश सम्बन्धी नियम इतने कठोर है कि ये छात्र प्रवेश से वंधित हो जाते हैं।					
5- कई बार इनको यह जानकारी भी नहीं होती है कि किस विधालय में प्रवेश लिया जा सकता है। इससे ये प्रवेश से वंचित रह जाते है।		 			
6- क्या यह अच्छा हो कि इन्हें समय-समय पर विधालय में प्वेश सम्बंधी जानकारी मिलती रहे, ताकि ये पुवेश का लाभ उठा सके।	 	 			
7- आवासीय विधालयों का लाभ जनजाति के छात्रों को तभी भिल सकेगा, जब इनमें आव- प्यक सामान पर्णप्त मात्रा में उपलब्ध होगा।					
B- अध्यापको तथा पृथानाध्यापको का व्यवहार उपेक्षित होने से छात्र विधालयों में नही आते है			 		4
9— विधालयों में बालकों की समस्याओं की और ध्यान नहीं दिया जाता जिससे बालकों में असंतोष रहता है।					
10- विधालयों व छात्रावासों में छात्र/छात्राओं की सुरक्षा के अभाव के कारण छात्र में अध्ययन के पृति रूचि नहीं रही ।					
11- छात्रों को दिया जाने वाला भोजन व अन्य खाध पदार्थ घीटया किस्म का होने व पर्याप्त मात्रा में नहीं दिये जाने के कारण छात्रों में असंतीय रहता है।			and the second	Januarion School	
<ul> <li>वस्ता कि के सम्बद्धि के आ विवास सुपा के का स्प का का तो स्था का होती है।</li> <li>जीवत अवसर सर्व सुन्तिधार मिले तो जनवाति के छात्र अन्य छात्रों से आपी निकल सकते है।</li> </ul>					



14- छात्रावासों में कुटिर उधीगों, परम्परागत उधीगों तथा अन्य प्रकार का पृशिक्षण दिया बाना वाहिए।

#### पारिवारिव ========

- 15- जनजाति के छात्रों के परिवार की आधिक स्थिति को सुधारने की सरकार जब तक व्यवस्था नहीं करती तब तक ये छात्र विधम-लय में नहीं आयेगें।
- 16- जनजाति के छात्रों की पारिवारिक समस्याओं का निदान करे तभी ये विधालय में पढ़ाई कर सकेंगें।
- 17- जनजाति छात्रों के माता-पिताओं को शिक्षा के महत्व से जब तक अवगत नहीं कराया जावेगा तब तक वे बच्चों को पढ़ने नहीं भेजें।
- 18- इनकी पारिवारिक स्थिति को उन्नत करने के लिए अधिक से अधिक सांधन जुटाया जाना चाहिए।
- 19- जनजाति के बालकों को घर पर पढ़ने की शुवि-धार उपलब्ध कराई जानी चाहिर।
- 20- घर पर पढ़ने की सुविधार न होने से इनका मैक्षिक विकास नहीं हो पारहा है।
- 2। जनजाति छात्रों को शिक्षक मार्गदर्शन न मिलने से उनका शैक्षिक विकास नहीं हो पारहा है।
- २६-१सुविधाओं की वासकारी===========
- 22- जनजाति के छात्रों के शैक्षिक विकास नहीं होने का एक मात्र कारण सरकारी सुविधाओं का बान न होना है। अन्यथा वे इनका उपयोग कर शैक्षिक उन्नति कर लेते।
- 23- सरकार द्वारा दी जाने वाली छात्रवृति इतनी कम है कि पढ़ाई का खर्च पूरा नहीं होता है
- 24- छात्रावासों में भोजन इतना पीटयाँ है कि ये इनमें रहना पसन्द नहीं करते ।
- 15 छात्रावासी में जब तक,पुकाश,पानी तथा पत्रके कमरों की कालका नहीं हो कि कार्य कार्य
  - ींद्रकास सम्भव नहीं है ।
  - केन्द्र की व्यवस्था ज्ञानी अस्तम्परंप है कि ये सम्बोदानी से उठ काते हैं।



- फ्ल कटाई के समय ये छात्र विधालयों से भाग जाते है क्यों कि इनमें छुट्टियाँ नहीं होती है
- खेतों में काम करते समय अगर इन विधालयों में अवकाश रहे तो येहछात्र विधालय छोड़ कर नहीं जावेगे।
- इन बालकों को स्वरोजगार की शिक्षा दी जावे तो ये विधालय छोड़कर नहीं जावेगें।
- विधालय के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में इनका पारम-परिक नृत्य, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्य करने की छूट दी जावे तो ये विधालय के वातावरण में रम जावेगें।
- ये छात्र छात्रावासों में अक्सर बीमार हो जाते है और पढ़ाई छोड़कर माता-पिता के पास चले जाते हैं।

#### भिक्षा सामगी

- इन विधालयों में पर्याप्त शिक्षण सामगी के अभाव में शिक्षक का शिक्षण भी प्भावी नहीं होता है तथा छात्र निरस हो जाते है।
- · योग्य और अनुभवी अध्यापकों के अभाव में ये छात्र पढ़ाई में रूचि नहीं ते पाते है।

## पृशासमिक व्यवस्थाएँ

- अध्यापकों को अतिरिक्त भत्ता नहीं मिलने से वे विधालयों से अक्सर गायब रहते है ।
- सरकारी निरीक्षण के स्थान पर स्थानीय निरी -क्षण की ट्यवस्था हो तो ये विदालय समय पर खुलेगें और अध्यापकों की उपस्थिति भी बराबर रहेगी।

अध्यापन तथा पृशासन में जनजाति के लोगों को पर्याप्त स्थाम मिलता रहे तो ये विधालय अच्छी पृकार चल वकेंगें।

#### शोध विभाग

भोध विषय:- "To study the special facilities (incentives) and Educational Development of Tribal Students and Attitude of Society towards them."

"जनजाति के छात्रों को दी जाने वाली सुविधाओं का शिक्षा के विकास पर पृथाव तथा समाज का इनके पृति दृष्टिकोण"

महोदय जी/महोदया जी, -----

मैं उन्त विषय पर शोध कार्य कर रहा हूँ । इस शोध कार्य को ११नि सी र्इं आर टी नई दिल्ली १ राष्ट्रीय शिक्षक अनुसंधान एवं पृशिक्षण संस्थान द्वारा विदित्तय सहायता पृप्त है । मैं इस शोध कार्य द्वारा जनजाति के छात्रों का शिक्षक विकास तथा उनको दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी चाहता हूँ साथ में यह भी जानना चाहता हूँ कि आपकी इस जाति के शिक्षक विकास के सम्बन्ध में सरकार से तथा समाज से क्या अपेक्षार है ।

इस हेतु मेने आपकी सम्भावित अपेक्षाओं को इस पृथनावली में अलग—अलग कथनों के रूप में लिया है आपसे निवेदन है कि जिस कथन से आप सहमत हो उस कथन के सामने हाँ पर सही १ / १ का निशान लगावें तथा जिस कथन से आप सहमत नहीं हो उसके सामने नहीं पर सही १ / १ का निशान लगावें । आप कृपया नि:संकोच उत्तर देवें आपके उत्तरों को गोपनीय रखा जावेगा तथा इनका उपयोग केवल शोध कार्यों में ही किया जावेगा ।

सधन्यवाद ।

भविनिष्ठ अधिकार क्षेत्र शहा अधिवनी कुमार गौह्र श्र पोजेक्ट इन्चार्ज

	⊦= <b>-=-</b> =- ਫ਼ਿੱ	=-=-=-=   नहीं	F I I
	=-=-=	⊢= -= -=:   	1
जनजाति क्षेत्र के विद्यालय अधिकतम एक कि भी की दूरी पर	]   	<u> </u>	į
होने चाहिए।	 	i i 1	1
विधालय तक पहुँचने तथा घर जाने हेतु छोटे-छोटे बच्चों के		l A	!
तिर वाहन की ट्यवस्था हों।			i i
विधानम् अम्बर्क-एचं-सुन्दर हो ।			
रेवदात्तय का भवन पक्का हो ।			
विधालय में खेल, मनोरंगन आदि की पूरी सुविधा हो।	İ		
विधालय के कक्षाकक्ष विद्याण सामगी से धुनत हो ।			1

- 8- विद्यालय की पृत्येक गतिविधियों में छात्रों को स्वतंत्र लग से भाग लेने की छूट हो।
- १- विद्यालय समय स्थानीय आवश्यकता तथा माँग के अनुसार तय किया जावे
- 10- विधालय मैं अवकाश भी जनजाति प्रम्पराओं एवं त्यौहारों को ध्यान में रखकर किये जावें ।
- 11 विधालयों में जनजाति परम्पराओं, कला, संस्कृति आदि का एक कक्ष बनाया जावे ताकि छात्रों को लगें कि यह विधालय उनका है।
- 12- विधालय में आवासीय व्यवस्था तो हो, किन्तु इसमें रहने
   की छुट हो ।
- 13- आवासीय व्यवस्था इह पुकार हो कि भोजन, वस्त्र, स्टेमनरी आदि के क्य तथा वितरण में स्थानीय तथा जनजाति के लोगों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए।
- 14- सम्पूर्ण सामान के क्य देतु स्थानीय समूदाय की कोटी द्वारा होना वाहिर इस कमेटी में छात्रों का पूर्ण पृतिनिधित्व होना वाहिर ।
- 15— विषाष्ट्र अध्यापकों को इन विदालयों में लगाया जाना चाहिए तथा इन अध्यापकों को अतिरिक्त भल्ता मिलना चाहिए।
- 16- स्थानीय कमेटी तथा अन्य अधिकारियोँ द्वारा समय—समय पर निरीक्षण होते रहना चाहिए ।
- 17- अध्यापक तथा पुरअर द्वारा बेइमानी करने पर कठोर दण्ह मिलना चाहिए ।
- 18- अध्यापक को वहीं रहने हेतु सभी सुविधार उपलब्ध कराई जानी चाहिए ।
- 19- सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी पृकार की सुविधाएँ बहुत कम है, इनमें वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुएँ वृद्धि करना चाहिए।
- 20 भाता-पिता को रोजगार उपलब्ध कराया जाना चाहिस ताकि छात्र घर की तरफ से निधिचन्त रहे।
- 21- स्वास्थ्य एवं मनोरंजन की सुविधा का लाभ इन छात्रों को आवश्यकतानुसार मिलना चाहिए। तथा

22- प्थानाध्यापक, अध्यापक ∠हात्रावास अधिकारी, का ट्यव-हार इन हात्रों के प्रीत स्नेहमय होना चाहिए।

20- प्रकार को अपने बबाद में हुए करके विधालयों की लेख्या में, अध्यापकी की संख्या मेंज़ब्दाधन दुविधाओं में चूरिए केंद्र करना बहुत आवश्यक है।

24-	इस विधाल नाटक, रामत रहना वाहि	मि समय-समय पर फिल्म, विद्यों फिल्म, नाट, राम्सीर विद्यों फिल्म, नाट, राम्सीर विद्यों कि आर्थिन करते हरण
25-	छात्रौँ को वै होनी चाहि	िक्षक मार्ग दर्धन की अतिरिक्त ट्यवस्था ए।
26-	शिक्षा के सा चाहिस्।	थ-साथ रोजगार सम्बन्धी पृशिक्षण भी देना
	नाम गाँव/शहर	
	तहसील	

हस्ताक्षर

#### 4171005 - 3 e-----

# Tiving luins of guide armist seed

#### ortant animits are though whater i-erry types

#### mic - tour

"जनवारित के बानों जो दो वाने वाली मुख्याओं जा रेस्स के विकास पर प्रभाग हथा समात्र का इनके प्रीत द्वीवरकोण"

- ।- अपने केंद्र व अन्तर्भक भिनाव है हरनार हरत व्या-या कृतिया दो का रही है।
- 2- व्या क द्वांच्या में है जान भी मान हो रहा है १
- 3- तरकार के अनावा स्वयोगी संस्था ऑक्सावक आपारे सहायगा प्रदान करते हैं।
- ५- अरकार द्वारा दो जाने वाली काञ्चीत व्या वयांचा है ३
- ५- अनर पर्धाप्त नहीं है तो अपनी तथा राष है १
- 5- sur pre à fauteu à explate glaur è 9

- 7- and propose or connect day our i
- 8- जाभादात है रहने हो सभो द्वांच्या ज्यालाय है।
- १- वाद नहीं हो ज्या-आ कोस्पर्व है।
- 10- व्या अगरे वामावास में के जो व्यवस्था है।
- । है कि कार है है जिसे सेवाल को दरा रवदका है।
- 12- La afeta eter omni our giaur ai aria è
  Li- Maserian/Landeleura reducta
  Aliazarian/Landeleura reducta
- 13- वया अपनी ता स्वाप्त में स्टेमिंग को द्विया दो वर्षात है।
- 14- नेलाने हो आहे है
- 13- व्या आपके जानावात है स्तीर्था, विकास व अ-जानोन प्रधापन को स्वतस्था है।

# PTS STOTEME 2720

erasta gasaci, usa nienjan jautua, anafi film- i

#### 

"अवद्रात के तथा को दो वाने वाली त्रांववाओं वा जिला के भवनस पर प्राप्त तथा समाव का इनके प्रांत द्रोपतकोय"

## ers grantette aggits

- ।- अपनी केला व तामांक विकास है। वया-त्या त्विम हो बांत रही है।
- 2- वया इन स्टियाओं ने जाम को नाम को रहा है 9
- 3- सरकार के क्रमावा स्वयंत्रजे संस्था/अभिभावक आपको सदादा र पुन्तम करते हैं ।
- 4- वरण्य हारा ही जाने वाली शाम्युक्त म्या वर्षाच्य है १
- 3- अबर पर्याचा नहीं है तो आपकी क्या साथ है ?
- 5- auf die fieren die fier die fier die 1

- 7- and stated or differ det i
- 6- orthog a sea of and glace Juneu de
- १- याद नहीं तो ग्या-मा क्योग है।
- 13- या अपने द्वारावास है के की व्यवस्था है।
- ।।- अगर है भी उन्ने संबाल की ज्या प्याच्या है।
- 12- वेत तो गीत कारत आपनी नदा नुविधा हो ना तो है वेते जीनन/नास्ता/श्विती/पानी/वस्त्रानप्देश वाल विश्वसन्त्रोत्य अन्य ।
- 12- क्या आपने भागायात में स्टेमिटी की बीवधा दो जाति है।
- in the state of the design of
- । व्या अपने शरायात में स्वोद्या, विकास प्रश्नेन-वातीन अध्यापन की स्वतस्था है।

W.J	縺
¥	歸籍
7	類類
	蘇蘇
A state	赫
- American	特翰
C.F	輔

地下 即源:按		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·				2010213
e e			i for			
						O
6 i			A CANADA		n Salah Gana	\$0.000000 00000000000000000000000000000
	er rejek List menek List Gara		0000			**************************************
			1000000000000000000000000000000000000	SO SO SO SO SO SO SO SO SO SO SO SO SO S	The state of the s	10.400.71
9 6			III III III		lord P	
			w			
		ď				
ii ii O						
r F				(*) • • •		
				in. Or Ou		
					C.	
) 41 2			Lil elektri			N
			14.725			

	10 17 or		
			383382233
i i		3 (4) 7-	869598888

ša 1.	*
をかれる	经现场经
Batter Later	THE PERSONAL PROPERTY.
Microst - train	おおおおお かか
-	THE AND PERSONS
lita Na	AND ASSESSED ASSESSED.
	and depth shots which
できずい	以外的现在分词 经存货 经存货 医神经神经 人名西西西斯 医神经神经 医多种 医多种 医多种 医多种 医多种 医多种 医多种 医多种 医多种 医多种

				. "			
• (1)		P CO		in n			
i ez	i i i		iii				
i or	ф						
1			ro Co		2		
		4					
1	Marie Marie		a.				
				Adams Salas Adams			***
				The second of th			
			•				
\$ 1820)							
i SV	17) 17						
10		7					
1							
1						· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
						700	
1							

																		等
	4	5	13	w d			ro ro					in M						CW H
		40000 6						# 7 TA #1 2/U. A PRINTING STATE OF	***************************************	\$ 2.33 ***********************************							智慧	64 54
		6 A	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	(1) 6	盎		4				61.			17) <b>3</b>			•	
	• (1) •		J (Po	er 1931) (5)		有		enterior Gr	* ******* (2)	4988 49	t Em	ب دعم م		10				10000000000000000000000000000000000000
gaston " " " " " " " "		9 4					<b>5</b> •	) <b>1</b>	1 4 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	The record	∞ ζ* • •	§ 1989 1 €	m (j	r el	T F	7 7		
<b>9</b> 40	*** (*	Files is					卷		6	endo E Gr	#1000 ## ##	•	•	ep i	<b>b</b> 4			
इ. स							1											3

तहसील	सी वायर सैकण्ड्री	सैकण्ड्री
।- सलूम्बर	।— सनूम्बर	। – बस्सी २ – ज्ञानारा ३ – ईटानी खेडा
सराहा	2- भवराना	4-रठौड़ा 5-टोकर 6-सेमारी
खैरव एडा	3- गीगला	7-केन्ह ८-थाणा १-झाड़ोल
झाड़ोल	4— कल्याणपुर	10-परसाद 11-ज <sub>विस्</sub>
·	5- ऋषभदेव	12-बंहारवाहा 13-पारिया
	6- खेरवाहा	14-कोजीवाहा । 5-सोरिया
	7- बावलवाहा	। ६-अोगणा । ७ – दीम डी
	B- सराहा	18-कोल्यारी ११-ओड़ा
	१– चावण्ह	
	१०- इग्डोल	
	।।- फ्लासिया	
. भी नहास्त्र	। – सी व्हॉर्से • धरिय	ावद । मगाणा २ - केंत्री रयाबाद
2- धीरचावद	1- (1) 61 (1 91(4	3-लक्षाहिया ४-पारसोता
a futar	। – टी डी	। —बारापाल २ — नाई
3- गिरवा	2- जावर माइन्स	उ-सीसारमा
	3- क्राबह	
	उ- बुरुबड़ ४- बारापाल	
	7- 91(1410	
	। – कोटहा	। – वास
४- कोटड़ा	[ - 4/00/	
	Route (	The st
, धी रद्यावद		<b>्</b> भैरवाहा
भूष र जिल्ला		·
<b>े</b> इल Tर T	कल्याण	नुरुष म्रजभदेव
स्तुम्बर	Auth	#Le
• ब स्ती	केजह असराहा	मा टीडी
्री श	होत है श्रेचावण्ड	वारापाल वि
	A transfer of the second	
	<b>ली</b> टना	

## कायां तिय जिला शिक्षा अधिकारी छात्र संस्थार, उदयपुर १राज १

िदिनांक: 6-12-1988

श्रीमान्/श्रीमतो

विषयः - सन्सी •ई आरं •टी नई दिल्ली के पृणिकट के दत्त संकलन हेतु ।

प्रांग :- एन सी र्ड आर टी के पत्र क्रमांक एप-2-5/88/ ई आर आई सी/3216 दिनांक 4 अगस्त, 1988 के क्रम में ।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख हैं कि एन सी ई आर टी हारा राजकीय कैंवरपदा उच्च माध्यमिक विधालय, उदयपुर को शोध प्रायोजना "To study the special facilities (incentives) and Educational Development of Tribal Students and Attitude of Society towards them. "स्वीकृत हुई हैं। ऐसी प्रायोजना अपने जिले में किसी विद्यालय को पहलो हार स्वीकृत हुई हैं। अत: इसे समय पर पूर्ण करना आवश्यक हैं।

इस कार्य के दंदत संकलन हेतु आपको आपके नाम के आगे अंकित पंचायत समिति में देय दिनांकों के मध्य निदेशक एवं उपनिदेशक के निर्देशानुसार कार्य करना हैं। इस कार्य हेतु आप आपके सह संयोजक से त्यक्तिगत सम्पर्क स्थापित कर कार्य को अच्छी तरह समझले ताकि दत्त संकलन में आपको देय कार्य करने में कठिनाई न हों। पृत्येक दल संयोजक अपना मार्ग दर्शन पायोजना प्रभारो, निदेशक तथा उप निदेशक से सम्पर्क कर प्राप्त करें।

तभी शोधकर्ता दत्त संकलन हेतु निधारित दिनांक को विधालयों में समय पर पहुँच जावे।

इस कार्य हेतु एन सी ई आर टी - हारा निधापित बजट में से यात्रा ट्याय एवं दैनिक भत्ता रा कार्यपदा उ मा वि - हारा सुकाया जावेगा । कार्य-क्मं तथा दल इस पुकार हैं :-

#### कार्यक्रम एवं कार्यकारी दल

कन्द्रोतस

नसो रहीन सिहीको जिला शिक्षा अधिकारी, उदयपुर

**निदेश**क

शी हरिश्रायन्द्र जोशी पुन्अन रान्वेबरपदा सीनियर

जि.सार्वेश, उद्यप्त

तव निदेशन

श्री तक्कानीसंह मेहता सन्तु अन रान कॅवरपदा सीनियर

उन्मर-दिव-, उद्यपुर

प्रायोजना प्रभारी

: श्री अधिकारी कुमरर गोह पो आई रा किर्यदा सीनियर उन्हारियन, उदयपुर

 गिवरिष्वं झाहोल पुभारी । - शीमती मारदा पाण्डोर उपं जिला र्माक्षा अधिकारी हिनात्रार उदयपुर

> 2- श्रीमती जैनब बानु अध्यापक रा कैंवरपदा सो नियर उ मा निवास, उदयपुर

्दि । १२ हे । ४ दिसम्बर, ८८ 🖰

 3- श्री नारायणलाल पालीवाल का स. रा-कवरपदा सीनियर उ.मा-वि., उद्यापुर

4- भी रविन्द्र सिंह बक्षी व अ र रा कॅवरपदा सोनियर उमार्गवर, उदयपूर

5- श्रीमती संतोष रानी माधूर व्याख्याता रा-कॅवरपदा सोनियर उन्मा-विन, उद्येपूर

सन्नम्बर एवं धरियावद पुभारो । - श्री रमेशचन्द्र सुखवान व्याख्याता

रा कैंवरपदा सी नियर उ मा वि उदयपूर

🛴 २- श्री भंकरलाल नरसिंहपुरा पृ अ॰ रा • मार्गव सुंगाना

15 से 17 दिसम्बर, 88

उच चैन्सिंह खिमेशरा वःअ॰ रा॰ कॅवरफ़दा सोनियर उ मार्वि, उदयपुर

ं 4- शो शान्तिलाल चित्तौहा व अ रा कॅवरपदा सोनियर उ.मारविर,उदयपूर

3<sub>ार्</sub> बेरवरहा सर्वे सराहाः प्रभारी । — श्लो जगदीशचन्द्र व्यास प्राःअः राःमाः ीय सनीनाखेडा

ा2 से 14 दिसम्बर, 88

2- भी पन्नालाल नागदा मार्वि काडोल {सराहा }

3- श्री महावीर प्राद रा-गु-गो-सीनियर व विकास के जिल्ला के अपने के अपने के अपने के अपने के अपने के अपने के अपने के अपने के अपने के अपने के अपने के अ

4- १ राजेन्द्र कुमार गौह, मा विख्याली

कोटहा

पुभारो । - १) भंवरताल नागदा, पुतह सो ीन्यर उ मा वि , उदयपुर

15 हे 17 दिसम्बर, ८८

2- श्री भौतेषवरनाथ सनाद्य ट्याख्याता ्रा विव्यवस्य स्त्रीनियर उपमार्विः उद्यप्र

। भी भाषतीलाल पौबीका १८त सगण्य जिर्ाशा अर कायालिय, उदयपूर

विभिन्न पंचायत समितियों में विकासय कार्य का विविध्यों रिकारित्य कार्यक्रम 12 ते 17 दिसम्बर, 1988 तक :-

पुभारो । – श्री भोषवनी कुमार मोह, रा केवरपदा भो उभा निव उदस्य

3- भ्रो तेजितिंह मेहता, रा॰कैंवरपदा सी॰ उ॰मा॰वि॰, उदयपुर 4- भ्रो ऋषिराज तिवारो, एस॰आई॰ई॰आर॰टो॰

> णिला शिक्ष<del>ा अधिकारी</del> ्रेष्ठात्र संस्थारं शिक्षा विभाग, उदयपुर श्राज∙श्

कुमांकः जिभिन्नात्र संस्था/एनसीआरटी/जनजाति पृोजेक्ट/८८-८९/

### पृतितितिपः -

- । डॉ॰ एम के रैना, मेम्बर सैकेटरो, एरोक एन सी आर टो ॰ श्रो अर्विन्दो मार्ग नई दिल्लो को सूचनार्थ पेषित हैं।
- 2- निदेशक एस आई ई आर री , उदयपुर को भेजकर निवेदन हैं कि सम्बंधित शोधकर्ता को समय पर कार्यमुक्त करने का श्रम करावें।
- 3- शीमती जिला शिक्षा अधिकारी छात्रा संस्था, उदयपुर को भेजकर निवेदन हैं कि सम्बंधित शोधकर्ता को दत्त संकलन हेतु कार्यमुक्त करावें।
- 4- श्रो विकास अधिकारो/प्-अ•/उ•िज•िशःअ• को भेजकर लेख हैं कि अनुर्धान दल को पूर्ण सहयोग प्रदान करावें । तथा इनके ठहरने की व्यवस्था करावें ।
- 5- भी सम्बंधित पुं:अं/पुं:अध्यापिका को भेजकर लेख हैं कि शोधकता की दत्त संकलन हेतु कार्यमुक्त करें।
- 6- सम्बंधित भी ----- प्राधकर्ता को भेजकर लेख हैं कि एक दिन पूर्व प्रायोजना प्रभारी से मिलले तथा समय पर कार्य-मुक्त होकर पहुँचे ।
- 7- कायानिय पत्रावनी ।

जिला शिक्षा अधिकारी शुष्ठात्र संस्थार १ शिक्षा विभाग, उद्यपुर १राज १

# कायि विय जिला शिक्षा अधिकारी छात्र संस्थार, उदयपुर श्राज श्रे

दिन कि: 5-12-1988

श्रीमान्/श्रीमत्रो ----

ত্ৰাকাৰী জাত প্ৰতিক্ৰালয় ব

विषय: - एन सी र्इ आर टी नई दिल्ली के प्रीजेक्ट के दत्त संकलन हेतु ।

प्रांग : एन सो रई आर टी के पत्र कुमांक एप-2-5/88/ इंआर आई सी/3216 दिनांक 4 अगस्त, 1988 के कुम में ।

उपरोक्त विषयान्तर्गत तेख है कि सन-सी ई आर टी होता राजकीय कैवरमदा उच्च माध्यमिक विद्यालय, उदयपुर को शोध प्रायोजना "To study the special facilities (incentives) and Educational Development of Tribal Students and Attitude of Society towards them." स्वीकृत हुई हैं। ऐसी प्रायोजना अपने जिले में किसी विद्यालय को पहली बार स्वीकृत हुई हैं। अत: इसे समय पर पूर्ण करना आवश्यक है।

इस कार्य के द्रेंटत संकलन हेतु आपको आपके नाम के आगे अंकित पंचायत समिति में देय दिनांकों के मध्य निदेशक एवं उपनिदेशक के निर्देशानुसार कार्य करना हैं। इस कार्य हेंतु आप आपके सह संयोजक से व्यक्तिगत सम्पर्क स्थापित कर कार्य को अच्छो त्रह समझते ताकि दत्त संकलन में आपको देय कार्य करने में कि कि उन्हों ने प्रदेशक दल संयोजक अपना मार्ग दर्शन प्रयोजना पृथारो , निदेशक तथा उप निदेशक से सम्पर्क कर मुझेन्त करें।

सभी शोधकता दत्त संकलन हेतु निधारित दिनांक को विधालयों में समय पर पहुँच जावे।

इस कार्य हेतु एन-सी ई आर टो हारा निधाप्ति बजट में से यात्रा ट्यंय एवं दैनिक भत्ता रा केंवरपदा उ मा वि हारा चुकाया जावेगा । कार्य-कुम तथा दल इस पूकार हैं :-

### कार्यक्रम एवं कार्यकारो दल

कन्द्रोलस

: नसी ल्हीन सिहोकी जिला शिक्षा अधिकारी, उदयपुर

**निदेश**क

: श्री हरिश्राचन्द्र जोशी प्रश्वर रा**र्वेब**रपदा सीनियर

्यम्भारतीयः, उदयपुर

उप निदेशक

: भ्रो सेक्क्ष्मप्रसंह मेहता स-प्रन्ता हा- वीवश्वदा सीनियर वन्त्रा-वि-, वक्षपुर

वायोजना वंसारी

: श्री अधियनी कृमार गोह यो आई रा किंद्रपदा सीनियर तंन्या शिव , तदयपुर

ंपुभारी ।- शीमती शारदा पाण्डोर उप जिला । — गिवा एवं झाहील शिक्षा अधिकारी १ष्ठात्रासँ१ उद्यपूर 2- शीमती जैनब बान् अध्यापक रा कैंवरपदा सोनियर उन्मानिक, उद्यपूर

िदि । 2 से 14 दिसम्बर, 88

3- श्री नारायणलाल पालीवाल का स रा-कवरपदा सी नियर उ-मा-वि-, उदयपूर

4- भी रविन्द्र सिंह बक्षी व-अ॰ रा॰ कैंवरपदा सी नियर उ.मा निव., उदयपुर

5- भीमती संतोष रानी माधुर व्याख्याता ्रा-कॅवरपदा सोनियर उ.मा-वि.,उदयपूर

2- सलूम्बर एवं धरियावद पुभारी 1- श्री रमेशचन्द्र सुखवाल व्याख्याता रा • कैवरपदा सीनियर उ • मा • वि • उद्यपुर

> 🕠 २- श्री शंकरलाल नर्सिंहपुरा प्•अ• रा• मार्वि ग्राना

ाउ से 17 दिसम्बर, BB

ु उन् वैनसिंह विसेक्राह्य अर्था **कैवरब**दा ्रोनियर उन्मानीत-, उदयपूर

4- शो शान्तिलाल चित्तीहा वं अर रार ं ं जैवरपदा सीनियर उन्मानिवन, उद्यपूर + participation (1) and compared to the property of the completion of the completi

3-- खेरवाहा एवं सराहाः पुभारी । - श्री जगदीभूव-दृष्ट्यास प्∙अ रा•मा• िष सवीनाखेडा

2- श्री पन्नालाल नागदी मार्गि इन्होल श्राहा हा है

3- शो महाबीर प्राद रा गु गो सो नियर उ मा वि , वेद्यपुर

4- १ राजेन्द्र कुमार गौह, मा वि खेमली

4+ कोटहा पुभारो । - श्री भंदरतात नागदा, फ्लंह सो नियर उन्मारीक , उद्यपुरु 👆 🚌 🚌 15 से 17 दिसम्बर, 88

2- भी भोतेशवरराधं सर्नाद्यं ट्याख्याता रां कैंवरपदा सीनियर उन्मानिव उद्यपूर

12 से 14 दिसम्बर, 88

- भी भगवतीतात चौबीता 2- भी राजेन्द्र सिंह चौहान जि॰ शि॰अ॰ कायालिय, उदयपूर

विभिन्न पंचायत समितियाँ में विधालय कार्य का विवाहयाँ रिकाहिंग कार्यक्म 12 से 17 दिसम्बर, 1988 तक :-

प्रभारो । - को अधियनो केमार गीम रास्केटराटा सो उत्पार विश्वदक्ष

3- श्री तेणिसिंह मेहता, रा केंवरपदा सी • उ मा • वि • , उदयपुर 4- श्री ऋषिराण तिवारी, एस • आई • ई • आर • टी •

जिला शिक्ष अधिकारी

्रेष्ठात्र संस्थार्

शिक्षा विभाग, उदयपुर १राज १

क्मांक: जिश्विभ/छात्र संस्था/एनसी भारटी/जनजाति पृोजेक्ट/८८-८१/ दिनांक 6-12-1988

#### पृतितिलिप:-

- । डॉ॰ एम के॰ रैना, मेम्बर सैकेटरी, एरीक एन सी आर टी॰ शी अरिवन्दों मार्ग नई दिल्ली को सूचनार्थ पेषित है।
- 2- निदेशक एस आई ई आर टी , उद्यपुर को भेजकर निवेदन हैं कि सम्बेरियत शोधकर्ता को समय पर कार्यमुक्त करने का अम करावें।
- 3- श्रीमती जिला शिक्षा अधिकारी छात्रा संस्था, उदयपुर को भेजकर निवेदन हैं कि सम्बंधित शोधकर्ता को दत्त संकलन हेतु कार्यमुक्त करावें।
- 4- श्री विकास अधिकारी/पु-अ-/उ-िन-भिन्ध- को भेजकर लेख हैं कि अनुसंधान दल को पूर्ण सहयोग पृदान करावें । तथा इनके ठहरने की व्यवस्था करावें ।
- 5- श्री सम्बंधित प्रांत प्रांत अध्यापिका को भेजकर लेख हैं कि शोधकता की दलत संकलन हेतु कार्यभुक्त करें।
- 6- सम्बंधित भी ----- शोधकता को भेजकर लेख हैं कि एक दिन पूर्व पायोजना प्रभारी से मिलले तथा समय पर कार्य-मुक्त होकर पहुँचे ।
- 7- कायलिय पत्रावली ।

जिला शिक्षा अधिकारी १छात्र संस्थाएँ १ शिक्षा विभाग, उदयपुर १राजः १

## कायां तिय जिला भिक्षा अधिकारी छात्र तस्थार, उदयपुर हुराज-ह

दिनांक: 6-12-1988

श्रीमान्/श्रीमतो

विष्य: - एन सी रई आर टी नई दिल्ली के पृोजेक्ट के दत्त संकलन हेतु ।

of the second

प्रतंग :- एन सो ई आर रो के पत्र कृमांक एप-2-5/88/ ई आर आई सी/3216 दिनांक 4 अगस्त, 1988 के कृम में 1

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख हैं कि एन सो ई आर टी दारा राजकीय कैं वरपदा उच्च माध्यमिक विद्यालय, उदयपुर को शोध प्रायोजना " To study the special facilities (incentives) and Educational Development of Tribal Students and Attitude of Society towards them." स्वीकृत हुई हैं। ऐसी प्रायोजना अपने जिले में किसी विद्यालय को पहली बार स्वोकृत हुई हैं। अत: इसे समय पर पूर्ण करना आवश्यक है।

इस कार्य के दाता संकलन हेतु आपको आपके नाम के आगे अंकित बैचायत समिति में द्वेय दिनां को के मध्य निदेशक एवं उपनिदेशक के निर्देशानुसार कार्य करना है। इस कार्य हेतु आप आपके सह संयोजक से ट्यिक्तगत सम्पर्क स्थापित कर कार्य को अच्छी तरह समझले ताकि दत्त संकलन में आपको देय कार्य करने में किताई नहीं। प्रयोक दल संयोजिक अपना मार्ग दर्शन पायोजना प्भारो, निदेशक तथा उप निदेशक से सम्पर्क कर पाप्त करें।

सभी शोधकता दत्त संकलन हेतु निधारित दिनांक को विधालयों में समय पर पहुँच जावे ।

इस कार्य हेतु एन सी रई आर रो हारा निधारित बजट में से पात्रा ट्यय एवं दैनिक भत्ता रा केंवरपदा उमार्गवर हारा चुकाया जावेगा। कार्य-कुम तथा दल इस पुकार हैं :-

#### कार्यक्रम एवं कार्यकारो दल

कम्द्रोत्स १८६०

: नसी रूद्दीन सिद्दोकी जिला शिक्षा अधिकारी, उदयपुर

<u>निदेशक</u>

्री हरियाचन्द्र जोशी प्रभः सम्बद्धान्त सीशियकः जन्मर-रिवः, उदयपुर

उप निदेशक

ः श्री सक्वनसिंह मेहता स-प्र-अः रान् वैवस्पदा सीनियर उन्मान्तिन, तस्यपूर

पुरवीवनी प्रभारी

: श्री अधिवनी कुमार गौह पी-आर्च- रा- वैवस्पदा सीमियर उन्मानीय: उद्यपुर दि 12 से 14 दिसम्बर, 88

15 से 17 दिस्मबर, 88

। – गिर्वा एवं झाहोल

पुभारी ।— शीमती शारदा पाण्डोर उप जिला शिक्षा अधिकारी १ृंछात्रास १ उदयपुर

25 श्रीमतो जेनब बानु अध्यापक राःकैंवरपदा सोनियर उःमाःविष, उदयपुर

3— श्री नारायणाताल पालीवाल का सः रा काँव्रपदा सी नियर उमार्वि, उद्यंपुर

4- भी रविन्द्र सिंह बक्षी व अ र र र कैंवरपदा सीनियर उन्मार्गवर, उदयपुर

5- शीमती संतोष रानी माथुर व्याख्याता रा-वैवरपदा सीनियर उमार्वि,उदयपुर

2- सनूम्बर एवं धरियावद पृक्षारी । - श्री रमेशचन्द्र सुखवान व्याख्याता राज्यवरपदा सीनियर उज्माजीव उदयपुर

2- श्री शंकरताल नरसिंहपुरा पृ॰अ॰ रा॰

२०० म् **ग**्रिव - ूर्म्णान **र** 

अ—ःवैनासिंह विमेसरा व∙अ∙ रा॰ कॅवरफदा ्सो नियर,उ≔मा•्वि•, उद्युप्र

4- शी आान्तिताल चित्तीहा व अ रा किंवरपदा सोनियर उमानिव , उदयपुर

3 — खेरवाहा रवं सराहा पुभारो । संभी जगदीशचन्द्र व्यास पु•अ• रा•मा• विष्यु सवीनाखेडा

2— श्री पन्नालाल नागदा मार्वि झाडोल {सराहा{

्उ- श्रो महावीर प्रशाद राग्गुग्गो सिवियर उपगारीयम्, उदयपूर

4- शी राजेन्द्र सुमार जोह, मारविधेमली

<del>१.-</del> कोटहा,

पुभारो । शो भंगरताच नागदा, प्राह सोनियर उत्पारित , उद्यपुर

15 से 17 दिसम्बर, 88

2- श्री भोतेशवरताथ सत्ताद्य व्याख्याता राः कैंवरपदा सीनियर उम्मारिवः उदयपुर

दरतः संगणक

ा 12 से 14 दिसम्बर, 88 🕾

। – भी भगवतीतात गीवीसा २ = भी रामेन्द्र सिंह गीहान

जि॰ शि॰अ॰ कायालिय, उद्यपूर

विभिन्न पंचायत समितियों में विधालय कार्य का विहियों रिकाहिंग कार्यक्म 12 ते 17 दिसम्बर, 1988 तक :-

- 3- शो तेजिसिंह मेहता, रा केंद्रपदो सी उ मा विन, उद्यूपुर
- 4- भी ऋषिरांज तिवारी, एस-आई-ई-आर-ही-

जिला शिक्ष अधिकारी {छात्र संस्थार्थ } शिक्षा विभाग, उदयपुर १राज १

क्मांक: जिश्विष्ठा/छात्र संस्था/एनसीआरटो/जनजाति पृोजेक्ट/८८-८९/ दिनांक 6-12-1988

## पृतितिनीप:-

- । डॉ॰ एम के रैना, मेम्बर सैकेटरो, एरोक एन सी आर टी शो अरविन्दों मार्ग नई दिल्लों को सूचनार्थ पेषित हैं।
- 2- निदेशक एस आई ई आर टी , उदयपुर को भेजकर निवेदन हैं कि सम्बंधित शोधकर्ता को समय पर कार्यमुक्त करने का ११म करावें।
- 3- श्रीमती जिला शिक्षा अधिकारी छात्रा संस्था, उदयपुर को भेजकर निवेदन हैं कि सम्बंधित शोधकर्ता को दत्त संकलन हेतु कार्यमुक्त करावें।
- 4- श्री विकास अधिकारी/पु-अ-/उ-जि-शि-अ- को भेजकर लेख हैं कि अनुसंधान दल को पूर्ण सहयोग प्रदान करावें । तथा इनके ठहरने की व्यवस्था करावें ।
- 5- श्री सम्बंधित प्रभारप्रभाष्यापिका को भेनकर लेख हैं कि शोधकर्ता को दत्त संकलन हेतु कार्यसुक्त करें।
- 6- सम्बंधित भ्रो ----- प्राधिकता को भेजकर लेख हैं कि एक दिन पूर्व प्रायोजना प्रभारी है मिलले तथा समय पर कार्य-मुक्त होकर पहुँचे ।
- 7- कार्यालय पत्रावली ।